सीएम मान पर सियासी घेराबंदी.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

करियर में आए बदलावों पर... 11

वर्ष - 02, अंक - 82 | गाजियाबाद / गुरूवार 25 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

पीएम मोदी से मिले चीन के विदेश मंत्री वांग यी

भारत-चीन संबंधों को नई दिशा देने पर चर्चा, ब्रिक्स और ग्लोबल साउथ में मिलकर काम करने की जताई प्रतिबद्धता

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर भारत-चीन संबंधों को मजबूत बनाने, आपसी विश्वास बढ़ाने और सहयोग को नई गति देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चीन भारत के साथ मिलकर दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को जमीन पर उतारने के लिए तैयार है।

बैठक के दौरान वांग यी ने कहा कि भारत और चीन को आपसी भरोसा बढ़ाने, गलतफहमियां दूर करने, संवेदनशील मुद्दों को समझदारी से संभालने तथा पारस्परिक लाभ वाले सहयोग को और गहरा करने की दिशा में मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंधों में सकारात्मक गति बनाए रखना न केवल दोनों देशों की जनता के हित में है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपेक्षाओं के भी अनुरूप है।

भारत में चीन के राजदूत शू फीहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए बताया कि वांग यी ने भारत और चीन को दुनिया के दो सबसे बड़े विकासशील देशों तथा ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण प्रतिनिधि बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देश ग्लोबल साउथ के देशों के बीच एकता, आत्मनिर्भरता और सहयोग को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।

वांग यी ने कहा कि चीन ब्रिक्स के घूर्णन अध्यक्ष के रूप में भारत की भूमिका का समर्थन करता है और संगठन को और मजबूत बनाने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

इससे पहले वांग यी ने ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-चीन संबंधों में हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा की और माना कि संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में धीरे-धीरे प्रगति हो रही है।

बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिस्री, भारत में चीन के राजदूत शू फीहोंग और दोनों देशों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

सीमा विवाद को संबंधों पर हावी न होने देने की अपील

वांग यी ने कहा कि भारत और चीन को अपने संबंधों को केवल द्विपक्षीय दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और वैश्विक नजरिए से भी देखना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों को अपने नेताओं के बीच बनी सहमति को व्यवहार में लागू करना चाहिए और सहयोग के माध्यम से विकास तथा प्रगति के नए अवसर पैदा करने चाहिए।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे के मूल हितों का सम्मान करना चाहिए और संवेदनशील मुद्दों को समझदारी से संभालना चाहिए। साथ ही, भारत-चीन सीमा विवाद को इस तरह प्रबंधित किया जाना चाहिए कि उसका असर दोनों देशों के व्यापक संबंधों पर न पड़े।

जनस्तर पर विश्वास बढ़ाने की जरूरत

चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों को समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सकारात्मक समझ विकसित करने के लिए भी प्रयास करने चाहिए, ताकि भारत-चीन संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक जनसमर्थन और मजबूत सामाजिक आधार तैयार किया जा सके।

भारत और चीन के बीच हाल के महीनों में बढ़े कूटनीतिक संवाद को दोनों देशों के संबंधों में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि सीमा से जुड़े मुद्दे अब भी चुनौती बने हुए हैं, लेकिन दोनों पक्ष बातचीत और सहयोग के जरिए रिश्तों को आगे बढ़ाने की इच्छा जता रहे हैं।

भारत डायनामिक्स को एचएएल से 1,348 करोड़ रुपये का रक्षा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से 1,347.71 करोड़ रुपये का बड़ा रक्षा ऑर्डर मिला है। कंपनी ने बुधवार को स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि इस ऑर्डर में हेलीकॉप्टरों के लिए हेलिना मिसाइल लॉन्चर और अन्य रक्षा प्रणालियां शामिल हैं।

ऑर्डर के तहत 1,109.37 करोड़ रुपये के हेलिना लॉन्चर और लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स (एलआरयू) तथा 238.34 करोड़ रुपये के काउंटर मेजर्स डिस्पेंसिंग सिस्टम एलआरयू की आपूर्ति की जाएगी। कंपनी के अनुसार यह अनुबंध अगले 24 से 60 महीनों के भीतर पूरा किया जाएगा।

हेलिना डीआरडीओ द्वारा विकसित स्वदेशी तीसरी पीढ़ी की फायर एंड फॉरगेट एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है, जिसका उपयोग रुद्र और प्रचंड जैसे सैन्य हेलीकॉप्टरों में किया जाता है। वहीं काउंटर मेजर्स डिस्पेंसिंग सिस्टम दुश्मन की मिसाइलों से हेलीकॉप्टरों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

गौरतलब है कि हाल ही में बीडीएल के चौथी तिमाही के नतीजे कमजोर रहे थे। कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 58.5 प्रतिशत घटकर 113 करोड़ रुपये रह गया था, जबकि आय 73 प्रतिशत गिरकर 480 करोड़ रुपये पर आ गई थी। इसके बावजूद नए ऑर्डर को कंपनी के लिए बड़ा प्रोत्साहन माना जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राहुल गांधी पर बीजेपी का हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर एक बार फिर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राहुल गांधी के बयान पाकिस्तान के दुष्प्रचार (प्रोपेगैंडा) को मजबूती देने वाले थे। पार्टी का कहना है कि जब पाकिस्तान भारतीय वायुसेना के राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराने का दावा कर रहा था, तब राहुल गांधी ने उन दावों पर सवाल उठाने या सबूत मांगने के बजाय केंद्र सरकार से जवाब तलब करना शुरू कर दिया।

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना

से जुड़े मामलों में विपक्ष को जिम्मेदार रवैया अपनाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने पाकिस्तान के दावों को चुनौती देने के बजाय सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की, जिससे देश की छवि को नुकसान पहुंचा।

भाजपा ने हाल ही में भारतीय वायुसेना द्वारा जारी किए गए एक टेंडर का भी उल्लेख किया। पार्टी के अनुसार, इस टेंडर में सभी 36 राफेल लड़ाकू विमानों के लिए व्यापक सपोर्ट और मेंटेनेंस पैकेज की मांग की गई है। भाजपा का दावा है कि यह इस बात का प्रमाण है कि भारतीय वायुसेना के सभी राफेल विमान पूरी तरह सक्रिय और सुरक्षित हैं तथा पाकिस्तान द्वारा कई राफेल विमानों को मार गिराने का दावा पूरी तरह निराधार था।

अमित मालवीय ने कहा कि यदि पाकिस्तान के दावे सही होते तो वायुसेना के सभी 36 विमानों के लिए सपोर्ट पैकेज की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि इस तथ्य से पाकिस्तान के दुष्प्रचार की पोल खुल गई है और राहुल गांधी को भी अपने बयानों पर स्पष्टीकरण देना चाहिए।

राजेश एक्सपोर्ट्स पर ईडी का बड़ा एक्शन

9 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फेमा उल्लंघन के एक मामले में राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड और उससे जुड़े लोगों के बेंगलुरु व मुंबई स्थित 9 ठिकानों पर छापेमारी की है। कार्रवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल सबूत जब्त किए गए हैं।

ईडी के अनुसार, जांच में विदेशी लेनदेन, अफ्रीकी खदानों में 1,035 करोड़ रुपये के निवेश और करीब 3,000 करोड़ रुपये के संदिग्ध विदेशी कारोबार से जुड़े मामलों में अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। इसके अलावा कंपनी के रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में लगभग 40 प्रतिशत का अंतर भी पाया गया है।

जांच एजेंसी ने शेयरों में हेरफेर और कथित एनआरआई बेनामीदारों के जरिए 600 करोड़ रुपये से अधिक की रकम विदेश भेजे जाने की आशंका जताई है। मामले की जांच जारी है।

निमाणाधीन गोदाम की छत गिरी, 3 मजदूरों की मौत

18 मजदूर मलबे में दबे

कोलकाता, एजेंसी। दक्षिण कोलकाता के तारातला इलाके में बुधवार दोपहर एक निमार्णाधीन गोदाम की छत अचानक ढह जाने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 18 के करीब मजदूर अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं। अब तक 21 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। घटना के समय गोदाम में 40 से अधिक मजदूर काम कर रहे थे।

पश्चिम बंगाल सरकार के अनुसार यह दुर्घटना दोपहर करीब 12:07 बजे हुई। हादसे की सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस, दमकल विभाग, कोलकाता पुलिस, एनडीआरएफ और भारतीय सेना की टीमें मौके पर पहुंच गईं और युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हादसे में तीन मजदूरों की मौत हुई है। मृतकों में दो की पहचान रोहित चौधरी और कृष्णा चौधरी के रूप में हुई है। वहीं 12 घायलों का इलाज एसएसकेएम अस्पताल में चल रहा है। बचाव दलों के अनुसार 15 से 18 मजदूर अभी भी मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। राहत की बात यह है कि उनसे संपर्क बना हुआ है। फंसे मजदूरों तक पानी और ऑक्सीजन पहुंचाई जा रही है, जबकि उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्य सरकार ने प्रारंभिक जांच में निमार्णाधीन वेयरहाउस के बिल्डिंग प्लान में गंभीर खामियों की बात कही है। अधिकारियों के अनुसार इस भवन का नक्शा इसी वर्ष 17 जनवरी को स्वीकृत किया गया था।

31 जुलाई तक कमर्शियल निर्माण कार्य पर रोक

हादसे के बाद राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए कोलकाता नगर निगम (केएमसी) क्षेत्र में चल रहे सभी व्यावसायिक निर्माण कार्यों पर 31 जुलाई तक रोक लगाने की घोषणा की है। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि सभी निमार्णाधीन व्यावसायिक भवनों के बिल्डिंग प्लान और साइट प्लान का ऑडिट किया जाए। जिन परियोजनाओं के दस्तावेज सही पाए जाएंगे, उन्हें 1 अगस्त से दोबारा काम शुरू करने की अनुमति दी जाएगी।

भारत-यूके व्यापार संबंधों को मिलेगी नई रफ्तार

तीन दिवसीय ब्रिटेन दौरे पर जाएंगे पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 25 से 27 जून तक तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर ब्रिटेन जाएंगे। यह दौरा भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) और डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन (डीसीसी) के 15 जुलाई से लागू होने से पहले हो रहा है।

दौरे के दौरान पीयूष गोयल ब्रिटेन के बिजनेस एंड ट्रेड सचिव पीटर काइल के साथ उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग बढ़ाने, समझौतों के प्रभावी क्रियान्वयन, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने और बाजार पहुंच से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी।

केंद्रीय मंत्री इंडिया ग्लोबल फोरम के उद्घाटन सत्र को भी संबोधित करेंगे। इसके अलावा वह एचएसबीसी, रोल्स-रॉयस समेत कई

वैश्विक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर भारत में निवेश और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे।

पीयूष गोयल यूके-इंडिया बिजनेस काउंसिल द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे और निवेशकों व उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। सरकार का मानना है कि यह दौरा भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक संबंधों को नई मजबूती देगा तथा वर्ष 2030 तक 120 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को हासिल करने में मददगार साबित होगा।

नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 10वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक का आयोजन नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा किया जा रहा है।

बैठक में 44 केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधि हाइब्रिड मोड में शामिल होंगे। इस अवसर पर अमित शाह "मादक पदार्थ नियंत्रण विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029" जारी करेंगे, जिसमें नशे की मांग और

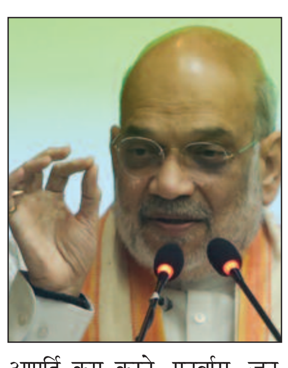

आपूर्ति कम करने, पुनर्वास, जन-जागरूकता और ड्रग तस्करी पर नियंत्रण के लिए रोडमैप प्रस्तुत किया जाएगा।

गृह मंत्री एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट-2025 भी जारी करेंगे तथा जम्मू और गुवाहाटी में नवनिर्मित एनसीबी आंचलिक कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा "ड्रग डिस्पोजल फोर्टनाइट अभियान" के तहत देशभर में करीब 2.09 लाख किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किए जाने की जानकारी भी साझा की जाएगी, जिनकी अनुमानित कीमत 6,000 करोड़ रुपये है।

बैठक में सिंथेटिक ड्रग्स, डार्कनेट के जरिए होने वाली तस्करी, युवाओं को नशे से दूर रखने और पुनर्वास सुविधाओं को मजबूत बनाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार का कहना है कि यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नशामुक्त भारत और जीरो टॉलरेंस नीति को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम साबित होगी।

अंतिम समझौते के बाद ही परमाणु स्थलों का निरीक्षण संभव : ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के निरीक्षकों को उसके परमाणु स्थलों तक पहुंच देने का फैसला अमेरिका के साथ किसी अंतिम समझौते के बाद ही किया जाएगा। तेहरान का कहना है कि निरीक्षण और परमाणु सामग्री से जुड़े सभी मुद्दों का समाधान व्यापक समझौते के दायरे में ही संभव है।

ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि अंतरराष्ट्रीय निरीक्षकों की पहुंच और परमाणु गतिविधियों से जुड़े विषयों को केवल अंतिम समझौते के ढांचे के भीतर ही देखा और सुलझाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए दूसरे पक्ष को सभी प्रतिबंधों को हटाने के लिए वास्तविक और प्रभावी कदम उठाने होंगे।

उनके अनुसार प्रतिबंधों में राहत और निरीक्षण प्रक्रिया एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं।

गरीबाबादी ने यह भी बताया कि स्विट्जरलैंड में हुई वाताओं के दौरान ईरान के किसी भी अधिकारी की राफेल ग्रोसी से मुलाकात नहीं हुई, जबकि उन्होंने इसके लिए अनुरोध किया था।

दूसरी ओर, टोक्यो में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ग्रोसी ने कहा कि ईरान के परमाणु स्थलों का निरीक्षण अवश्य होगा। उन्होंने कहा कि यह आज हो, कुछ दिनों बाद हो या अगले सप्ताह, यह अलग बात है, लेकिन निरीक्षण होना तय है।

अमेरिका का दावा, ईरान ने किया खंडन

इस मुद्दे पर हाल के दिनों में अलग-अलग दावे सामने आए हैं। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दावा किया था कि ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षकों को दोबारा देश में आमंत्रित करने पर सहमति जता दी है। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि आईएईए प्रमुख के साथ कोई बैठक नहीं हुई है और निरीक्षण के लिए अभी कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है।

संघर्ष के बाद से निरीक्षण पर रोक

जून 2025 में हुए संघर्ष के बाद से ईरान ने आईएईए को उन संवर्धन स्थलों के निरीक्षण की अनुमति नहीं दी है, जहां उच्च स्तर का समृद्ध यूरेनियम मौजूद होने की आशंका जताई जाती रही है। पश्चिमी देशों का दावा है कि ईरान के पास इतना संवर्धित यूरेनियम मौजूद है कि यदि वह चाहे तो कई परमाणु हथियार विकसित कर सकता है। हालांकि, ईरान लगातार इन आरोपों को खारिज करता रहा है और उसका कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और नागरिक उद्देश्यों के लिए है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में ईरान और अमेरिका के बीच होने वाली संभावित वार्ताएं इस मुद्दे की दिशा तय करेंगी। यदि प्रतिबंधों और परमाणु कार्यक्रम को लेकर कोई व्यापक समझौता होता है तो आईएईए निरीक्षकों की वापसी और निरीक्षण प्रक्रिया का रास्ता खुल सकता है।

Yogi Adityanath
Chief Minister, Uttar Pradesh

Shape the Future of Healthcare and Education in Greater Noida

Nand Gopal Gupta 'Nandi'
Minister of Industrial Development Uttar Pradesh

Jaswant Saini
Minister of State for Industrial Development Uttar Pradesh

Scheme for Institutional Plots through e-Auction Online

Bidding Scheme Code: INS01/2026

SALIENT FEATURES

• Proximity to Noida International Airport • Easy access to Eastern & Western Dedicated Freight Corridors • Best planned city in NCR • Expressways providing excellent Multi-city Connectivity • Residential Sectors, Commercial Sectors, Educational Institutions in the Vicinity • World-class civic amenities

GNIDA announces e-Auction for the allotment of Institutional Plots, as per terms and conditions prescribed in the on-line brochure.

How to Participate/Other details: Interested parties will need to signup and obtain user ID and password on the portal **https://gnida.etender.sbi** as well as deposit documents. Processing Fee (Participation Fee) & EMD separately through online payments as per date mentioned in the online brochure.

The brochure containing details of Plots, procedures, terms & conditions of e-Auction is available on our website **www.greaternoidaauthority.in** and the web portal **https://gnida.etender.sbi** It will be the sole responsibility of the bidder/ participant to obtain a compatible computer terminal with internet connection to enable him/her to participate in the e-bidding process any reasons thereof. Authority reserve the right to accept or reject one or all the bids or cancel/postpone the e-auction without assigning any reason.

INSTITUTIONAL PLOTS SCHEME

Sl. No.	Plot No.	Sector	Area of Plot (in Sqm.)	Use of Plots	Total Reserve Price (in ₹)
1	HO-02	Mu	10005	Hospital	38,25,71,190/-
2	HO/01	Zeta-I	6880	Hospital	27,65,89,760/-
3	H.0-02	Zeta-I	3050	Hospital	14,94,56, 100/-
4	F-02	P-5, Builders Area	598	Hospital Facility	2,70,92,988/-
5	11 B	BETA -2	493.40	Nursing Home	2,26,46,073/-
6	N.H.-1	Sector-Eta-1	5167	Nursing Home	21,80,47,400/-
7	85-86	K.P-5	4002	Paramedical Institute	12,14,92,000/-
8	204/3	K.P-5	840	Paramedical Institute	2,61,35,760/-
9	53/3	K.P-5	1065	Vocational Training/ Educational Institute	3,31,36,410/-

Note: *The area of plot allotted may sightly vary at the time of handing over of the possession. The premium of the plot will proportionately vary due to such variation.*

Plots clear from all encumbrances | Allotment will be made on "as is where is basis" | Plot ready for Possession

Brochure Download & Registration Starts	Registration End Date	Last Date of EMD, Processing Fee Deposit	Last Date of Final Submission of Document	E-Auction Date & Time to be Notified Separately
22.06.2026 | 3:00 PM	13.07.2026 | 5:00 PM	15.07.2026 | 5:00 PM	17.07.2026 | 5:00 PM	

For corrigendum/addendum, Please refer to website **www.greaternoidaauthority.in**
Don't miss the opportunity, please visit **One Map Greater Noida** for plots location details.

Greater Noida Industrial Development Authority
Plot No. 01, Knowledge Park-04, Greater Noida-201308, Distt.-Gautam Budh Nagar, (U.P.)
Helpline Center No.: 0120-2336046, 2336047, 2336048, 2336049
Ph.: 0120-2336030-33 | E-mail: authority@gnida.in | Website: www.greaternoidaauthority.in

Follow us on /OfficialGNIDA

निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 4 की मौत, 21 का रेस्क्यू; सेना भी बचाव में जुटी

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 12-07 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड गिर गया। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे 21 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है। अभी भी 40 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इस वजह से मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। हादसे के वक्त गोदाम में कितने लोग मौजूद थे, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस के साथ एनडीआरएफ और सेना के जवान भी रेस्क्यू कर रहे हैं। गैस कटर से लोहे के पोल को काटा जा रहा है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कांक्रीट ढलाई का काम चल रहा था।

मेरा पैर काट लो लेकिन मुझे बचा लो

हादसे के बाद बचाव कार्य के दौरान एक युवक अंकित सिंह ने मलबे में फंसे एक मजदूर को ढूंढने में अहम भूमिका निभाई। उसने घायल मजदूर का पैर पकड़कर बचाव दल को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास तेज कर दिया। मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था कि मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो।

राम मंदिर चंदा विवाद- भूपेश बघेल का आरोप, गाजी जैसी लूट मचाई जा रही

रायपुर (एजेंसी)। राम मंदिर चंदे में कथित अनियमितताओं को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र पर प्रभु राम के नाम पर जनता को लूटने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने आरएसएस, वीएचपी और बजरंग दल की तुलना महमूद गज़नवी से कर कहा कि गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा था, लेकिन अब ये संगठन राम मंदिर को लूट रहे हैं। कांग्रेस नेता बघेल ने देश में शिक्षा की बदहाली और किसानों की मुश्किलों पर बात की। उन्होंने कहा कि स्कूल बिना सुविधाओं के चल रहे हैं, जिससे बच्चों का भविष्य खतरे में है। किसानों को नकली खाद, खराब मौसम और बढ़ती डीज़ल-पेट्रोल कीमतों से जूझना पड़ रहा है, जिससे खेती महंगी हो रही है। इस बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। यादव ने कहा कि इस मामले में जैसे-जैसे नई परतें खुल रही हैं, भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों के बड़े गुनाहों की सच्चाई सामने आ रही है। उन्होंने आशंका जाहिर कि इन मामलों को जांच के बजाय दबाने की कोशिश की जाएगी।

महाराष्ट्र विधानसभा में मराठी उच्चारण पर बवाल, स्पीकर ने जताया खुद

मुंबई (एजेंसी)। बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने मानसून सत्र के पहले दिन शोक संदेश पढ़ते समय मराठी शब्दों के गलत उच्चारण पर खेद जाहिर किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह गलती अनजाने में तकनीकी दिक्कतों और भाषण की स्पष्ट प्रिंटेड कॉपी न होने के कारण हुई थी, और उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर नार्वेकर ने कहा, सोमवार को शोक संदेश पढ़ते वक्त कुछ तकनीकी दिक्कतों की वजह से मेरे द्वारा कुछ शब्द गलत बोल दिए गए। मेरे पास मौजूद स्पीच की प्रिंटेड कॉपी साफ नहीं थी। जो कुछ भी हुआ, वह अनजाने में हुआ। अगर इससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं खेद प्रकट करता हूं। मेरा मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर की यह सफाई महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे सहित कई हलकों से मिली तीखी आलोचना के बाद आई है। ठाकरे ने मशहूर प्लेबैक सिंगर आशा भोसले, सुमन कल्याणपुर और पूर्व विधायकों के निधन पर शोक संदेश पढ़ते समय मराठी भाषा के गलत उच्चारण को लेकर नार्वेकर की कड़ी निंदा की थी। ठाकरे ने विशेष रूप से इस बात पर आपत्ति जाहिर की थी कि नार्वेकर ने मशहूर गायक-अभिनेता दीनानाथ मंगेशकर (आशा भोसले के पिता) का नाम दीनदयाल मंगेशकर बोला, और सदन में किसी भी विधायक ने इस पर आपत्ति नहीं की। उन्होंने इसे आशा भोसले के लिए नहीं, बल्कि मराठी भाषा के लिए शोक प्रस्ताव करार दिया था। ठाकरे ने कहा था कि अगर नार्वेकर ने यह प्रस्ताव स्वाहिली या हिब्रू में भी दिया होता, तो भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनकी मराठी किसी को समझ ही नहीं आ रही थी।

भरत तिवारी एनकाउंटर- बाबा बागेश्वर ने कहा, जो हुआ सही नहीं हुआ

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर में 17 जून को हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने घटना को सही नहीं बताया है और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। बाबा बागेश्वर ने कहा कि उन्हें तिवारी के बारे में जानकारी मिली है, वह एक हिंदू और सनातनी युवक था जो हिंदुत्व और सनातन के लिए लड़ता था। उन्हें पता चला है कि भरत ने प्रशासन के सामने सरेंडर किया था, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने उस पर गोली चला दी। धीरेंद्र शास्त्री ने पूरे मामले की गहन जांच की वकालत कर कहा कि अगर भरत अपराधी था, तब उस न्यायपालिका से दंड मिलना चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मामले की जांच कराने का आग्रह कर कहा कि भगवान ने चाहा तब वह भविष्य में भरत तिवारी के परिवार से मिलूंगा। भरत के परिजनों ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनका कहना है कि यह एनकाउंटर नहीं बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी, क्योंकि भरत ने हथियार फेंककर आत्मसमर्पण किया था। भरत की मां की शिकायत पर जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ जेश कुमार शर्मा और शाहपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस घटना के बाद से क्षेत्र में रोष व्याप्त है, भरत के गांव में परिजनों और आसपास के ग्रामीणों ने महापंचायत आयोजित कर न्याय की मांग की। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने भी मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर के लिए पटना से एसटीएफ की टीम भेजी गई थी और उन्होंने सीधे एडीजी कुंदन कृष्णा पर सवाल उठाकर पूछा कि एसटीएफ को भोजपुर किसने भेजा था। सांसद ने यह भी संकेत दिया कि एसटीएफ भेजने के पीछे मुख्यमंत्री का नाम भी हो सकता है, क्योंकि वाहवाही वही ले रहे हैं। इस फर्जी एनकाउंटर को लेकर अब कानूनी दांवपेंच जारी है।

सुवेंदु के बयान से टीएमसी में हलचल, सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब होगा

ममता पर तंज, जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, वह कैसी जननेता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार और पूर्व सीएम ममता बनर्जी पर कड़ा प्रहार कर भ्रष्टाचार, सरकारी धन के दुरुपयोग और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार का मंत्र केवल सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब भी होगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि जनता ने तृणमूल कांग्रेस को सबक सिखाया है और अब पिछली सरकार के दौरान हुए हर भ्रष्टाचार की गहन जांच होगी।

मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने विधानसभा में दस्तावेज दिखाते हुए आरोप लगाया कि बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के नाम पर करी 324 करोड़ 70 लाख रुपये फिक्की को हस्तांतरित किए थे, जिस पर उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकारी धन इस तरह निजी संस्थाओं को दिया जा सकता है। उन्होंने लक्ष्मीर भंडार, उज्ज्वला योजना, वृद्धावस्था पेंशन, शिक्षाश्री, मेधाश्री, मनरेगा और अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाओं में भारी अनियमितताओं का जिक्र कर पूछा कि आखिर जनता के पैसे को किसने लूटा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और वर्तमान सत्र में ऐसा विधेयक लाएगा, जिसके तहत दोषियों की संपत्तियां जब्त कर उनकी नीलाम कर सके। उन्होंने हरिश मुखर्जी रोड और हरिश चटर्जी स्ट्रीट स्थित आलीशान मकानों में बेघर लोगों को बसाने की बात कहकर ममता और अभिषेक बनर्जी के आवासों की ओर इशारा किया।

सीएम अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को भ्रष्टाचार का मुख्य सूत्रधार बताया। उन्होंने बीरभूम की पत्थर खदानों का उदाहरण देकर कहा कि उनकी सरकार ने केवल एक महीने में 83 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है, जबकि पिछली सरकार पूरे वर्ष में केवल साठ करोड़ रुपये का राजस्व दिखाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शेष धन कैमैक्स स्ट्रीट के जरिए दुबई पहुंचाया जाता था, और चुनाव से पहले जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक ठेकेदार ने आइपैक को 10 करोड़ रुपये दिए थे। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने ममता के राजनीतिक भविष्य पर टिप्पणी कर कहा कि वह अब कभी सत्ता में नहीं लौटेंगी और उनका राजनीतिक अध्याय समाप्त हुआ है। उन्होंने नंदीग्राम और भवानीपुर में उनकी हार का जिक्र कर तंज कसा कि जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, क्या जननेता माना जा सकता है?

इस बीच, पश्चिम बंगाल सरकार के एक अन्य फैसले ने नया राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि कोलकाता नगर निगम क्षेत्र के सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन अब इस्कॉन करेगा। इस फैसले के बाद स्पष्ट हो गया कि विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन में अब अंड़ा शामिल नहीं होगा। इस्कॉन की अन्नमित्र फाउंडेशन के माध्यम से यह योजना लागू की जाएगी और लगभग एक लाख विद्यार्थियों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस्कॉन के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने बताया कि अंडे के स्थान पर सोया, राजमा, पनीर, दाल, बीन्स और अन्य शाकाहारी प्रोटीन स्रोत भोजन में शामिल किए जाएंगे, जो बच्चों को अंडों से मिलने वाले पोषण के बराबर या उससे अधिक लाभ देने वाले है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि बच्चों से पोषण छीना जा रहा है और उन पर जबरन शाकाहार थोपा जा रहा है, जिससे पश्चिम बंगाल की विविध भोजन पद्धतियों और बच्चों के पोषण पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शुभेन्दु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पश्चिम बंगाल में प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तेजी से बदलाव दिखाई देने लगे हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है और कट मनी तथा भाइपो टैक्स जैसी अवैध वसूलियों पर पूरी तरह रोक लग चुकी है। अवैध घुसपैठियों के खिलाफ अभियान तेज हुआ है तथा विभिन्न इलाकों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी चल रही है। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी खजाने का एक-एक पैसा केवल जनता की भलाई और विकास कार्यों के लिए खर्च होगा।

सीएम मान पर सियासी घेराबंदी : वीडियो विवाद में फर्जी रिपोर्ट का खुलासा

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सिख गुरुओं के कथित अपमान से जुड़े वीडियो विवाद के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस ने उनके इस्तीफ़े की मांग कर रही है। यह मांग गुरुग्राम पुलिस द्वारा दो लोगों को वीडियो से संबंधित एक फर्जी फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में गिरफ़्तार करने के बाद सामने आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मूल विवादित वीडियो नकली और एआई-निर्मित था। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सीएम मान को सत्ता के नशे में चूर बताया। उन्होंने कहा कि अकाल तख्त साहिब द्वारा वीडियो को नकली और एआई-निर्मित बताए जाने के बाद, मान ने एक झूठी रिपोर्ट पेश की। चुघ ने उन्हें देशद्रोही घोषित कर सीएम पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार न होने की बात कही। वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने भी मान के इस्तीफ़े और सार्वजनिक माफी की मांग की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा गुरुग्राम में बैठक कर अपने एजेंडे के हिसाब से रिपोर्ट तैयार करवाना अकाल तख्त के गुरु द्रोही करार देने के फ़ैसले की पुष्टि करता है। गुरुग्राम के एसीपी क्राइम नवीन शर्मा ने पुष्टि की कि पुलिस ने फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ़्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इन आरोपियों को वीडियो में हेरफेर के लिए पंजाब के अधिकारियों से 10 लाख रुपये मिले थे।

नीट विवाद: मल्लिकार्जुन खड़गे ने धर्मेंद्र प्रधान पर साधा निशाना, इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर नीट पेपर लीक मामले में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों पर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला बोला। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने केंद्र सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने और परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने वालों का अपमान करने का आरोप लगाकर केंद्रीय मंत्री प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग की।

खड़गे ने दावा किया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान 90 पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य तबाह हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक विवाद के कारण 20 छात्रों ने आत्महत्या की है। खड़गे ने कड़े शब्दों में कहा, 90 बार पेपर लीक हुए हैं, लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है। लेकिन मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं और इंटरव्यू देकर छात्रों की आवाज़ को आतंकवादी बता रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सवाल उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को देश-विरोधी करार देती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पहले प्रदर्शनकारी किसानों को आंदोलन-जीवी और परजीवी कहे जाने का भी ज़िक्र किया। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि छात्रों का आंदोलन पूरे देश में ज़ोर पकड़ेगा और मोदी सरकार के मंत्री प्रधान को निश्चित रूप से इस्तीफा देना होगा। इससे पहले, एक साक्षात्कार में प्रधान ने जंतर-मंतर पर उनके इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों को विघटनकारी तत्वों की बी-टीम बताया था। उन्होंने कहा था कि जो लोग लोकतंत्र में नकार दिए गए थे, वे अब भेष बदलकर आए हैं और सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं जो देश को बांटना चाहते हैं।

शपथ लेते वक्त देवी-देवता का नाम नहीं ले सकते

-केरल हाईकोर्ट ने कहा- कानून में तय प्रारूप से बाहर नहीं जा सकते जनप्रतिनिधि

-गलत शपथ लेने वालों को दोबारा शपथ का निर्देश

कोच्चि (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की शपथ को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि शपथ लेते समय कानून में निर्धारित शब्दों से बाहर नहीं जाया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि शपथ केवल 'ईश्वर' के नाम पर ली जा सकती है या फिर बिना ईश्वर का नाम लिए सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा की जा सकती है। इसमें किसी देवी-देवता, भारत माता, राजनीतिक संगठन, शहीद या किसी व्यक्ति का नाम जोड़ना कानूनन मान्य नहीं है।

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन की एकल पीठ ने यह फैसला तिरुवनंतपुरम नगर निगम और पलक्कड़ जिले की वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान दिया। अदालत ने कहा कि शपथ का प्रारूप संबंधित कानूनों में स्पष्ट रूप से निर्धारित है और उसमें अपनी ओर से कोई भी अतिरिक्त शब्द जोड़ना वैध नहीं माना जा सकता। मामला उस समय सामने आया जब तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 20 पार्षदों ने शपथ के दौरान विभिन्न हिंदू देवी-देवताओं, 'भारतम्बा', 'भारत माता', गुरुदेव और राजनीतिक आंदोलनों के शहीदों के नाम लिए। वहीं, वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत के एक सदस्य ने 'ईश्वर की कृपा से उम्मन चांडी के नाम पर' शपथ ली थी।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि केरल म्युनिसिपैलिटी एक्ट और पंचायत राज एक्ट के तहत शपथ लेने के केवल दो वैधानिक तरीके हैं। पहला, ईश्वर के नाम पर शपथ लेना और दूसरा, ईश्वर का उल्लेख किए बिना सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करना। कोर्ट ने कहा कि 'ईश्वर' शब्द का अर्थ किसी विशेष देवी-देवता, व्यक्ति, संगठन या विचारधारा तक सीमित नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि शपथ महज एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संविधान और जनता के प्रति एक गंभीर वचन है। इसलिए शपथ वही मानी जाएगी जो कानून में निर्धारित प्रारूप के अनुसार ली गई हो।

हालांकि अदालत ने संबंधित जनप्रतिनिधियों को राहत देते हुए उनकी सदस्यता समाप्त नहीं की। कोर्ट ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के पार्षदों और वडक्कनचेरी पंचायत सदस्य को चार सप्ताह के भीतर दोबारा वैधानिक तरीके से शपथ लेने का निर्देश दिया है।

अदालत ने यह भी माना कि संबंधित जनप्रतिनिधियों ने संभवतः यह मानकर ऐसा किया कि उनका तरीका वैध है, इसलिए उन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई या जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। साथ ही कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक सुधारक नारायण गुरु की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लोग भगवान को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं, लेकिन कानूनी शपथ केवल निर्धारित प्रारूप में ही ली जा सकती है।

तकनीकी खराबी : एयर इंडिया का विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घुसकर लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से अमृतसर जा रहा एयर इंडिया का विमान तकनीकी खराबी के कारण रास्ता भटककर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में जा घुसा। पाकिस्तानी एयर ट्रैफिक अथॉरिटी (एटीसी) की चेतावनी के बाद विमान वापस भारतीय सीमा में लौट आया। अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक अधिक होने के चलते विमान को तुरंत लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली और विमान को दिल्ली वापस भेजा गया, जिसके बाद करीब चार घंटे की देरी से वह मंगलवार तड़के अमृतसर पहुंचा।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, एयरबस एआई-321 विमान ने सोमवार रात 9 बजकर 18 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने से विमान अपने निर्धारित मार्ग से भटक गया। रात 10 बजकर 30 मिनट पर विमान को अमृतसर में लैंड होना था, लेकिन यह पाकिस्तान के एयरस्पेस में पहुंच गया। इसके बाद विमान के पायलट को पाकिस्तान एटीसी से मिली चेतावनी के बाद ही इस गलती का एहसास हुआ। इसके तुरंत बाद पायलट ने यू-टर्न लेकर विमान को वापस भारतीय हवाई क्षेत्र में ले आया। हालांकि, तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए ट्रैफिक बढ़ चुका था, जिससे विमान को उतरने की परमिशन नहीं मिली। ऐसी स्थिति में, एयरपोर्ट कंट्रोल रूम के निर्देश पर विमान को वापस दिल्ली भेजा गया, जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। दो घंटे बाद दुबारा अनुमति मिलने पर विमान ने अमृतसर के लिए फिर से उड़ान भरी और मंगलवार तड़के 2 बजकर 20 मिनट पर, करीब चार घंटे की देरी से, सुरक्षित रूप से अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा।

महुआ बोलीं- मैं पूरी रात रोई तो सिर्फ शुभेंदु ने दिया मेरा साथ

-महुआ के बयान से ममता की बढ़ी चिंता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस समय तृणमूल कांग्रेस के भीतर और बाहर दोनों जगह उथल-पुथल मची हुई है। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद ममता बनर्जी इन दिनों कई मुश्किलों का सामना कर रही हैं। पार्टी के भीतर बागियों की झड़ी लगी है, जहां हाल ही में ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई में कुछ नेताओं ने ममता बनर्जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से बेदखल करने की घोषणा तक कर दी। ऐसे मुश्किल दौर में, टीएमसी की फायरब्रांड नेता और ममता की सबसे करीबी सांसदों में गिनी जाने वाली महुआ मोइत्रा ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने मुख्यमंत्री की चिंता बढ़ा दी है। महुआ मोइत्रा ने बीते 22 जून को एक इंटरव्यू में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की जमकर तारीफ की है। मौजूदा समय में महुआ और शुभेंदु एक-दूसरे के धुर विरोधी माने जाते हैं, ऐसे में उनका यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। महुआ ने शुभेंदु को एक अच्छा दोस्त बताया और पुराने दिनों को याद किया जब शुभेंदु ने उनकी मदद की थी। महुआ कहती हैं, शुभेंदु मेरे अच्छे दोस्त हैं। जब हम एक पार्टी में थे तो उन्होंने मेरा काफी साथ दिया। उन्होंने याद किया कि जब वह करीमपुर से चुनाव लड़ी थीं, तो सिर्फ शुभेंदु ही उनके लिए प्रचार करने आए थे और उन्हें हर तरह की मदद भेजी थी।

महुआ ने 2014 की घटना का भी जिक्र किया, जब उन्हें लोकसभा का टिकट मिलने वाला था लेकिन नहीं मिला, तब केवल शुभेंदु अधिकारी ही उनके साथ खड़े थे। महुआ ने बताया कि शुभेंदु ने उनसे कहा था, नहीं बहन, मैं हूं न। महुआ इसे भावनात्मक कनेक्शन बताती हैं, हालांकि वह स्वीकार करती हैं कि आज वे अलग-अलग पार्टी में हैं और उनकी बात नहीं होती। यह बयान ऐसे समय में आया है जब शुभेंदु अधिकारी तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम चुके हैं और ममता के कट्टर आलोचक बन गए हैं। शुभेंदु दिसंबर 2020 में टीएमसी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

महुआ मोइत्रा साल 2016 में पश्चिम बंगाल की करीमपुर विधानसभा सीट से अपना पहला चुनाव लड़ी थीं और उसमें विजयी भी हुई थीं। उस समय शुभेंदु अधिकारी टीएमसी के एक कद्दावर संगठनकर्ता और नदिया जिले के पार्टी पर्यवेक्षक थे। महुआ उसी दौर की बात कर रही थीं जब संगठन के अन्य नेताओं से पर्याप्त सहयोग न मिलने पर शुभेंदु अधिकारी ने जमीन पर उतरकर उनके लिए चुनाव प्रचार किया था। इसी तरह, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले जब महुआ मोइत्रा कृष्णानगर सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं और टिकट मिलने में संशय था, तब वह भावुक हो गई थीं। उस समय भी शुभेंदु ने एक सीनियर सहकर्मी के नाते उन्हें ढांढस बंधाया था। बाद में महुआ को कृष्णानगर से टिकट मिला और वह जीतकर संसद पहुंचीं। महुआ के इन बयानों को ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ाने वाला माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी में एकता की कमी महसूस की जा रही है।

सिक्किम में बारिश का कहर, भूस्खलन से पश्चिमी जिले का संपर्क टूटा

-ग्यालशिंग-लेगशिप मार्ग कई जगहों पर ध्वस्त, लगातार बारिश से राहत कार्य प्रभावित

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। पश्चिमी सिक्किम में कई स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण ग्यालशिंग-लेगशिप मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे पश्चिम सिक्किम जिला मुख्यालय का राज्य के अन्य हिस्सों से संपर्क टूट गया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान ग्यालशिंग में 95.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण पहाड़ियों से मलबा और बड़ी-बड़ी चट्टानें सड़कों पर आ गिरीं, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

जिलाधिकारी तेनजिंग डेंजोंगपा ने मीडिया को जानकारी दी, कि मंगलवार रात करीब नौ बजे भूस्खलन की सूचना मिली थी। सबसे बड़ा भूस्खलन ग्यालशिंग शहर से लगभग दो किलोमीटर दूर ओमचुंग क्षेत्र में हुआ। इसके बाद प्रशासन ने जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से मलबा हटाने का अभियान शुरू किया, लेकिन लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण राहत कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्यालशिंग-लेगशिप हाईवे पर कम से कम तीन स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। इनमें ओमचुंग के पास मुख्य भूस्खलन क्षेत्र, उसके नीचे का हिस्सा तथा लेगशिप के निकट एक अन्य स्थान शामिल है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि हर वर्ष मानसून के दौरान इस मार्ग पर भूस्खलन की समस्या सामने आती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका है। ग्यालशिंग-लेगशिप सड़क पश्चिम सिक्किम के लिए जीवनरेखा मानी जाती है। इसी मार्ग से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, यात्री

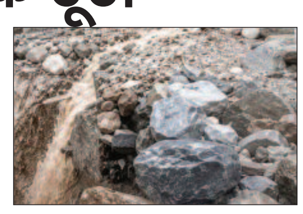

परिवहन और आपातकालीन सेवाओं का संचालन होता है। सड़क बंद होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वैकल्पिक मार्गों के अभाव में जिले का संपर्क पूरी तरह प्रभावित हो गया है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे भूस्खलन और जलभराव की घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी, देश में दूसरे स्थान पर राज्य- एनसीआरबी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं पर अत्याचार, छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं लगभग रोजाना सामने आ रही हैं। कई घटनाएं ऐसी हैं जिन्होंने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिए विभिन्न योजनाएं और कानून लागू किए जा रहे हैं, लेकिन बढ़ते अपराधों को देखकर यह सवाल उठने लगा है कि क्या ये उपाय केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। दरअसल हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें महाराष्ट्र महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में भी सवाल उठाया गया। एनसीआरबी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के कुल 47,954 मामले दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य महिला अपराध के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर है। यह आंकड़ा राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वर्ष 2025 में बलात्कार के 8,643 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में 7,940 मामले सामने आए थे। यानी एक वर्ष में दुष्कर्म की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 में बाल यौन शोषण और अत्याचार के मामलों में 482 मामलों की वृद्धि हुई है, जो समाज और प्रशासन दोनों के लिए चिंता का विषय है। कोल्हापुर परिक्षेत्र में वर्ष 2024-25 के दौरान महिलाओं पर अत्याचार के 2,362 मामले तथा 4,485 छेड़छाड़ (विनयभंग) के मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य में महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक अपराध इसी क्षेत्र में सामने आए हैं। वहीं, अहिल्यानगर जिले में वर्ष 2022 से 2025 के बीच नाबालिग लड़कियों के खिलाफ अत्याचार के 641 मामले दर्ज हुए हैं। इसके अलावा वर्ष 2026 के शुरुआती तीन महीनों में ही 41 नए मामले सामने आ चुके हैं। विधानसभा में इस विषय पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि बदलापुर और नसरापुर अत्याचार मामलों में अपराध दर्ज कर आरोपपत्र अदालत में प्रस्तुत कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर है और इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 51 भरोसा सेल, 58 फास्ट ट्रैक कोर्ट, दामिनी पथक, हेल्पलाइन सेवाएं तथा विशेष जांच दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही शक्ती कानून की विभिन्न धाराओं का अध्ययन कर नए आपराधिक कानूनों में आवश्यक संशोधन भी किए गए हैं। बहरहाल एनसीआरबी की रिपोर्ट ने महाराष्ट्र में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार सुरक्षा उपायों का दावा कर रही है, लेकिन बढ़ते

अपराधों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को उजागर कर रहे हैं। बढ़ते अपराधों के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि महिला सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। समाज और प्रशासन दोनों के सामने यह बड़ी चुनौती है कि महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षित वातावरण कैसे उपलब्ध कराया जाए।

मधुबन बापूधाम में जीडीए की अधूरी ग्रुप हाउसिंग परियोजना के लिए डिमांड सर्वे शुरू

198 फ्लैटों वाले प्रोजेक्ट को पीपीपी मॉडल या जीडीए खुद करेगा पूरा, जनता की राय के आधार पर होगा अंतिम फैसला

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने मधुबन बापूधाम योजना में नए निमार्णाधीन कार्यालय के सामने स्थित अधूरी (अनफिनिश्ड) ग्रुप हाउसिंग परियोजना के भविष्य को लेकर बड़ा कदम उठाया है। जीडीए ने इस परियोजना के विकास और विपणन (मार्केटिंग) के संबंध में आम नागरिकों की मांग और प्राथमिकताओं को जानने के लिए एक 'डिमांड सर्वे' शुरू किया है। इस ग्रुप हाउसिंग परियोजना के तहत कुल 198 आवासीय फ्लैट प्रस्तावित हैं, जिनका क्षेत्रफल 126 वर्गमीटर और 131 वर्गमीटर है। वर्तमान में यह प्रोजेक्ट अधूरा पड़ा है। प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य इस परियोजना को पूरा कराकर जनता की आवश्यकताओं और बाजार की मांग के अनुसार उपलब्ध कराना है, जिसके लिए नागरिकों से उनकी राय मांगी जा रही है।

सर्वे के आधार पर तय होगी कार्ययोजना
इस डिमांड सर्वे के जरिए इच्छुक नागरिकों से फ्लैटों के संबंध में उनकी रुचि, प्राथमिकताओं और संभावित मांग की जानकारी जुटाई जा रही है। सर्वे में शामिल होकर लोग विभिन्न विकल्पों और संभावित मूल्य श्रेणियों (प्राइस रेंज) पर भी अपने सुझाव दर्ज करा सकते हैं। सर्वे से मिलने वाले जनमत और मांग के विश्लेषण के आधार पर ही इस प्रोजेक्ट को पूरा करने की अंतिम कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

पीपीपी मॉडल या खुद निर्माण करने पर होगा विचार
जनता से मिलने वाले रिस्पॉन्स के बाद यह तय किया जाएगा कि इस परियोजना को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के जरिए पूरा कराया जाए या फिर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण खुद अपने स्तर पर निर्माण कार्य पूरा करके इसे बिक्री के लिए उपलब्ध कराए। जीडीए की इस पहल का मकसद प्रोजेक्ट की व्यवहार्यता सुनिश्चित करना और लोगों को उनकी वास्तविक जरूरत के हिसाब से गुणवत्तापूर्ण आवास देना है।
जीडीए की अपील: गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस डिमांड सर्वे में भाग लें और अपनी प्राथमिकताएं दर्ज कराएं, ताकि परियोजना का विकास वास्तविक जन अपेक्षाओं के अनुरूप किया जा सके।
डिमांड सर्वे में भाग लेने के लिए लिंक:
https://gdaghaziabad.in/demand_survey/index_without_field.php

आरडीसी: सार्वजनिक पार्किंग में अवैध वसूली का भंडाफोड़, जीडीए ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राजनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर (आरडीसी) क्षेत्र में सार्वजनिक सुविधाओं के नाम पर हो रही अवैध वसूली पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को जीडीए की टीम ने आरडीसी स्थित प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग की जगह पर अवैध रूप से पार्किंग शुल्क वसूलते हुए एक व्यक्ति को रंगेहाथ पकड़ लिया। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया है।
प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, आरडीसी में जीडीए की मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना के प्लॉट पर सार्वजनिक पार्किंग के लिए जगह आरक्षित की गई है। पिछले कुछ समय से शिकायतें मिल रही थीं कि इस आरक्षित स्थान पर कुछ लोगों द्वारा वाहन चालकों से गाड़ियां पार्क कराने के एवज में अवैध रूप से पैसे वसूले जा रहे हैं। इन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए जब जीडीए की टीम ने मौके पर जाकर औचक निरीक्षण किया, तो वहां एक व्यक्ति वाहन चालकों से अवैध रूप से पार्किंग शुल्क वसूलता हुआ पाया गया। प्राधिकरण की टीम ने बिना देरी किए उसे मौके पर ही दबोच लिया और पुलिस को सौंप दिया।

इस घटना के बाद जीडीए ने स्थिति साफ करते हुए कहा है कि आरडीसी के इस सार्वजनिक स्थल पर किसी भी व्यक्ति या संस्था को पार्किंग के नाम पर शुल्क वसूलने का कोई अधिकार या अनुमति नहीं दी गई है। यहां की जा रही किसी भी प्रकार की वसूली पूरी तरह से अवैध है। इसके साथ ही गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे तत्वों से सावधान रहें। यदि शहर के सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार की अवैध वसूली, अतिक्रमण या अन्य कोई अनियमित गतिविधि नजर आती है, तो इसकी सूचना तुरंत प्राधिकरण या स्थानीय प्रशासन को दें, ताकि ताकि ऐसे मामलों में समय रहते सख्त और प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

शामली में विशेष न्यूरोलॉजी ओपीडी का शुभारंभ, मरीजों को स्थानीय स्तर पर मिलेगी विशेषज्ञ परामर्श सुविधा

शामली (शिखर समाचार)। क्षेत्र के मरीजों को उन्नत न्यूरोलॉजी सेवाएं उनके नजदीक उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने बुढ़ाना रोड स्थित शामली न्यूरो एंड स्पाइन क्लीनिक में विशेष न्यूरोलॉजी ओपीडी सेवाओं का शुभारंभ किया है।
यथार्थ हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजी विभाग के चेयरमैन एवं ग्रुप डायरेक्टर डॉ. कुणाल बहरानी ने बताया कि वर्तमान समय में स्ट्रोक, मिर्गी, पार्किंसन रोग, माइग्रेन, लगातार सिरदर्द, चक्कर आना, नसों की कमजोरी, हाथ-पैरों में झनझनाहट तथा रीढ़ और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। नई ओपीडी के माध्यम से मरीजों को इन रोगों के लिए विशेषज्ञ परामर्श और उपचार की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी।
उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल उपचार प्रदान करना नहीं,

बल्कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। शामली न्यूरो एंड स्पाइन क्लीनिक में शुरू की गई यह विशेष ओपीडी क्षेत्र के हजारों मरीजों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। इससे अब मरीजों को न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के विशेषज्ञ परामर्श के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।
डॉ. कुणाल बहरानी प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे बुधवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक मरीजों को परामर्श देंगे। आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, फरीदाबाद में उपलब्ध अत्याधुनिक जांच, न्यूरो इमेजिंग, न्यूरो क्रिटिकल केयर तथा उन्नत उपचार सुविधाओं से भी जोड़ा जाएगा।
कार्यक्रम के दौरान शामली सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने फीता काटकर ओपीडी का शुभारंभ किया और इस पहल को क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में हुई संवाद-समीक्षा गोष्ठी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सहायता व सशक्तिकरण को लेकर संवाद-समीक्षा गोष्ठी का आयोजन परमजीत हॉल में पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ की अध्यक्षता में किया गया। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य मिशन शक्ति केंद्रों और पिंक बूथों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करना तथा महिला सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाना रहा। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त केशव कुमार चौधरी, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय धवल जायसवाल, सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध, सभी पिंक बूथ प्रभारी, मिशन शक्ति प्रभारी और परिवार परामर्श केंद्रों के अधिकारी मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्तमान में गाजियाबाद कमिश्नरेट में 24 मिशन शक्ति केंद्र और 20 पिंक बूथ संचालित हैं, जो महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, परामर्श, सहायता व जागरूकता से संबंधित सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, बालिका सुरक्षा और विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित

जानकारी व सहायता प्रदान की जा रही है। पुलिस आयुक्त ने मिशन शक्ति अभियान के तहत चल रहे कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिला सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को अधिक प्रभावी बनाया जाए। बैठक में विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि पिंक बूथों पर आने वाली महिलाओं और बालिकाओं की समस्याओं का त्वरित व संवेदनशील तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मिशन शक्ति केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही सहायता, परामर्श सेवाओं और सरकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाए। इसके लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पुलिस आयुक्त ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित इकाइयों को समन्वित तरीके से कार्य करना होगा। उन्होंने महिला हेल्पलाइन, साइबर सुरक्षा जागरूकता, घरेलू हिंसा और महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। गोष्ठी के दौरान एक नई पहल के रूप में वूमेन वॉलंटियर फोर्स (महिला स्वयंसेवी बल) के गठन का निर्णय भी लिया गया। यह पूरी तरह से स्वयंसेवी व्यवस्था होगी, जिसमें समाज की जागरूक और इच्छुक महिलाएं मिशन शक्ति केंद्रों व पिंक बूथों की गतिविधियों में सहयोग करेंगी। इसका गठन प्रत्येक थाना स्तर पर किया जाएगा, ताकि महिला सुरक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों में जनसहभागिता बढ़ाई जा सके। इसके अलावा ग्रीष्मावकाश के बाद स्कूल खुलने को देखते हुए छात्राओं की सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो स्क्वॉड को अधिक सक्रिय करने का निर्णय लिया गया है। विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों के आसपास नियमित गश्त, सघन चेकिंग व संदिग्ध व्यक्तियों पर प्रभावी निगरानी रखी जाएगी, जिससे छात्राओं को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

भरत तिवारी हत्याकांड के विरोध में ब्राह्मण विकास सेवा समिति ने सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (शिखर समाचार)। बिहार में सामाजिक कार्यकर्ता भरत तिवारी की कथित हत्या के विरोध में चांदपुर में ब्राह्मण विकास सेवा समिति ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। समिति ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई। ज्ञापन में समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि भरत तिवारी जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने वाले सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनका आरोप है कि आत्मसमर्पण के बाद भी उनकी हत्या कर दी गई, जिससे सामाजिक कार्यकताओं और आम लोगों में भय तथा असुरक्षा का वातावरण पैदा हुआ है। समिति ने मांग की कि मामले में शामिल दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानून के अनुसार सख्त से सख्त दंड सुनिश्चित किया जाए। समिति का कहना है कि ऐसी घटनाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था और कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। इसलिए मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर दोषियों को दंडित किया जाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। ज्ञापन सौंपने वालों में कृष्णवीर फौजी, नीरज तिवारी, डॉ. विनोद शर्मा, डॉ. विपिन शर्मा, संदीप शर्मा, संजीव शर्मा, अजय शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, दीपक शर्मा, विजय सिंह, चौधरी वीर सिंह, नागेश्वर शर्मा, उदित शर्मा, बुद्ध प्रकाश शर्मा, विकास शर्मा, विक्की, तोमर दत्त शर्मा, अतुल शर्मा, ऋतुल शर्मा, प्रशांत शर्मा और राजीव शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त खुद मौके पर पहुंचकर ले रहे विकास योजनाओं का जायजा, बायोडायवर्सिटी पार्क का भी किया निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में शहर को पहले बायोडायवर्सिटी पार्क देने के लिए लगातार कार्यवाही चल रही है, जिसमें बस अड्डा के पीछे लगभग 26 हेक्टेयर एरिया से कूड़ा और गंदगी हटा कर साफ किया गया और मिट्टी का भराव कराया गया है। अब प्लांट लगाने की तैयारी चल रही है। नगर आयुक्त द्वारा चल रहे कार्यों की जानकारी ली गई और प्रेजेंटेशन देखी गई। उसके बाद मौके पर भी स्थलीय निरीक्षण किया गया। बायोडायवर्सिटी पार्क के अंतर्गत बन रहे बटर फ्लाई गार्डन, फूड कोर्ट, पौंड एरिया, पार्किंग एरिया, एंट्री गेट के कार्यों की योजना पर चर्चा की गई, मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, संबंधित फर्म की टीम उपस्थित रही। नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा बायो डायवर्सिटी पार्क बनाने का कार्य चल रहा है। 270 से अधिक प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। फलदार एवं छायादार वृक्ष भी विशेष रूप से लगाए जाएंगे, जिसमें बरगद, अर्जुन, पीपल, सागवान, कटहल, शीशम, पिलखान, नीम, गूलर, अंजीर, बेकन, जामुन, कदम, कचनार, आम, अनार, शहतूत, चीकू,पपीता, केला,इमली, नींबू, मेहंदी तुलसी एलोवेरा, जैसे पौधे भी लगाए जाएंगे। 15

दिन में प्लांट लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा। बटर फ्लाई गार्डन में तीलियों को अट्रैक्ट करने के लिए विशेष पौधे लगाए जाएंगे, जिनमें सनफ्लावर, मेरीगोल्ड, नरगिस, रजनीगंधा, अमलतास, गुलजार, बेर, कचनार, गूलर मोगरा, जैस्मिन जैसे पौधे लगाए जाएंगे। ठेकेदार व टीम को तेजी से कार्य करने के कड़े निर्देश दिए गए है। विद्युत विभाग से समन्वय करते एंट्री पर आए हुए खंभे, तार व बचे हुए कार्यों को तेजी से करने के लिए कहा गया है। लगभग 11 करोड़ से बन रहे बायोडायवर्सिटी पार्क में तेजी लाने हेतु कहा गया है। 26 हैकटेयर में बना रहे बायोडायवर्सिटी पार्क में अधिकतर ग्रीन एरिया रहेगा। फूड कोर्ट के अलावा फ्लावर कोर्ट, विजिटर सेंटर, गेम जोन, और विशाल पॉन्ड बनाए जा रहा है।

हनुमान धाम में राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

शामली (शिखर समाचार)। शहर स्थित हनुमान धाम मंदिर में श्रीराम लखन सेवा समिति के तत्वावधान में चल रही श्रीराम कथा के चौथे दिन राम जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। कथा व्यास दीपक महाराज ने भगवान श्रीराम के जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, मयार्दा और आदर्श जीवन के मूल्यों का संदेश दिया।
उन्होंने बताया कि अयोध्या के राजा दशरथ ने संतान प्राप्ति के लिए ऋषि श्रृंगी के निर्देशन में पुत्रकामेष्टि यज्ञ कराया था। यज्ञ से प्राप्त दिव्य खीर को रानियां कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा में वितरित किया गया, जिसके फलस्वरूप भगवान श्रीराम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का अवतरण चैत्र शुक्ल नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र में हुआ था, जिसकी

स्मृति में प्रतिवर्ष राम नवमी का पर्व मनाया जाता है।
दीपक महाराज ने कहा कि राम जन्मोत्सव धर्म की स्थापना, सत्य और आदर्श जीवन मूल्यों का प्रतीक है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन एवं जयघोष के साथ उत्सव मनाया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप ने कथा व्यास से आशीर्वाद प्राप्त किया।
कथा व्यास राज राजेश्वर महाराज ने कहा कि भगवान राम के अवतार से संसार में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हुआ। कार्यक्रम का संचालन सचिन जैन ने किया।
इस अवसर पर अमित गर्ग, राजकुमार तायल, अवनीश संगल, सचिन मित्तल, संदीप मित्तल, राजकमल मित्तल, राधेश्याम संगल, विजय गोयल, संजय एरन, शुभम तायल, सक्षम संगल, यशपाल पंवार और खुशीराम अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ट्रोनिका सिटी पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले 2 अभियुक्तों को किया गिरफ़्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए दोपहिया वाहन चोरी करने वाले 2 अभियुक्त अरमान और अमन को गिरफ़्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से दिल्ली से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल भी बरामद की। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और पुलिस उनके अन्य आपराधिक नेटवर्क की भी जांच कर रही है। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस टीम क्षेत्र में नियमित चेकिंग अभियान चला रही है। चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जांच के दौरान उनकी पहचान अरमान और अमन के रूप में हुई। तलाशी के दौरान पुलिस ने इनके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। जांच में पता चला कि यह मोटरसाइकिल दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी, जहां पहले से ही इस संबंध में मुकदमा दर्ज है। बरामदगी के आधार पर ट्रोनिका सिटी थाने में धारा 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्होंने करीब दो महीने पहले दिल्ली से इस मोटरसाइकिल को चोरी किया था। चोरी के बाद वह वाहन को छिपाकर रखते है और मौका मिलते ही उसे बेचने के लिए ग्राहक की तलाश में निकलते थे।

बैनामा लेखकों के धरने को विधायक मंजू शिवाच का समर्थन, मुख्यमंत्री को भेजे पत्र की प्रति दिखाई

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बैनामा पंजीकरण व्यवस्था में प्रस्तावित बदलावों के विरोध में तहसील परिसर में बैनामा लेखक संघ का धरना बुधवार को भी जारी रहा। आंदोलन को समर्थन देने के लिए क्षेत्रीय विधायक डॉ. मंजू शिवाच धरनास्थल पहुंचीं और बैनामा लेखकों व अधिवक्ताओं से बातचीत कर उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना। बैनामा लेखक संघ पिछले कई दिनों से पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में धरना-प्रदर्शन कर रहा है। पिछले एक सप्ताह से अधिवक्ता भी आंदोलन में शामिल होकर अपना समर्थन दे रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों ने भी आंदोलनकारियों के पक्ष में समर्थन व्यक्त किया है। धरनास्थल पर पहुंची विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने बताया कि बैनामा लेखकों के हितों के संरक्षण और उनकी आजीविका से जुड़े मुद्दों को लेकर उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। इस पत्र के माध्यम से बैनामा लेखकों की समस्याओं और उनकी मांगों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया है। विधायक ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र की प्रति भी बैनामा लेखक संघ के पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं को दिखाई। उन्होंने आंदोलनकारियों को आश्वस्त किया कि जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सीधे उनके समक्ष रखा जाएगा। विधायक ने कहा कि बैनामा लेखकों के हितों की रक्षा और समस्या के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। धरनारत बैनामा लेखकों और अधिवक्ताओं ने विधायक के समर्थन और पहल का स्वागत करते हुए अपनी मांगों के शीघ्र समाधान की उम्मीद जताई।

बरसात से पहले नगीना में नालों की सफाई अभियान तेज, एसडीएम ने किया निरीक्षण

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। आगामी मानसून को देखते हुए नगर पालिका परिषद नगीना ने जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर के छोटे-बड़े नालों की तली झाड़ सफाई का विशेष अभियान शुरू कर दिया है। उप जिलाधिकारी के निर्देश पर चल रहे इस अभियान का उद्देश्य बरसात के दौरान नालों के चोक होने और जल निकासी बाधित होने की समस्या को रोकना है।
सफाई कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिए उप जिलाधिकारी ने नगर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद सफाई कर्मियों को कार्य में तेजी लाने तथा नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार ने भी नगर के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण कर नालों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने तली झाड़ सफाई कार्य की गुणवत्ता की जांच करते हुए कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिशासी अधिकारी ने कहा कि बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से बचाव के लिए सभी नालों की समयबद्ध और प्रभावी सफाई बेहद जरूरी है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।
नगर पालिका प्रशासन ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील की है। लोगों से आग्रह किया गया है कि वे कूड़ा-कचरा नालों में न डालें, क्योंकि इससे नाले अवरुद्ध हो जाते हैं और जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है। प्रशासन का कहना है कि नगर को स्वच्छ और जलभराव मुक्त बनाने के लिए जनसहभागिता भी उतनी ही आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान सफाई निरीक्षक धीरज राय वर्मा, क्षेत्रीय सफाई नायक अरविंद कुमार, बिट्टू कुमार, सुभाष कुमार, रोहित कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ गाजियाबाद
(ISO 9001 :2015 एवं ISO 14001 :2015 प्रमाणित संस्था)

सार्वजनिक सूचना

Fast and Simplified Trust Based Plan Approval Systems (FASTPAS) के High Risk Module को लांच किए जाने के संबंध में।

आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग–3, उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश संख्या–1149/आठ–3–26–26 विविध/2017टी.सी. दिनांक 12 जून, 2026। उक्त शासनादेश के प्रस्तर–3 में उल्लेख है कि फास्टपास सिस्टम के हाई रिस्क मानचित्र स्वीकृति की प्रक्रिया को गो लाइव कर दिया गया है। प्रस्तर 3(2) में निर्णय अंकित है कि नोडल अधिकारी (ओबीपीएएस), मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक, उ.प्र. द्वारा ओबीपीएएस सिस्टम को लो–रिस्क तथा हाई रिस्क मानचित्र स्वीकृति हेतु पूर्ण रूप से बंद किया जाए, परन्तु बन्द किए जाने की तिथि तक ओबीपीएएस सिस्टम पर लम्बित समस्त मानचित्रों की प्रोसेसिंग ओबीपीएएस सिस्टम से ही की जाए।

उपरोक्तानुसार शासन द्वारा लिए गए निर्णय के दृष्टिगत ओबीपीएएस सिस्टम को लो–रिस्क तथा हाई रिस्क मानचित्र स्वीकृति हेतु पूर्ण रूप से दिनांक 20.06.2026 की तिथि से बंद किया जाता है, परन्तु बन्द किए जाने की तिथि तक ओबीपीएएस सिस्टम पर लम्बित समस्त मानचित्रों की प्रोसेसिंग ओबीपीएएस सिस्टम से ही किया जाएगा।

उपाध्यक्ष

ई-मेल : helplinegda@gmail.com, @Gda Ghaziabad : gdagzb
हेल्पलाईन नं: 0120-4418384 व्हाट्सएप :9990988004, वेबसाईट : www.gdaghaziabad.in
एक सुन्दर शहर .... हमारा संकल्प

संक्षिप्त समाचार

यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई: 10 बसें सीज, 68 वाहनों के चालान

हापुड़ (शिखर समाचार)। शासन के निर्देश पर चलाए गए विशेष सड़क सुरक्षा अभियान के तहत एआरटीओ और ट्रैफिक पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह में 10 बसों को सीज कर दिया, जबकि 68 वाहनों के चालान किए गए। एआरटीओ रमेश कुमार चौबे ने बताया कि ट्रैफिक प्रभारी नरेश कुमार के साथ जिलेभर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान क्षमता से अधिक सवारी ढोने, ओवरस्पीडिंग और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि ओवरस्पीडिंग करते पाए गए 32 वाहन चालकों तथा ड्रिंक एंड ड्राइव के 9 मामलों में कार्रवाई की गई। वहीं नियमों का उल्लंघन करने वाली 10 बसों को मौके पर ही सीज कर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान लगातार जारी रहेगा।

तीन दिवसीय श्री श्याम विशाल संकीर्तन महोत्सव 25 जून से

मोदीनगर (शिखर समाचार)। श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 25 से 27 जून तक तीन दिवसीय श्री श्याम विशाल संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक आयोजन महेंद्रपुरी सी-लाइन स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में संपन्न होगा। महोत्सव को लेकर मंडल पदाधिकारियों ने पत्रकार वार्ता कर कार्यक्रमों की जानकारी दी। पदाधिकारियों ने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिवस 25 जून को मासिक एकादशी संकीर्तन का आयोजन होगा, जिसमें भजन गायक श्री खाटू श्याम के भजनों का गुणगान कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर करेंगे।

दूसरे दिन 26 जून को भव्य निशान शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा सायंकाल मोदी मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए श्री खाटू श्याम मंदिर पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

महोत्सव के अंतिम दिन 27 जून को मंदिर परिसर में विशाल संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर देश के विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित ख्यातिप्राप्त भजन गायक बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

पत्रकार वार्ता के दौरान ओमप्रकाश यादव, घनश्याम सिरोही, राजेंद्र कुमार गर्ग, देवेंद्र कुमार गुप्ता, सभासद मोनू धामा, अरुण खन्ना, विजय कुमार शर्मा, संजय रुहेला और राजीव रुहेला सहित अनेक पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ऑन डिमांड वाहन चोरी का बड़ा खुलासा: अंतर्राज्यीय गिरोह का सदस्य गिरफ्तार, चोरी की ईको कार बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई एक ईको कार बरामद की गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान आनंद विहार बिजलीघर से ग्राम सबली जाने वाले मार्ग पर एक संदिग्ध कार सवार को रोका गया। पूछताछ में उसकी पहचान बुलंदशहर निवासी संजय उर्फ संजू उर्फ दीपक के रूप में हुई।

जांच में सामने आया कि आरोपी एनसीआर समेत विभिन्न जनपदों और राज्यों से डिमांड के अनुसार वाहन चोरी कर उन्हें बेचने का काम करता था। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ हापुड़, बुलंदशहर, बदायूं और दिल्ली में चोरी, लूट, हत्या और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर अपराधों के कुल 48 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपी के अन्य साथियों और नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है।

नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले कई नामी कोचिंग सेंटर सील

यूपी में कोचिंग सेंटरों पर बड़ा शिकंजा

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग संस्थान में हुए दर्दनाक अग्निकांड ने पूरे उत्तर प्रदेश को झकझोर दिया है, जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशों पर प्रदेशभर में सुरक्षा जांच का व्यापक अभियान शुरू हो गया है। इस अभियान में न केवल कोचिंग संस्थानों को बल्कि अस्पतालों, होटलों, लाइब्रेरी और बहुमंजिला इमारतों को भी शामिल किया गया है। शुरुआती जांच में फायर सेफ्टी, इमरजेंसी एग्जिट, भवन मानकों और पंजीकरण से जुड़ी गंभीर खामियां सामने आई हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई जिलों में कोचिंग संस्थानों को सील किया गया है और सैकड़ों संस्थान अभी भी जांच के दायरे में हैं। यह अभियान प्रदेश में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर शून्य सहनशीलता की नीति को दर्शाता है।

प्रयागराज में प्रशासन की कार्रवाई सबसे अधिक चर्चा में रही, जहां प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने सिविल लाइंस स्थित खान ग्लोबल क्लासेज को सील कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, जिस भवन में कोचिंग संचालित हो रही थी, उसका नक्शा व्यावसायिक उपयोग के लिए स्वीकृत था, जबकि कोचिंग संस्थान का संचालन सामुदायिक सुविधा श्रेणी में आता है, जिसके लिए आवश्यक भू-उपयोग स्वीकृति नहीं ली गई थी। नोएडा में भी संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सेक्टर-104 स्थित ओम कोचिंग सेंटर और सेक्टर-49 स्थित बासु कोचिंग सेंटर को तत्काल सील कर दिया, क्योंकि उनमें केवल एक संकरा प्रवेश/निकास रास्ता, पंजीकरण का अभाव, फायर एनओसी की कमी और आपातकालीन निकास की अनुपलब्धता पाई गई।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मशहूर कानपुर का काकादेव क्षेत्र भी इस जांच के केंद्र में रहा, जहां कानपुर विकास प्राधिकरण और अग्निशमन विभाग की टीमों ने 30 से अधिक कोचिंग संस्थानों को सील किया। जांच में पाया गया कि कई संस्थानों ने बेसमेंट पार्किंग को क्लासरूम में बदल दिया था, जिससे सुरक्षा खतरे बढ़ गए थे। वाराणसी के दुर्गाकुंड क्षेत्र में भी फायर सर्विस, विकास प्राधिकरण और पुलिस की संयुक्त टीम को कुछ संस्थानों के बेसमेंट में जनरेटर, डीजल, पेट्रोल, लकड़ी का कबाड़ और अन्य ज्वलनशील सामग्री मिली, जिसे गंभीर खतरा बताते हुए संचालकों को कड़ी चेतावनी दी गई। एक प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान तो ऐसी इमारत में संचालित पाया गया जिसका मानचित्र भी स्वीकृत नहीं था, जिसके बाद पूरी इमारत को सील करने का आदेश दिया गया। गोरखपुर में भी कई खामियां सामने आईं, जहां एक प्रमुख संस्थान में केवल एक सीढ़ी मिली और फायर अलार्म व अग्निशमन व्यवस्था मानकों के अनुरूप नहीं थी, जिसके लिए नोटिस जारी किए गए हैं। उन्नाव में तीन और मिर्जापुर में लगभग एक दर्जन संस्थानों को सीज किया गया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अभियान को और व्यापक बनाते हुए कोचिंग संस्थानों के साथ-साथ होटल, बैंक्वेट हॉल, अस्पताल और व्यावसायिक भवनों का भी निरीक्षण शुरू किया है, जिसमें अब तक 206 ऐसे मामले चिन्हित किए गए हैं जहां अग्नि सुरक्षा संबंधी कमियां मिली हैं और इनमें से 56 मामलों में सीलिंग जैसी कार्रवाई शुरू हो चुकी है। बांदा में कमिश्नर के औचक निरीक्षण के दौरान कई निजी अस्पतालों में फायर उपकरण केवल दिखावे के लिए लगे पाए गए, जो काम नहीं कर रहे थे, जिस पर कमिश्नर ने 24 घंटे के भीतर सभी सुरक्षा उपकरण चालू कराने के निर्देश दिए।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों का व्यापक सर्वे कराया जा रहा है और जो संस्थान उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम के तहत पंजीकृत नहीं हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने भवन सुरक्षा, अग्निशमन व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं का ऑडिट किए जाने पर जोर दिया, क्योंकि विद्यार्थियों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस बड़े पैमाने के अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में ऐसी कोई भी दुखद घटना दोबारा न हो और सभी सार्वजनिक प्रतिष्ठान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें।

आम सभा की बैठक के चलते 25 जून को न्यायिक कार्यों से विरत रहेंगे अधिवक्ता

शामली (शिखर समाचार)। जिला बार एसोसिएशन शामली की एक आवश्यक बैठक बुधवार को जिला बार भवन में अध्यक्ष विजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन सहसचिव प्रकाशन प्रताप सिंह राठौर ने किया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिला बार एसोसिएशन की आम सभा की बैठक 25 जून 2026 को दोपहर 12 बजे जिला बार भवन में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में सभी अधिवक्ताओं की उपस्थिति अनिवार्य घोषित की गई है। बार एसोसिएशन द्वारा जारी सूचना के अनुसार आम सभा की बैठक के मद्देनजर 25 जून को जनपद के सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्यों एवं रजिस्ट्री संबंधी कार्यों से विरत रहेंगे। इसके चलते विभिन्न न्यायालयों में नियमित पैरवी तथा रजिस्ट्री कार्य प्रभावित रहेंगे। बार एसोसिएशन ने सभी अधिवक्ताओं से निर्धारित समय पर आम सभा में उपस्थित होकर महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। साथ ही इस संबंध में जनपद के विभिन्न न्यायालयों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को भी सूचना प्रेषित कर दी गई है।

कोचिंग सेंटरों में नियमों की उड़ रहीं धज्जियां

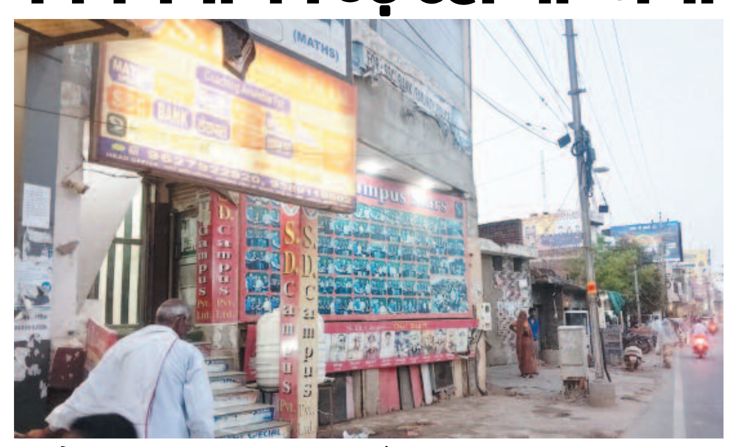

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने से 15 छात्रों की मौत की घटना ने हर किसी को झकझोर दिया है। आगरा में गली-मोहल्लों से लेकर व्यावसायिक भवनों तक में कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। प्रशासन, शिक्षा, अग्निशमन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी भी इनकी कोई सुध नहीं ले रहे हैं। ऐसे में विद्यार्थियों की जिंदगी दांव पर है।

सैंया में लाइब्रेरी में आग लगने की घटना के बाद चेकिंग अभियान भी खानापूर्ति ही बनकर रह गया। शहर में पंजीकृत कोचिंग सेंटर की संख्या 130 के आसपास है, जबकि घरों, दुकानों में बिना पंजीकरण के भी बड़ी संख्या में कोचिंग और लाइब्रेरी चल रही हैं। न्यू आगरा क्षेत्र में ही इनकी संख्या 50 से अधिक है। इनमें कुछेक को छोड़कर बाकी का शायद ही कभी किसी विभाग ने निरीक्षण किया होगा। ज्यादातर में विद्यार्थियों की संख्या भी 50 से अधिक है। कई कोचिंग में तो यह संख्या 200 से 500 के पार तक भी है। इसके बावजूद आग से बचाव के इंतजाम नाकाफी हैं।

यह है हाल

खंदारी चौराहे के पास सर्विस सड़क पर एक चार मंजिला व्यावसायिक भवन में कोचिंग के अलावा दो और कार्यालय बने हैं। इस भवन में आने-जाने के लिए एक ही रास्ता है। आग लगने की स्थिति में बचाव कार्य और लोगों के बाहर निकलने में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

सर्विस सड़क पर ही दो मंजिला एक कॉम्प्लेक्स में कोचिंग संचालित है। इसमें भी लोगों के आने जाने का एक ही रास्ता है। कोचिंग में विद्यार्थियों की संख्या भी सौ से अधिक है।

नगला पदी के कई घरों में बड़ी संख्या में अवैध तरीके से लाइब्रेरी संचालित हो रही हैं। इनका शिक्षा विभाग में पंजीकरण भी नहीं है। विद्यार्थियों के मुताबिक, घरों में भूतल पर लाइब्रेरी चल रही हैं, जबकि दूसरी मंजिल पर परिवार रहते हैं।

भगवान टाकीज चौराहे के पास कई व्यावसायिक भवन हैं। इनमें दुकान, शोरूम, होटल के साथ ही कोचिंग संस्थान भी संचालित हो रहे हैं। इनमें से किसी की फायर एनओसी भी नहीं है।

लखनऊ अग्निकांड के बाद हापुड़ में बड़ा एक्शन: नियमों की अनदेखी पर 6 कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी सील

हापुड़ (शिखर समाचार)। लखनऊ में कोचिंग सेंटर में हुई अग्निकांड की घटना के बाद हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) ने जिले में संचालित कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी सेंटरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। विशेष निरीक्षण अभियान के दौरान अग्नि सुरक्षा मानकों और स्वीकृत मानचित्र संबंधी दस्तावेजों की जांच की गई।

निरीक्षण में कई संस्थान निर्धारित मानकों का पालन करते नहीं पाए गए। संस्थानों द्वारा मानचित्र स्वीकृति एवं अग्निशमन विभाग की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्रस्तुत नहीं किए जाने तथा भवनों में आवश्यक अग्निशमन उपकरणों के अभाव को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकरण ने 24 जून 2026 को छह कोचिंग एवं लाइब्रेरी संस्थानों को सील कर दिया। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में भी ऐसे संस्थानों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा जो सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर छात्रों के जीवन को जोखिम में डाल रहे हैं।

सील किए गए संस्थान

आर्यम कोचिंग सेंटर - रेलवे रोड, हापुड़
प्रयूष लाइब्रेरी - फ्रीगंज रोड, हापुड़
कामयाब एकेडमी/कोचिंग सेंटर - फ्रीगंज रोड, हापुड़
विद्यार्थी एकेडमी - फ्रीगंज रोड, हापुड़
अथर्वश लाइब्रेरी - प्रीत विहार, हापुड़
पिनाका कोचिंग सेंटर - खेड़ा गेट, पिलखुवा

सुरक्षा मानकों से समझौता नहीं

प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि बिना मानचित्र स्वीकृति, एनओसी और अग्निशमन व्यवस्थाओं के संचालित होने वाले संस्थानों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। अभियान का उद्देश्य छात्रों एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोका जा सके।

शॉर्ट सर्किट से कपड़ा बाजार में मची अफरा-तफरी: दो दुकानों में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर कोतवाली क्षेत्र के खाई मोहल्ले में शॉर्ट सर्किट से कपड़े की दो दुकानों में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार आग सुनारों की मार्केट से आगे स्थित मीनू क्लॉथ स्टोर तथा अमीर पुत्र मीनू की कपड़े की दुकान में लगी। एक दुकान में नग, सितारे और बेल आदि का कार्य होता था, जबकि दूसरी दुकान में कपड़े और साड़ियों का बड़ा स्टॉक रखा हुआ था। फायर ब्रिगेड को सूचना मिलते ही टीम रवाना हुई, लेकिन रास्ता संकरा होने के कारण दमकल वाहन घटनास्थल तक नहीं पहुंच सका। इस दौरान स्थानीय लोग टंकी के पाइप से आग बुझाने में जुटे रहे। फायरकर्मियों ने दुकान के प्लाईवुड बोर्ड तोड़कर अंदर पहुंचकर आग को पूरी तरह बुझाया। आग की चपेट में आकर कपड़े, साड़ियां, सूट, नग, सितारे, बेल और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया।

ऑडियो वायरल होने के बाद जनता का फैसला: बुजुर्ग को जूतों की माला पहनाकर गांव में घुमाया

कासगंज, एजेंसी। यूपी के कासगंज स्थित सोरोंजी थाना क्षेत्र के गांव नगला पल्टू में सोमवार को एक बुजुर्ग के साथ अमानवीय व्यवहार और मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। गांव के ही एक परिवार के लोगों ने बुजुर्ग का मुंह काला कर, उसे जूते-चप्पलों की माला पहनाई और कथित तौर पर अर्धनग्न कर गांव में घुमाया। इस दौरान बुजुर्ग के साथ बेरहमी से मारपीट भी की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया और तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। बुजुर्ग की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रामविलास पर अश्लीलता फैलाने का आरोप

जानकारी के अनुसार नगला पल्टू निवासी रामविलास (60) पर ग्रामीणों ने गांव की महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करने और अश्लील गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का दावा है कि सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप वायरल हुई है, जिसमें बुजुर्ग कथित तौर पर गांव की लड़कियों व महिलाओं को उनके प्रेमियों से मिलवाने की बात स्वीकार कर रहा है। इसी बात से आक्रोशित होकर सोमवार सुबह गांव के ही गौरव, जयसिंह, राजेश समेत छह लोगों ने बुजुर्ग को घर से खींच लिया और उसके साथ दुर्व्यवहार शुरू कर दिया।

कई लड़कियों को उनके प्रेमियों से खेतों में मिलवाया है

आरोपियों ने इस दौरान बुजुर्ग पर गांव में अश्लील गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। आरोप लगाया कि एक वायरल ऑडियो में बुजुर्ग गांव की एक नवविवाहिता से बातचीत करते हुए कह रहा है कि उसने गांव की कई लड़कियों को उनके

प्रेमियों से खेतों में मिलवाया है। वह उसकी भी मुलाकात करा देगा। इसमें कई महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी भी कीं। इसे लेकर गांव में आक्रोश हैं।

बुजुर्ग के कपड़े फाड़े और डंडे बरसाए

आरोप है कि हमलावरों ने बुजुर्ग के कपड़े फाड़ दिए और महिलाओं ने उन पर डंडे बरसाए। वहीं, कुछ लोग बुजुर्ग का सिर पेड़ से टकराते रहे। इसके बाद गांव में घुमाते हुए उसकी पिटाई की।

इस अमानवीय कृत्य के दौरान मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, लेकिन कोई भी बुजुर्ग को बचाने आगे नहीं आया और लोग मूकदर्शक बने रहे। घटना की जानकारी मिलते ही सोरोंजी कोतवाली पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने पीड़ित बुजुर्ग को मुक्त कराया और मौके से ही तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

तीन को हिरासत में लिया

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पीड़ित बुजुर्ग की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। कानून को हाथ में लेने और अमानवीय व्यवहार करने के आरोप में तीन आरोपियों को मौके से हिरासत में लिया गया है। वायरल वीडियो और ऑडियो दोनों की जांच की जा रही है, जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घटना का वीडियो वायरल

पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। मामले की जानकारी होने पर सोरोंजी कोतवाली से पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। सीओ सदर आंचल चौहान ने बताया कि मामले में बुजुर्ग की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। अमानवीय व्यवहार करने पर तीन आरोपियों को मौके से हिरासत में ले लिया गया है।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर प्रशासन सख्त, 66 कोचिंग संस्थानों की जांच में 9 सील

गौतमबुद्धनगर (शिखर समाचार)। जनपद में अग्नि सुरक्षा और मानव सुरक्षा मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित कराने के लिए जिला प्रशासन का विशेष जांच अभियान लगातार जारी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित संयुक्त टीमों ने कोचिंग संस्थानों, होटलों और अन्य प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं, पंजीकरण, आवश्यक अभिलेखों तथा अग्निशमन उपकरणों की गहन जांच की।

उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह के नेतृत्व में टीम ने जेवर क्षेत्र के बालाजी गेस्ट हाउस, एसआर प्लाजा, द ग्रैंड होटल और जेपी वेलवेट होटल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सुरक्षा संबंधी कमियां मिलने पर बालाजी गेस्ट हाउस को तत्काल सील कर दिया गया, जबकि अन्य तीन प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी कर निर्धारित मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि विशेष अभियान के तहत बुधवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में 46 कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया। ग्रेटर नोएडा में आवश्यक अभिलेख और सुरक्षा मानकों के अभाव में पांच कोचिंग संस्थानों को सील किया गया। वहीं नोएडा के सेक्टर-16 और सेक्टर-18 में 12

संस्थानों की जांच के दौरान दो कोचिंग संस्थानों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। सेक्टर-22 क्षेत्र में चार कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से दो को नोटिस जारी करते हुए आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने और मानकों की पूर्ति तक शिक्षण गतिविधियां बंद रखने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सेक्टर-58 और सेक्टर-62 में भी छह कोचिंग संस्थानों की जांच की गई।

प्रशासन के अनुसार दो दिनों में कुल 66 कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया जा चुका है। इनमें से नौ संस्थानों को सील किया गया है, जबकि 12 को नोटिस जारी किए गए हैं।

जिला प्रशासन ने सभी संस्थान संचालकों को अग्नि सुरक्षा, भवन सुरक्षा, मानव सुरक्षा, वैध पंजीकरण और अन्य निर्धारित मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित संस्थान के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने यह भी कहा है कि सुरक्षा मानकों के अनुपालन तक विशेष जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा।

स्योहारा और नहटौर में मिले दो शव, पुलिस जांच में जुटी

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद के स्योहारा और नहटौर थाना क्षेत्रों में बुधवार को दो अलग-अलग स्थानों पर संदिग्ध परिस्थितियों में दो लोगों के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा फॉरेंसिक टीम की मदद से मामलों की जांच शुरू कर दी है। पहला मामला स्योहारा स्थित अवध शुगर मिल का है। यहां मटेरियल मैनेजर के पद पर कार्यरत विवेक शंकर सिंह, जो बिहार के मुजफ्फरपुर के निवासी थे, अपने आवास पर मृत पाए गए। बताया गया कि जब वह निर्धारित समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंचे तो मिल कर्मचारियों को चिंता हुई। कर्मचारी उनके आवास पर पहुंचे, जहां दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश करने पर विवेक शंकर सिंह का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। दूसरी घटना नहटौर थाना क्षेत्र के ग्राम बेगराजपुर की है। गांव के जंगल में एक पेड़ के सहारे एक व्यक्ति का शव लटका मिलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर उसकी पहचान 55 वर्षीय कलवा निवासी बेगराजपुर के रूप में कराई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने दोनों मामलों में पंचनामा भरकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थलों से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

मेरठ रेंज में चाइनीज मांझे के खिलाफ सख्त अभियान, 40 मुकदमे दर्ज, 56 गिरफ्तार

मेरठ (शिखर समाचार)। मेरठ रेंज में प्रतिबंधित चाइनीज एवं सिंथेटिक मांझे के निर्माण, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रभावी रोक लगाने के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पिछले दो वर्षों में व्यापक कार्रवाई की गई है। यह जानकारी डीआईजी मेरठ रेंज कलानिधि नैथानी ने दी।

डीआईजी ने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी और सघन जांच अभियान चलाकर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की। इस अवधि में मेरठ रेंज के चार जनपदों में कुल 40 मुकदमे दर्ज किए गए तथा 56 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही भारी मात्रा में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बरामद कर जब्त किया गया।

कार्रवाई के आंकड़ों के अनुसार जनपद मेरठ में सर्वाधिक 37 मुकदमे दर्ज किए गए, जिनमें 51 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। वहीं जनपद हापुड़ में तीन मुकदमे दर्ज कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। डीआईजी ने जनपद बुलंदशहर और बागपत पुलिस को भी चाइनीज मांझे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही रेंज के सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को अभियान को और अधिक सशक्त बनाने के लिए कहा गया है।

डीआईजी ने कहा कि चाइनीज मांझा आम नागरिकों, विशेषकर बच्चों, दोपहिया वाहन चालकों तथा पक्षियों के लिए बेहद खतरनाक साबित होता है। इसके कारण

गंभीर दुर्घटनाएं और जान-माल की हानि की घटनाएं सामने आती रहती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि चाइनीज मांझे की बिक्री, भंडारण और उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है।

उन्होंने आमजन से अपील की कि वे प्रतिबंधित मांझे का प्रयोग न करें और यदि कहीं इसके निर्माण, भंडारण या बिक्री की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। उन्होंने कहा कि इस अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान चलाकर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गंगा दशहरा पर गंग नहर में उमड़ी आस्था, हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी

मुरादनगर (शिखर समाचार)। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर रविवार को मुरादनगर स्थित गंग नहर घाट पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही हजारों श्रद्धालु गंग नहर पहुंचने लगे और देर शाम तक स्नान एवं पूजा-अर्चना का क्रम जारी रहा। श्रद्धालुओं ने मां गंगा में पवित्र डुबकी लगाकर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगल की कामना की। पर्व के अवसर पर घाट क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद मां गंगा की विधि-विधान से पूजा की और दान-पुण्य भी किया। महंत मुकेश गोस्वामी ने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार महाराज भगीरथ की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा ज्येष्ठ शुक्ल दशमी के दिन स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। उन्होंने कहा कि मां गंगा भारतीय संस्कृति, आस्था और जीवन मूल्यों की प्रतीक हैं। गंगा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ-साथ उनके संरक्षण और स्वच्छता का संकल्प लेना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इस दौरान कई श्रद्धालुओं ने घाट पर मूलभूत सुविधाओं की कमी की ओर ध्यान आकर्षित किया। लोगों का कहना था कि दो वर्ष पूर्व अतिक्रमण हटाने के दौरान घाट पर बने टिनशेड और नहर में सुरक्षा के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग हटा दी गई थी। इसके बाद से विशेषकर गर्मी और तेज धूप के समय स्नानार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। श्रद्धालुओं ने प्रशासन से घाट पर पुनः टिनशेड स्थापित कराने और सुरक्षा के मद्देनजर नहर में पाइप बैरिकेडिंग की व्यवस्था बहाल करने की मांग की।

गंगा दशहरा के मद्देनजर प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए घाट क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था, जबकि पीएसी के गोताखोरों को भी सतर्क रखा गया। सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण ढंग से स्नान कर पर्व मनाया।

राम मंदिर ट्रस्ट फंड की जांच की मांग को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला कांग्रेस कमेटी ने राम मंदिर ट्रस्ट फंड में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर बुधवार को जिलाधिकारी बिजनौर को ज्ञापन सौंपा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेनरिटा राजीव सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने जिला मुख्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च कर अपनी मांग उठाई। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कार्यालय पर एकत्रित हुए और वहां से जुलूस के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। कार्यकताओं ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए मामले की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान हेनरिटा राजीव सिंह ने कहा कि भगवान श्रीराम देश के करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं। उनके नाम पर एकत्रित धनराशि के उपयोग में यदि किसी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार हुआ है तो इसकी निष्पक्ष जांच कर सच्चाई जनता के सामने लाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि आरोपों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए और जांच में जो भी तथ्य सामने आएं, उनके आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए मामले की निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है। ज्ञापन सौंपने वालों में आर.के. सिंह, हरिराज सिंह, गुरमुख सिंह, विक्रम सिंह, मीनू गोयल, मलखान सिंह, खालिद अंसारी, महेश कुमार, रामपाल सिंह, रतिराम सिंह, राम रतन सिंह, सुकेश कुमार, विकुल कुमार, अंकित कुमार, सुकंदी, नीरज, दीपक कुमार, काजी आतिफ, हिमांशु कुमार, जितेंद्र सिंह सहित जिला कांग्रेस के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिरसा रोटरी से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे कट तक मार्ग बंद, 15 दिन रहेगा यातायात डायवर्जन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शहर की प्रमुख सड़कों को बेहतर बनाने के अभियान के तहत ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सिरसा रोटरी से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे कट तक क्षतिग्रस्त मार्ग के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू कर दिया है। करीब 1.3 किलोमीटर लंबे इस मार्ग की सतह का नवीनीकरण किया जा रहा है, जिसके चलते यहां 15 दिनों के लिए यातायात डायवर्जन लागू किया गया है। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन.जी. रवि कुमार के निर्देश पर परियोजना विभाग के कार्य वृ-7 को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। लंबे समय से सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण वाहन चालकों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। सड़क के सुधार से क्षेत्र के लोगों को बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा मिल सकेगी।

रीसर्फेसिंग कार्य के दौरान सिरसा रोटरी से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे की ओर जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करना होगा। वाहन चालक अब 60 मीटर मार्ग स्थित डाढ़ा रोटरी से होकर बैनेट विश्वविद्यालय मार्ग के जरिए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे तक पहुंच सकेंगे। वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम सिंह ने बताया कि सड़क की सतह के नवीनीकरण का कार्य लगभग 15 दिनों तक चलेगा। यातायात पुलिस के सहयोग से डायवर्जन व्यवस्था लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय के भीतर कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है ताकि लोगों को जल्द से जल्द बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शारदा विश्वविद्यालय में जागरूकता संगोष्ठी, 200 विद्यार्थियों ने निकाली रैली

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शारदा विश्वविद्यालय में बुधवार को जागरूकता संगोष्ठी और रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेडिकल, दंत चिकित्सा एवं मनोरोग विभाग के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी के निर्देश पर जनपद में 17 से 26 जून तक विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी ने कहा कि केंद्र सरकार मादक पदार्थों के सेवन को कम करने और उनकी अवैध तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। नशा मुक्त भारत अभियान के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर जागरूक बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया

कि मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ संबंधित एजेंसियां सख्त कार्रवाई कर रही हैं।

जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने कहा कि जनपद के शिक्षण संस्थानों में अभियान का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। इसके माध्यम से युवाओं को नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक हानियों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंदन सोनी ने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य दोनों को प्रभावित करता है। वहीं डॉ. श्वेता खुराना ने बताया कि इस वर्ष अभियान की थीम नशा मुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान रखी गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में सकारात्मक वातावरण और नियमित जागरूकता गतिविधियां युवाओं को नशे से दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अभियान के तहत जनपद के अनेक विद्यालयों और महाविद्यालयों के आसपास तंबाकू एवं मादक पदार्थों की दुकानों को हटाने की कार्रवाई भी की गई है। संगोष्ठी के बाद 200 से अधिक विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकालकर समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में अभियान में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया।

ज्येष्ठ गंगा दशहरा मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। ज्येष्ठ गंगा दशहरा के पावन अवसर पर तीर्थ नगरी बृजघाट, पुष्पावती पूठ के स्नान घाटों तथा गढ़ गंगा खादर के कच्चे घाट पर लाखों श्रद्धालुओं ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और गंगा तट जयकारों से गूंजता रहा।

श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से गंगा स्नान कर परिवार की सुख समृद्धि और कल्याण की कामना की। गंगा तट पर भगवान सत्यनारायण की कथा, पूजा अर्चना तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों को दान पुण्य किया तथा भंडारों के माध्यम से भोजन भी वितरित किया। मेले के दौरान पुलिस प्रशासन और नगर पालिका की ओर से सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल तथा यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। घाटों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ साथ निगरानी की विशेष व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

इस बार राष्ट्रीय राजमार्ग और संपर्क मार्गों पर भी यातायात सुचारु बना रहा तथा जाम की स्थिति देखने को नहीं मिली। प्रशासनिक व्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं ने सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से स्नान एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए।

जीडीए का बड़ा एक्शन: फायर सेफ्टी मानकों की अनदेखी पर 67 प्ले-स्कूल और कोचिंग सेंटर सील

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। हाल ही में विभिन्न स्थानों पर हुए भीषण अग्निकांडों से सबक लेते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने जनसुरक्षा के प्रति सख्त रुख अपना लिया है। जीडीए ने शहर के विभिन्न जोनों में एक बड़ा प्रवर्तन अभियान चलाते हुए 67 प्रतिष्ठानों को सील कर दिया है। ये वे संस्थान हैं जो बिना नक्शा पास कराए चल रहे थे या जहां आग बुझाने (फायर सेफ्टी) के पुख्ता इंतजाम नहीं थे।

इनमें मुख्य रूप से बच्चों के प्ले-स्कूल, कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी और फिटनेस सेंटर शामिल हैं।

छात्रों की जान से हो रहा था खिलवाड़

जीडीए की टीमों ने शहर भर में औचक निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि शिक्षा और फिटनेस के नाम पर चल रहे कई प्रतिष्ठानों में बिल्डिंग बायलॉज और सुरक्षा मानकों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही थीं। इन इमारतों में न तो स्वीकृत नक्शे के अनुसार निर्माण हुआ था और न ही आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए फायर एनओसी ली गई थी।

छात्रों और आम जनता की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए प्राधिकरण ने तुरंत सख्त कार्रवाई की और नियमों का उल्लंघन करने वाले 67 परिसरों पर ताला जड़ दिया।

किस जोन में कितने परिसरों पर हुई कार्रवाई?

जीडीए ने शहर के सभी सातों जोनों में सघन चेकिंग कर यह जब्ती और सीलिंग की कार्रवाई की है। सील किए गए परिसरों का जोनवार आंकड़ा इस प्रकार है:

जोन-1 : 10 परिसर
जोन-2 : 10 परिसर
जोन-3 : 06 परिसर
जोन-4 : 15 परिसर (सबसे अधिक)
जोन-5 : 05 परिसर
जोन-6 : 11 परिसर
जोन-7 : 10 परिसर

आगे भी जारी रहेगा अभियान, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

जीडीए उपाध्यक्ष ने इस कार्रवाई पर कड़ा संदेश देते हुए स्पष्ट किया है कि किसी भी भवन का उपयोग केवल स्वीकृत नक्शे और निर्धारित भूमि उपयोग के आधार पर ही किया जा सकता है। छात्रों और आम जनमानस की सुरक्षा के मामले में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी है कि ऐसे अवैध संस्थानों के खिलाफ आगे भी चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई होगी।

जीडीए की आम जनता से अपील:

प्राधिकरण ने अभिभावकों और आम नागरिकों से यह खास अपील की है कि वे अपने बच्चों का किसी भी प्ले-स्कूल, कोचिंग सेंटर या संस्थान में प्रवेश कराने से पहले वहां की फायर एनओसी, सुरक्षा व्यवस्था और बिल्डिंग की वैधानिक स्वीकृतियों की जांच अवश्य कर लें, ताकि भविष्य में किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

पीएम स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूरे, स्वनिधि महोत्सव में लाभार्थियों का सम्मान

शामली (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद शामली में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त कर समय पर अदायगी करने वाले पथ विक्रेताओं एवं छोटे कारोबारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल एवं अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी ने लाभार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने रेहड़ी-पटरी संचालकों और लघु व्यापारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि बिना गारंटी ऋण की सुविधा मिलने से हजारों छोटे व्यापारी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़े हैं तथा उनके कारोबार को नई

गति मिली है। महोत्सव के दौरान विभिन्न बैंकों द्वारा पात्र लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया। वहीं जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) के कर्मचारियों ने ऑनलाइन ऋण आवेदन, डिजिटल भुगतान से जुड़ी जानकारी तथा क्रेडिट कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी पूरी कराई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को योजना के लाभ एवं पात्रता संबंधी जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि योजना के छह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 1 जून से 30 जून तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत अधिक से अधिक पथ विक्रेताओं को योजना से जोड़ने और उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में डूडा प्रबंधक गिरि गोपाल दास, बैंक अधिकारी, सभासद, लाभार्थी तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

मलबे के नीचे दबती जवाबदेही

कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो क्षेत्र में बुधवार को निमार्णाधीन गोदाम का शेड भरभराकर गिर गया। ताजा जानकारी के अनुसार कई मजदूर और कर्मचारी मलबे में दब गए, जबकि मृतकों की संख्या लगातार बढ़ने की आशंका बनी हुई है। बचाव एजेंसियों ने दर्जनों लोगों को बाहर निकाला है और सेना, पुलिस, अग्निशमन विभाग, आपदा प्रबंधन दल तथा अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं। क्रेन, गैस कटर और भारी मशीनों की मदद से लोहे की छड़ों और कंक्रीट के ढेर को हटाया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय गोदाम में निर्माण कार्य और कंक्रीट ढलाई जारी थी तथा बड़ी संख्या में मजदूर भीतर काम कर रहे थे। कई रिपोर्टों में 40 से अधिक लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई है और देर शाम तक बचाव अभियान जारी रहा। प्रारंभिक सूचनाओं में संरचनात्मक कमजोरी, निर्माण गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

यह घटना केवल एक शहर या एक निर्माण स्थल की त्रासदी नहीं है। यह उस व्यवस्था का आईना है जिसमें विकास की रफ्तार अक्सर सुरक्षा की जिम्मेदारी से आगे निकल जाती है। हर बार किसी पुल के गिरने, इमारत ढहने, फैक्ट्री में विस्फोट होने या निमार्णाधीन ढांचे के धराशायी होने के बाद वही परिचित दृश्य सामने आता है मलबा, चीख पुकार, राहत दल, जांच समिति और फिर कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य। लेकिन जिन परिवारों के कमाने वाले सदस्य ऐसे हादसों में खो जाते हैं, उनके लिए जीवन कभी सामान्य नहीं हो पाता।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर देश में इस प्रकार की घटनाएं बार बार क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल तकनीकी खामी या किसी एक ठेकेदार की लापरवाही में नहीं छिपा है। इसके पीछे एक व्यापक तंत्रगत समस्या मौजूद है। निर्माण क्षेत्र में अक्सर समय पर परियोजना पूरी करने का दबाव, लागत कम रखने की प्रवृत्ति और निगरानी तंत्र की कमजोरी सुरक्षा मानकों को पीछे धकेल देती है। कई स्थानों पर निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, डिजाइन की जांच, भार वहन क्षमता के परीक्षण और कार्यस्थल सुरक्षा नियमों का पालन केवल कागजों तक सीमित रह जाता है। जब तक कोई दुर्घटना नहीं होती, तब तक व्यवस्था की आंखें बंद रहती हैं।

इस समस्या का दूसरा पक्ष प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा है। किसी भी निर्माण परियोजना को शुरू करने से पहले अनेक स्तरों पर स्वीकृतियां, तकनीकी परीक्षण और निरीक्षण होने चाहिए। यदि कोई ढांचा निर्माण के दौरान ही ढह जाता है तो यह केवल इंजीनियरिंग विफलता नहीं बल्कि निगरानी व्यवस्था की भी विफलता है।

~ मौलिक चिंतन ~

झूठ बोलते हैं वे लोग जो कहते हैं कि वे दिल की सुनते – मानते हैं, क्योंकि न तो दिल सोचता है, न ही बोलता है।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी: कब जागेगा तंत्र?

ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है- 'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर।

लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जैबें गर्म करते रहना है?

वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की। जब तक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं बनाए जाएंगे, तब तक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन की प्राथमिकता 'दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रिया' से बदलकर 'दुर्घटना से पूर्व की रोकथाम' पर केंद्रित होनी चाहिए। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करना भी है। प्रशासन की सफलता मुआवजा राशि में नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता में निहित होती है।

कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल, कारखाने, होटल आदि के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का स्थानीय प्रशासन को अंदाजा होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है।

जैसे-जैसे जीवन तेज होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लखनऊ का यह अग्निकांड एक चेतावनी है। यदि अब भी शासन-प्रशासन नहीं जागा, तो ऐसी त्रासदियां भविष्य में और अधिक भयावह रूप धारण कर सकती हैं। यह समय आत्ममंथन का है, क्योंकि हर अग्निकांड के बाद यदि केवल राख बचती है और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर लौट जाती है, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि एक प्रकार का संस्थागत अपराध है। देश को अब संवेदना नहीं-व्यवस्था चाहिए, जांच नहीं-जवाबदेही चाहिए और आश्वासन नहीं-ठोस कार्रवाई चाहिए। अन्यथा हर अग्निकांड के बाद यही प्रश्न गूंजता रहेगा-आखिर कब जागेगा तंत्र?

अतीत का आपातकाल अध्याय, बर्तमान मे लोकतंत्र की नई चुनौतियाँ

विनोद कुमार सिंह

1975 का आपातकाल हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र कभी भी स्वतः सुरक्षित नहीं रहता।उसे निरंतर संरक्षित करना पड़ता है। वहीं वर्तमान समय हमें यह भी सिखाता है कि लोकतंत्र की मजबूती केवल अतीत की गलतियों को गिनाने से नहीं,बल्कि वर्तमान की चुनौतियों का ईमानदारी से सामना करने से आती है।भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि यहाँ सरकारें बनती हैं,बल्कि यह है कि यहाँ जनता सरकारों का मूल्यांकन करने,उनसे प्रश्न पूछने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलने का अधिकार रखती है।यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की शक्ति है।

1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल, वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?

25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की वह तिथि है,जिसे स्वतंत्र भारत के सबसे विवादास्पद और बहुचर्चित राजनीतिक निर्णयों में गिना जाता है।आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की सलाह पर देश में आंतरिक आपातकाल लागू किया गया। संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत घोषित इस आपातकाल ने भारतीय लोकतंत्र में नागरिक स्वतंत्रताओं,प्रेस की स्वतंत्रता और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका को कठोर परीक्षा के दौर से गुजारा। लगभग पाँच दशक बाद भी आपातकाल केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं है,बल्कि लोकतंत्र को निरंतर सजग रखने वाली चेतावनी है।उस समय इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इन्दिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित किए जाने,जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चल रहे व्यापक जनांदोलन और राजनीतिक अस्थिरता के माहौल के बीच आपातकाल लागू किया गया। इसके बाद जो घटनाएँ सामने आईं, उन्होंने लोकतंत्र की बुनियाद को झकझोर दिया।विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियाँ हुईं,प्रेस पर सेंसरशिप लागू की गई,नागरिक अधिकार सीमित कर दिए गए और सत्ता का अभूतपूर्व केंद्रीकरण देखने को मिला।जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई,अटल बिहारी वाजपेयी,लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस सहित हजारों राजनीतिक कार्यकताओं को जेलों में डाल दिया गया।मीसा (MISA) और अन्य कानूनों के तहत व्यापक गिरफ्तारियाँ हुईं।अनेक समाचार- पत्रों को समाचार प्रकाशित करने से पहले सरकारी अनुमति लेनी पड़ती थी।लोकतंत्र की आत्मा कहे जाने वाले अभिव्यक्ति के अधिकार पर पहरा बैठ गया था।सर्वोच्च न्यायालय का चर्चित एडीएम जबलपुर मामला आज भी भारतीय न्यायिक इतिहास में बहस का विषय है।उस समय न्यायपालिका का एक बड़ा हिस्सा सत्ता के दबाव के सामने कमजोर दिखाई दिया, जबकि न्यायमूर्ति एच.आर.खन्ना का असहमति वाला मत लोकतांत्रिक साहस का प्रतीक बन गया।बाद में गठित शाह आयोग ने भी प्रशासनिक और राजनीतिक दुरुपयोगों की ओर संकेत किया। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि लोकतंत्र में संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों की रक्षा कितनी आवश्यक है।किन्तु भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह रही कि जनता ने अंततः अपना फैसला सुनाया।1977 के आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई और जनता पार्टी की सरकार बनी।यह केवल सरकार की हार नहीं थी,बल्कि लोकतंत्र की जीत थी।जनता ने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति किसी नेता,दल या सरकार के पास नहीं, बल्कि मतदाता के पास होती है। बाद के वर्षों में कांग्रेस के अनेक नेताओं ने स्वीकार किया कि आपातकाल एक गंभीर राजनीतिक भूल थी।लोकतंत्र केवल दण्ड देने की व्यवस्था नहीं है,वह सुधार का अवसर भी देता है।यही कारण था कि 1980 में जनता ने पुनः इन्दिरा गांधी को सत्ता में लौटने का अवसर दिया।यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का अद्भुत उदाहरण था। *1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल, वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?* यही वह बिंदु है,जहाँ इतिहास वर्तमान से संवाद करता है।आज जब देश आपातकाल की वर्षगाँठ को याद करता है,तब स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न भी उठता है कि क्या लोकतंत्र की समीक्षा केवल अतीत तक सीमित रहनी चाहिए अथवा वर्तमान की परिस्थितियों का भी उसी कसौटी पर परीक्षण होना चाहिए?क्या आपातकाल की स्मृति केवल राजनीतिक हथियार है या लोकतांत्रिक आत्ममंथन का अवसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं।आधार भूत संरचना का विस्तार,एक्सप्रेस-वे,रेलवे और हवाई अड्डों का विकास,डिजिटल इंडिया अभियान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,जनधन योजना,यूपीआई क्रांति,वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती उपस्थिति, जी-20 की सफल अध्यक्षता और विदेश नीति में संतुलित दृष्टिकोण को व्यापक रूप से सराहा गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत की संतुलित कूटनीति,वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में उसकी भूमिका तथा अमेरिका, रूस,यूरोप और पश्चिम एशिया के साथ समानांतर संबंधों ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

यह उपलब्धियाँ वास्तविक हैं और इन्हें नकारना वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा।किन्तु लोकतंत्र केवल उपलब्धियों से नहीं चलता। लोकतंत्र का मूल्यांकन इस आधार पर भी होता है कि सत्ता आलोचना को कितना स्थान देती है,संस्थाएँ कितनी स्वतंत्र हैं,नागरिक कितने निर्भय हैं और विपक्ष को कितना सम्मान प्राप्त है।यहीं से वर्तमान राजनीतिक बहस आरम्भ होती है।

विपक्षी दल और अनेक राजनीतिक विश्लेषक आरोप लगाते हैं कि देश में सत्ता का अत्यधिक केंद्रीकरण हुआ है।प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर समय-समय पर प्रश्न उठते रहे हैं।विपक्ष का आरोप है कि इन एजेंसियों की सक्रियता कई बार राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध अधिक दिखाई देती है।सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है और कहती है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। लोकतंत्र में सच्चाई का निर्णय अदालतें और कानून करते हैं, लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूँजी होता है।इसी प्रकार चुनाव आयोग को लेकर भी समय-समय पर बहस होती रही है।भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया का संचालन करता है और उसकी निष्पक्षता लोकतंत्र की आधारशिला है।यदि चुनावी संस्थाओं को लेकर आशंकाएँ व्यक्त की जाती हैं तो उनका उत्तर केवल राजनीतिक बयान नहीं,बल्कि अधिक पारदर्शिता और जनविश्वास से दिया जाना चाहिए।लोकतंत्र की असली शक्ति केवल चुनाव कराने में नहीं, बल्कि चुनावों पर जनता के भरोसे में निहित होती है।आज देश का युवा एक अलग प्रकार के संकट से जूझ रहा है।करोड़ों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों लगा देते हैं,लेकिन पेपर लीक की घटनाएँ बार-बार उनके सपनों और विश्वास दोनों को चोट पहुँचाती हैं।बेरोजगारी का प्रश्न आज भी राष्ट्रीय विमर्श का प्रमुख मुद्दा है। आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के बीच संतुलन की चुनौती अभी भी बनी हुई है।शिक्षा का विस्तार हुआ है,लेकिन गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। यह वह प्रश्न है जिसका उत्तर किसी भी सरकार को देना ही होगा।राजनीति का एक और चिंताजनक पक्ष दल-बदल की बढ़ती संस्कृति है।चुनाव के समय एक विचारधारा और दल के नाम पर वोट माँगना और बाद में राजनीतिक लाभ के लिए पाला बदल लेना लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश,कर्नाटक और अन्य राज्यों की राजनीतिक घटनाओं ने यह बहस तेज की है , क्या जनादेश जनता का रहता है या राजनीतिक प्रबंधन का साधन बन जाता है?दुर्भाग्यपूर्ण सत्य यह है कि लगभग सभी दल सत्ता में रहते हुए दल-बदल का स्वागत करते हैं और विपक्ष में रहते हुए उसका विरोध करते हैं।यही भारतीय राजनीति दलो का वह चाल,चेहरा और चरित्र है जिसे जनता अब समझने लगी है।लोकतंत्र में समस्या केवल सरकार की नहीं होती,विपक्ष की भी होती है।यदि सत्ता आलोचना से असहज होती है तो विपक्ष भी कई बार रचनात्मक राजनीति के बजाय केवल विरोध की राजनीति में उलझ जाता है।लोकतंत्र दोनों पक्षों की जिम्मेदारी से चलता है।सत्ता को जवाबदेह होना पड़ता है और विपक्ष को विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना पड़ता है।धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दे भारतीय राजनीति का हिस्सा रहे हैं।राम मंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय था और उसका ऐतिहासिक महत्व भी है।लोकतंत्र में आस्था के साथ जवाबदेही भी आवश्यक होती है।किसी भी सार्वजनिक या धार्मिक परियोजना के संबंध में उठने वाले प्रश्नों का उत्तर पारदर्शिता से दिया जाना चाहिए।इसी प्रकार हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति अल्पकालिक चुनावी लाभ दे सकती है,लेकिन दीर्घकाल में सामाजिक विश्वास और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करती है।

भारत की वास्तविक चुनौतियाँ रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य,कृषि, पर्यावरण,सामाजिक न्याय और आर्थिक असमानता हैं।यदि राजनीतिक विमर्श इन मूल प्रश्नों से भटककर केवल भावनात्मक मुद्दों तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र का वास्तविक उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है।सोशल मीडिया के इस युग ने लोकतंत्र को नए अवसर और नई चुनौतियाँ दोनों दी हैं।आज नागरिकों के पास अपनी बात कहने के पहले से कहीं अधिक अवसर हैं। सरकार की आलोचना भी खुलकर हो रही है और समर्थन भी।इसके साथ ही फेक न्यूज,ट्रोल संस्कृति, दुष्प्रचार और वैचारिक कट्टरता जैसी समस्याएँ भी बढ़ी हैं।लोकतंत्र को केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही नहीं,बल्कि जिम्मेदारअभिव्यक्ति की भी आवश्यकता होती है।2024 के लोकसभा चुनाव ने भी भारतीय लोकतंत्र को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।जनता ने राष्ट्रीय स्तर पर सरकार को तीसरा कार्यकाल दिया, लेकिन साथ ही यह भी संकेत दिया कि लोकतंत्र में जनादेश समर्थन और संतुलन दोनों का संदेश देता है।यह परिणाम बताता है कि भारतीय मतदाता न किसी दल का स्थायी समर्थक है और न स्थायी विरोधी।वह समय-समय पर सरकारों को अवसर भी देता है और चेतावनी भी।यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुंदरता है।आज की सरकार के लिए इतिहास का संदेश स्पष्ट है। इन्दिरा गांधी का राजनीतिक कद बहुत बड़ा था, लेकिन जनता ने उन्हें भी सत्ता से बाहर कर दिया था।इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि लोकप्रियता स्थायी है या चुनावी सफलता अंतिम सत्य है। लोकतंत्र में जनसमर्थन निरंतर अर्जित करना पड़ता है।केवल अतीत की गलतियों को याद दिलाकर वर्तमान की चुनौतियों से बचा नहीं जा सकता।यदि बेरोजगारी,शिक्षा,सामाजिक सद्भाव,संस्थागत विश्वसनीयता और पारदर्शिता जैसे प्रश्न उठ रहे हैं तो उनका उत्तर इतिहास नहीं,वर्तमान नीतियों और परिणामों से देना होगा।साथ ही विपक्ष को भी यह समझना होगा कि हर राजनीतिक मतभेद को आपातकाल बताना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है।जनता केवल आलोचना नहीं,विकल्प भी चाहती है।लोकतंत्र भय और आरोपों से नहीं,बल्कि विश्वास और विकल्पों से मजबूत होता है।डॉ.भीमराव अम्बेडकर ने संविधान सभा में चेतावनी दी थी कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो,यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे तो वह अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगा।यह चेतावनी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।जितनी संविधान निर्माण के समय थी।भारत का संविधान किसी दल,नेता या सरकार का दस्तावेज नहीं है।यह देश के नागरिकों का लोकतांत्रिक संकल्प है।सरकारें आती हैं,सरकारें जाती हैं; दल बनते हैं,दल टूटते हैं; नारे बदलते हैं,राजनीतिक समीकरण बदलते हैं,लेकिन संविधान और लोकतंत्र की मूल भावना स्थायी रहती है।इतिहास हमें भयभीत करने के लिए नहीं,बल्कि सावधान करने के लिए होता है। 1975 का आपातकाल हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र कभी भी स्वतः सुरक्षित नहीं रहता।उसे निरंतर संरक्षित करना पड़ता है। वहीं वर्तमान समय हमें यह भी सिखाता है कि लोकतंत्र की मजबूती केवल अतीत की गलतियों को गिनाने से नहीं,बल्कि वर्तमान की चुनौतियों का ईमानदारी से सामना करने से आती है।भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि यहाँ सरकारें बनती हैं,बल्कि यह है कि यहाँ जनता सरकारों का मूल्यांकन करने,उनसे प्रश्न पूछने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलने का अधिकार रखती है।यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की शक्ति है।
~~~~~~~~~

खज्जियार पर्यटन स्थल को ऐसे ही नहीं कहा जाता है 'भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड'

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित खज्जियार एक छोटा लेकिन अत्यंत मनमोहक पर्यटन स्थल है, जिसे अक्सर भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है। समुद्र तल से लगभग 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान देवदार और चीड़ के घने जंगलों, हरे-भरे घास के मैदानों और एक सुंदर झील के लिए प्रसिद्ध है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे पर्यटकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाते हैं।

खज्जियार का सौंदर्य

खज्जियार एक गोलाकार हरे मैदान के रूप में फैला हुआ है, जिसके बीचों-बीच एक झील स्थित है। चारों ओर ऊँचे-ऊँचे पेड़ और दूर तक फैले पहाड़ इसकी शोभा को और भी बढ़ाते हैं। यहाँ का वातावरण इतना शांत और स्वच्छ होता है कि यहाँ आकर हर व्यक्ति खुद को प्रकृति के और करीब महसूस करता है।

क्यों कहा जाता है फ्भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंडफ्?

1992 में स्विट्ज़रलैंड के राजदूत विल्ली ब्लेज़र ने खज्जियार की प्राकृतिक समानता को देखते हुए इसे फ्मिनी स्विट्ज़रलैंडफ् की उपाधि दी थी। उन्होंने यहाँ एक पत्थर भी स्थापित किया जो यह दर्शाता है कि खज्जियार स्विट्ज़रलैंड से कितनी दूरी पर स्थित है।

खज्जियार में करने योग्य गतिविधियाँ

- प्राकृतिक दृश्यावली की फोटोग्राफी
- खुले मैदानों में पिकनिक और परिवार के साथ समय बिताना
- एडवेंचर खेलों का आनंद लेना
- मंदिरों और सांस्कृतिक स्थलों की यात्रा
- आसपास के ट्रेकिंग मार्गों की खोज

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून – गर्मियों में सुहावने मौसम और हरियाली का आनंद लेने के लिए।

सितंबर से नवंबर – साफ आसमान और शांत वातावरण के लिए।

दिसंबर से फरवरी – बर्फबारी देखने और ठंड का आनंद लेने वालों के लिए आदर्श समय।

कैसे पहुँचे?

निकटतम शहर- डलहौज़ी (लगभग 22 किमी)

रेल मार्ग- पठानकोट रेलवे स्टेशन, जहाँ से टैक्सी या बस द्वारा खज्जियार पहुँचा जा सकता है।

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा गग्गल (कांगड़ा) है, जो लगभग 120 किमी दूर है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी, चंबा और धर्मशाला से बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं। खज्जियार उन यात्रियों के लिए स्वर्ग समान है जो प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताना चाहते हैं। यहाँ की शांत वादियाँ, हरे मैदान और पवित्र स्थल आत्मा को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। चाहे आप फोटोग्राफी के शौकीन हों, रोमांच के प्रेमी हों या शांति की तलाश में हों — खज्जियार हर किसी के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

प्रमुख आकर्षण

1. खज्जियार झील

खज्जियार के केंद्र में स्थित यह छोटी सी झील यहाँ का प्रमुख आकर्षण है। झील के चारों ओर फैला मैदान पिकनिक, फोटोग्राफी और शांत समय बिताने के लिए आदर्श स्थान है।

2. खज्जी नाग मंदिर

यह प्राचीन मंदिर 12वीं शताब्दी में निर्मित हुआ था और भगवान खज्जी नाग को समर्पित है। यह मंदिर लकड़ी की नक्काशी और पौराणिक कथाओं से जुड़ी मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है।

3. एडवेंचर स्पोर्ट्स

खज्जियार में पैराग्लाइडिंग, ज़ोरबिंग , घुड़सवारी और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियाँ भी की जा सकती हैं, जो रोमांच प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

4. खज्जियार वन्यजीव अभयारण्य

प्राकृतिक प्रेमियों के लिए यह अभयारण्य एक शांत और सुरम्य स्थल है जहाँ वन्य जीवों और पक्षियों को नजदीक से देखा जा सकता है।

सिर्फ 15 मिनट में घर पर बनाएं स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर

अगर आपको चिली पनीर बहुत पसंद है और आप सोचते हैं कि इसे सिर्फ होटल या रेस्टोरेंट में ही खाया जा सकता है तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सिर्फ 15 मिनट में स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर घर पर बना सकते हैं। यह रेसिपी झटपट बन जाती है और स्वाद में बिल्कुल बाजार जैसी लगती है।

चिली पनीर बनाने के लिए सामग्री

पनीर – 200 ग्राम (क्यूब्स में कटा हुआ)

शिमला मिर्च – 1 (लंबी स्लाइस में कटी हुई, हरी/लाल/पीली कोई भी)

प्याज – 1 (पेटल्स में कटी हुई)

हरी मिर्च – 2 (लंबाई में कटी हुई)

लहसुन – 5-6 कलियां (बारीक कटा हुआ)

अदरक – 1 छोटा टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ)

तले जाने के लिए

कॉर्नफ्लोर – 2 बड़े चम्मच

मैदा – 2 बड़े चम्मच

नमक – स्वाद अनुसार

काली मिर्च – ड्ड छोटा चम्मच

पानी – थोड़ा सा (घोल बनाने के लिए)

तेल – तलने के लिए

सॉस के लिए :

सोया सॉस – 1 बड़ा चम्मच

टमाटो सॉस – 2 बड़े चम्मच

रेड चिली सॉस – 1 बड़ा चम्मच

सिरका – 1 छोटा चम्मच

शक्कर – ड्ड छोटा चम्मच (वैकल्पिक)

नमक – स्वाद अनुसार

चिली पनीर बनाने की विधि

1. एक बाउल में कॉर्नफ्लोर, मैदा, नमक, और काली मिर्च डालें। थोड़ा पानी मिलाकर एक गाढ़ा घोल तैयार करें। पनीर क्यूब्स को इस घोल में अच्छे से डुबोएं।

2. कढ़ाई में तेल गरम करें और पनीर के टुकड़ों को सुनहरा होने तक तलें। फ्राई किए हुए पनीर को एक पेपर टॉवल पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए।

3. एक कढ़ाई में 1 बड़ा चम्मच तेल डालें। उसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालें। 1 मिनट तक भूनें। अब प्याज और शिमला मिर्च डालें और तेज़ आंच पर 2-3 मिनट भूनें। (सब्जियां क्रंची रखें)

4. अब इसमें सोया सॉस, टमाटो सॉस, रेड चिली सॉस, सिरका और थोड़ी सी शक्कर डालें। स्वाद अनुसार नमक डालें और सब कुछ अच्छे से मिक्स करें। 2 चम्मच पानी मिलाएं ताकि हल्की ग्रेवी बने।

5. अब फ्राई किया हुआ पनीर इसमें डालें और अच्छे से मिक्स करें। 1-2 मिनट तक तेज आंच पर पकाएं ताकि सॉस अच्छे से पनीर पर कोट हो जाए। इस चिली पनीर को आप हॉट सर्व करें।

हैदराबाद में बारिश के बाद इन जगहों को देखकर हो जाएंगे खुश, जन्नत में आने का होगा एहसास

अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

आजकल के सोशल मीडिया के दौर में लोगों को घूमने के साथ ही अच्छी-अच्छी वीडियो और तस्वीरें बनाने का शौक होता है। इसी वजह से लोग ऐसी जगहों की तलाश करते हैं, जहां का नजारा काफी अच्छा हो और वह उनकी वीडियो या तस्वीर में चार चांद लगा सकें। वहीं बारिश के बाद लोगों को घूमना अधिक पसंद होता है, क्योंकि इस दौरान मौसम ठंडा और सुकूनदायक हो जाता है। ऐसे में अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

गोलकोंडा किला

बारिश के बाद हैदराबाद की असली खूबसूरती को देखने के लिए आप गोलाकोंडा किला जा सकते हैं। यह हैदराबाद में पर्यटकों द्वारा सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली जगह है। यहां पर आपको हमेशा पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन जब आप बारिश के समय यहां पर आएंगे, तो आपको ज्यादा लोग नहीं मिलेंगे। साथ ही आपको इस दौरान यहां पर खूबसूरत नजारों के साथ वीडियो बनाने के मौका मिलेगा। कपल्स और बच्चों के लिए भी यह एक अच्छी जगह है।

हुसैन सागर झील

यहां का साफ मौसम पर्यटकों को हमेशा से अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन बारिश के मौसम में यहां पर नजारा देखने लायक होता है। जब हुसैन सागर झील में जब पानी की बूंदे गिरती हैं, तो यह अधिक खूबसूरत लगता है। वहीं बारिश के बाद यहां का मौसम बहुत ठंडा हो जाता है। इसलिए अगर आप हैदराबाद घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको हुसैन सागर झील को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

मौला अली हिल

हैदराबाद में मौला अली हिल बारिश के मौसम में काफी खूबसूरत हो जाता है। यहां से आपको पूरे हैदराबाद का नजारा बेहद हसीन दिखता है। वहीं सबसे अच्छी बात यह है कि आपको यहां पर ज्यादा भीड़ नहीं मिलेगी।

भारत की विरासत को करीब से देखने के लिए जरूर घूमें बिहार की ये जगहें, टूरिस्ट की नहीं मिलेगी भीड़

अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं।

जब भी भारत में विरासत की बात की जाती है, तो सबसे पहले राजस्थान के किले और दिल्ली के फेमस स्मारकों की चर्चा सबसे ज्यादा होती है। लेकिन इन सबके बीच बिहार लोगों के दिमाग से निकल जाता है। अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिहार के उन विरासत स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में काफी कम लोग जानते हैं।

तेलहरा

तेलहरा बिहार में नालंदा जिले के एकंगरसराय प्रखंड का गांव है। यह प्राचीन भारत में एक बौद्ध मठ का स्थल हुआ करता था, जोकि पहली शताब्दी ईस्वी पूर्व का है। लेकिन इस जगह के बारे में भी बहुत कम लोगों को जानकारी है। भारत के इतिहास से जुड़ी कई चीजों को खोजने के लिए इस स्थान पर खुदाई चल रही है, ऐसे में आप भी यहां पर जा सकते हैं। इसके साथ ही बौद्ध मठ स्थल जाना न भूलें। यहां पर ध्यान कक्ष और प्रार्थना कक्ष में आपको काफी शांति मिलेगी।

रोहतासगढ़ किला

रोहतास जिले में एक पहाड़ी की चोटी पर रोहतासगढ़ किला स्थित है। यह किला काफी प्राचीन है, जिस कारण इसको भूतिया भी कहा जाता है। रोहतासगढ़ किले का निर्माण शेरशाह शूरी ने कराया था। यह बेहद विशाल किला है और रहस्यमय चीजों से भरा हुआ है। हालांकि इस किले तक पहुंचने के लिए आपको थोड़ी मेहनत जरूर करनी पड़ेगी। इस किले तक पहुंचने वाली चढ़ाई आपको थका देगी। जिन लोगों को घूमने-फिरने और एडवेंचर का शौक है, उनके लिए यह जगह परफेक्ट है। आपको यहां पर अकेले जाने की सलाह नहीं दी जाती है, क्योंकि स्थानीय लोग यहां पर भूत-प्रेत होने का दावा करते हैं।

केसरिया स्तूप

बिहार में मौजूद केसरिया स्तूप के बारे में काफी कम लोग जानते हैं। यह स्तूप 10 मंजिला अपार्टमेंट बिल्डिंग से भी ज्यादा ऊंचा है। 104 फीट ऊंचे इस स्तूप को दुनिया के सबसे बड़े बौद्ध स्तूपों में से एक है। अगर आप भारत के विरासत स्थलों को देखने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको यहां पर जरूर आना चाहिए। यहां पर आपको भीड़ भी नहीं मिलेगी, लेकिन आपको यहां पर गहरी आध्यात्मिक शांति जरूर मिलेगी, जोकि अन्य फेमस स्थानों पर नहीं मिल सकती है।

विक्रमशिला

बता दें कि विक्रमशिला महाविहार भारत का एक फेमस शिक्षा-केंद्र था। यह प्राचीन भारत के शीर्ष बौद्ध विश्वविद्यालयों में से एक था। हालांकि अब यह विश्वविद्यालय सिर्फ एक खंडहर के रूप में दिखाई देता है। वहीं कुछ समय पहले पीएम मोदी ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के उद्धार की बात की थी। ऐसे में अगर आप प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय देखने के इच्छुक हैं, तो आप यहां पर आ सकते हैं।

टेक्नालॉजी व टूल्स में निवेश के बावजूद नए वाहनों के बाजार में आने में हो रही देरी

उद्योग में वाहन लॉन्चिंग औसतन 9 से 15 महीने पीछे

नई दिल्ली।

डिजिटल इंजीनियरिंग और वाहन विकास के टूल्स में पर्याप्त निवेश के बावजूद देश के वाहन विनिर्माताओं को नए वाहनों को बाजार में उतारने में देर का सामना करना पड़ रहा है। वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप के श्वेत पत्र के मुताबिक पूरे उद्योग में वाहन लॉन्चिंग औसतन 9 से 15 महीने पीछे टल रही है। ज्यादा जटिल कार्यक्रमों में तो 18 से 24 महीने तक की देर हो रही है। अध्ययन में पाया गया कि आधुनिक डिजिटल उपकरणों और प्रक्रियाओं को अपनाने के बावजूद हर प्रमुख वाहन विनिर्माता ने वाहन पेश करने में देर का अनुभव किया है। वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप के प्रबंध साझेदार रवींद्र पातकी ने कहा कि यह चुनौती वाहन क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनियों के बीच और भी गंभीर लगती है, जहां कार्यक्रम में देरी अक्सर लंबी होती है। इसके कई कारण हैं, जैसे संसाधन जुटाना, प्रौद्योगिकी में देरी और वित्तीय बाधाएं वगैरह। श्वेत पत्र में तर्क दिया गया है कि वाहन विकास में देर उनके दिखने से बहुत पहले ही शुरू हो जाती है। जहां ज्यादातर कंपनियां भौतिक निर्माण में समस्याओं को सुलझाने पर ध्यान देती हैं, वहीं पूरे कार्यक्रम में होने वाली देर का 34 से 47 फीसदी हिस्सा टूलिंग और प्रायोगिक शुरुआत के बाद ही पता चल पाता है। शोध से पता चलता है कि इनमें से ज्यादातर समस्याएं डिजाइन के चरण में ही पैदा होती हैं। इस चरण में फिटमेंट, विनिर्माण और सर्विसिंग से जुड़ी समस्याओं की पहचान करके उन्हें महीनों के बजाय कुछ ही घंटों में और बहुत कम लागत पर सुलझाया जा सकता है। अध्ययन में पाया गया कि 39 फीसदी कार्यक्रम उत्पादन शुरू होने की स्थिति में पहुंच जाते हैं लेकिन उनमें फिर भी फिटमेंट, सर्विसिंग या गुणवत्ता से जुड़ी समस्याएं बरकरार रहती हैं।

अग्रिम कर भुगतान और मुद्रा की ज्यादा निकासी से बैंक में नकदी की कमी

नई दिल्ली।

बैंकिंग व्यवस्था में नकदी घाटे में चली गई है। इसके पहले 3 महीने अधिशेष की स्थिति थी। यह स्थिति मुख्य रूप से अग्रिम कर भुगतान और मुद्रा की ज्यादा निकासी के कारण हुई है। भारतीय रिज़र्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को शुद्ध नकदी की स्थिति 19,971 करोड़ रुपए घाटे में रही। 22 मार्च के बाद पहली बार ऐसी स्थिति आई है। इसकी वजह से मंगलवार को मौद्रिक नीतिक के लिए परिचालन लक्ष्य, भारित औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) बढ़कर 5.38 फीसदी हो गई, जबकि सोमवार को यह 5.33 फीसदी थी। नकदी की तंगी खत्म करने के लिए रिजर्व बैंक ने 7 दिन के वैरिएबल रेट रीपो (वीआरआर) नीलामी के माध्यम से मंगलवार को बैंकिंग व्यवस्था में 1.41 लाख करोड़ रुपए डाले हैं। वीआरआर नीलामी में बैंकों को बाजार द्वारा तय दरों पर सरकारी प्रतिभूतियों के बदले धन उधार लेने की अनुमति मिलती है। इससे केंद्रीय बैंक को कम अवधि के हिसाब से वित्तीय व्यवस्था में नकदी के प्रबंधन में मदद मिलती है।बाजार सहभागियों ने कहा कि नकदी की तंगी काफी हद तक तिमाही के अंत में अग्रिम कर भुगतान के कारण थी, जिससे सरकार के कैश बैलेंस में तेज वृद्धि हुई और बैंकिंग प्रणाली से धन की निकासी हुई।

भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए 15 जुलाई से होगा लागू, सस्ती होंगी कारें

नई दिल्ली ।

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का असर अब ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी दिखाई देने लगा है। समझौते के अंतर्गत ब्रिटेन से भारत आयात की जाने वाली कुछ प्रीमियम और लक्ज़री कारों पर लगने वाले शुल्क में राहत मिलने की संभावना है, जिसके चलते कई लोकप्रिय मॉडलों की कीमतों में कमी आ सकती है।जानकारी के अनुसार, इस नई व्यवस्था को 15 जुलाई से लागू किया जा सकता है। वर्तमान में विदेशों से आयात की जाने वाली लक्ज़री कारों पर भारत में भारी आयात शुल्क लगाया जाता है, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में काफी महंगी हो जाती हैं। नए समझौते के बाद इस शुल्क में कमी आने से कार निर्माताओं की लागत घटेगी, जिसका सीधा लाभ ग्राहकों को मिलने की उम्मीद है। हालांकि प्रत्येक मॉडल पर कीमत में समान कमी नहीं होगी, लेकिन कई गाड़ियों के मूल्य में लाखों रुपये तक का अंतर आने की संभावना जताई जा रही है। ऑटोमोबाइल उद्योग से जुड़े जानकारों का मानना है कि शुल्क में राहत मिलने के बाद कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में संशोधन करेंगी, जिससे लक्ज़री वाहन बाजार में नई प्रतिस्पर्धा पैदा होगी और ग्राहकों को अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 37 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.37 पर बंद हुआ।

वहीं गत दिवस रुपया 94.74 पर बंद हुआ था। आज सुबह रुपया 94.90 पर खुला, जो मंगलवार के 94.74 रुपये के बंद भाव से 16 पैसे कमज़ोर हुआ। अमेरिक फेडरल रिजर्व के रेट बढ़ाने की उम्मीदों से डॉलर एक साल से ज़्यादा समय में अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कम कीमतों और भारतीय रिजर्व बैंक के उपायों से भी रुपये को समर्थन मिला।

दो लाख डाउन पेमेंट पर स्कोडा काइलाक ऑटोमैटिक

नई दिल्ली ।

कार निर्माता कंपनी स्कोडा की ओर से काइलाक का क्लासिक एटी वेरिएंट ऑटोमैटिक विकल्प के रूप में ऑफर किया गया है। अगर आप स्कोडा काइलाक के ऑटोमैटिक वेरिएंट को दो लाख रुपये का डाउन पेमेंट करके खरीदते हैं, तो आपको लगभग 8.30 लाख रुपये की राशि बैंक से फाइनेंस करवानी होगी। इस एसयूवी की एक्स-शोरूम कीमत 9.25 लाख रुपये है। दिल्ली में इसे खरीदने पर लगभग 65 हजार रुपये आरटीओ और करीब 40 हजार रुपये इंश्योरेंस के देने होंगे, जिसके बाद गाड़ी की दिल्ली में ऑन-रोड कीमत 10.30 लाख रुपये हो जाती है। यदि बैंक नौ फीसदी वार्षिक ब्याज दर के साथ सात साल के लिए यह लोन देता है, तो आपको हर महीने सिर्फ 13,355 रुपये की मासिक किस्त (ईएमआई) देनी होगी। इस गणना के अनुसार, सात साल की अवधि में आप स्कोडा काइलाक के ऑटोमैटिक वेरिएंट के लिए लगभग 2.91 लाख रुपये बतौर ब्याज चुकाएंगे। इस तरह, आपकी गाड़ी की कुल लागत (एक्स-शोरूम कीमत, ऑन-रोड शुल्क और ब्याज मिलाकर) लगभग 13.21 लाख रुपये हो जाएगी।

बारिश पर अल नीनो के संभावित खतरे से कंपनियों में बढ़ी बेचैनी

केयर उत्पाद, पैकेटबंद स्नैक्स, पेय पदार्थों की बिक्री पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली।

मॉनसून की बारिश पर अल नीनो के संभावित असर की चिंता से कंपनियों में बेचैनी बढ़ गई है। उद्योग के अधिकारियों और अर्थशास्त्रियों का कहना है कि आने वाले महीनों में ग्रामीण इलाकों में कम आय और लोगों के खर्च करने की क्षमता प्रभावित होने से कंपनियों की कमाई पर बुरा असर पड़ सकता है। ट्रैक्टर और प्रवेश स्तर के दोपहिया बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि भले ही चालू वित्त वर्ष के शुरुआती महीनों में बिक्री में जबरदस्त तेजी आई थी लेकिन साल के आखिर तक उन्हें मामूली वृद्धि से ही संतोष करना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियां चिंता में हैं क्योंकि प्रीमियम पर्सनल केयर उत्पाद, पैकेटबंद स्नैक्स, पेय पदार्थों आदि की बिक्री प्रभावित हो सकती है। हालांकि बिस्किट विनिर्माता पारले प्रोडक्ट्स को उम्मीद है कि खाद्य पदार्थों की बिक्री पर खास असर नहीं पड़ेगा क्योंकि ये जरुरी वस्तुएं हैं। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि गंभीर अल नीनो के कारण कृषि उत्पादन की वृद्धि में 1.5 से 2 फीसदी तक की कमी आ सकती है और जीडीपी की वृद्धि दर में 35 आधार अंक की कमी आ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी अनाज बफर स्टॉक से राहत मिलने की संभावना है, लेकिन ग्रामीण उपभोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।बजाज ऑटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि जब भी मॉनसून कमजोर होता है प्रवेश स्तर के दोपहिया की मांग सुस्त हो जाती है। यह अवलोकन रेटिंग एजेंसियों के इस विचार के अनुरूप है कि जब कृषि आय पर दबाव पड़ता है तो निम्न-आय वाले ग्रामीण उपभोक्ता गैर-जरूरी खरीदारी को टाल देते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 790, निफ्टी 197 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 790.54 अंक की तेजी के साथ 76,991.22 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 197.56 अंक बढ़कर 24,021.65 पर बंद हुआ। इससे निवेशकों को करीब दो लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ।

बाजार की इस तेजी का कारण वित्तीय और आईटी सेक्टर के शेयरों में तेजी के साथ ही दुनिया भर से मिले अच्छे संकेत हैं । आज कारोबार के दौरान आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और ट्रेंट जैसे बड़े स्टॉक्स में तेजी रही।

सेक्टोरल आधार पर आईटी, फार्मा और प्राइवेट बैंकों के शेयरों से बाजार को बढ़त मिली। वहीं मेटल, ऑटो और मीडिया सेक्टर के शेयरों के नीचे आने से बाजार पर दबाव आया हालांकि व्यापक सूचकांकों में मिला-जुला रुख दिखा।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह कारोबार शुरु होते ही आईटी और फार्मा शेयरों में खरीदारी से भी बाजार उछला। सेंसेक्स 200.34 अंक बढ़कर 76,401.02 के स्तर पर जबकि निफ्टी 38.65 अंक उछलकर 23,862.75 पर पहुंच गया। आज डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज, टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे अधिक उछले। दूसरी ओर व्यापक बाजार में मिश्रित रुख दिखा। निफ्टी मिडकैप 0.04 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.12 फीसदी नीचे आये। वहीं सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी आईटी में करीब 1 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी ओर निफ्टी मेटल, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी ऑटो इंडेक्स में गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और बातचीत की संभावना बनने से एशियाई बाजार ऊपर आया है।

एआई उन लोगों को और बेहतर बनाएगा जो उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हैं नीलेकणी

एआई, जनरेटिव एआई और एजेंटिक एआई से उत्पादकता में आया सुधार

नई दिल्ली।

इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणी ने कहा है कि इन्फोसिस जैसी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनियों की प्रासंगिकता उनके ग्राहकों के लिए एआई को अपनाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने में निहित है, जो नई तकनीक में निवेश और उससे मिलने वाले रिटर्न के बीच की खाई को पाटती है। एआई, जनरेटिव एआई और एजेंटिक एआई से उत्पादकता में सुधार आया है। इनसे कई क्षेत्रों में कर्मचारियों की दक्षता बढ़ रही है और ये प्रक्रियाओं को कम करके सॉफ्टवेयर विकास के जीवनचक्र को बढ़ा रही हैं। हालांकि प्रबंधन में बदलाव और बिखरे हुए डेटा जैसी समस्याओं के कारण कंपनियों में इसे लागू करना और अपनाना उम्मीद से ज्यादा मुश्किल है।

नीलेकणी ने कंपनी की 45वीं सालाना आम बैठक में कहा कि हमारे बड़े उद्यम ग्राहकों में एआई अपनाने के संबंध में अंतर वास्तविक है और यही अंतर कम करने पर काम की जरूरत है।

एआई हमारी जैसी कंपनियों की जगह नहीं लेगी।

यह उन लोगों को और बेहतर बनाएगा जो उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हैं और तेजी से बदलावों को अपनाते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि कंपनियां बेहतरीन कोडिंग टूल अपना रही हैं और उत्पाद को बढ़ा रही हैं, लेकिन सॉफ्टवेयर विकास के जीवनचक्रम में अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

कनाडा की निवेश कंपनी फेयरफैक्स ने खरीदे करीब 1 अरब डॉलर के बॉन्ड

नई दिल्ली।

कनाडा की निवेश कंपनी फेयरफैक्स इंडिया होल्डिंग कॉर्प ने पिछले शुक्रवार को भारतीय सरकारी बॉन्ड में करीब 1 अरब डॉलर का निवेश किया। सूत्रों का कहना है कि कंपनी भारत में पैसा ला रही है और इसका संबंध आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी खरीदने की संभावित योजना से हो सकता है। फेयरफैक्स उन कंपनियों में शामिल है जिन्होंने आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी खरीदने में रुचि दिखाई थी। हालांकि यह प्रक्रिया अटकी हुई है क्योंकि खरीदारों और सरकार के बीच कीमत को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। सूत्रों का कहना है कि इस सौदे को दोबारा आगे बढ़ाने पर बातचीत चल रही है, लेकिन अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है। हाल ही में सरकार ने विदेशी निवेशकों को सरकारी बॉन्ड पर कैपिटल गेन टैक्स से छूट देने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि इसी वजह से फेयरफैक्स के लिए यह निवेश ज्यादा आकर्षक हो गया। सूत्रों के मुताबिक कंपनी ने सबसे ज्यादा पैसा 2029 में मैच्योर होने वाले सरकारी बॉन्ड में लगाया है। इसके अलावा उसने कुछ अन्य सरकारी बॉन्ड और ट्रेजरी बिल भी खरीदे हैं। बाजार से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि फेयरफैक्स आमतौर पर भारतीय बॉन्ड बाजार में बहुत सक्रिय नहीं रहती।

मॉनसून में देरी चिंताजनक, सीआईआई अध्यक्ष ने 8-10 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य रखे

राज्य अभी से तैयारी शुरु कर दें

नई दिल्ली ।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर. मुकुंदन ने देश में मॉनसून की धीमी गति पर गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय पर जरूरी कदम नहीं उठाए,तब इसका सबसे बड़ा असर किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था बुरा हो सकता है। मुकुंदन ने राज्यों से अपील की है कि वे संभावित सूखे जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए अभी से तैयारी शुरू करें और किसानों के लिए विशेष सहायता व प्रोत्साहन योजनाएं बनाए। मुकुंदन ने कहा कि भारत को मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अपनी आर्थिक विकास दर बनाए रखनी होगी। उन्होंने बताया कि दुनिया वर्तमान में भू-राजनीतिक तनाव, रक्षा संबंधी अनिश्चितताओं और तकनीकी बदलावों जैसे तीन बड़े संकटों से गुजर रही है। इसके बाद मोदी सरकार और उद्योग जगत को मिलकर व्यापक सुधारों पर काम करना चाहिए ताकि देश भविष्य की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सके। मुकुंदन ने कहा कि भारत को केवल 6.5 प्रतिशत की विकास दर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि 8 से 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए।उन्होंने बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, भूमि और श्रम जैसे क्षेत्रों में व्यापक सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया। मुकुंदन ने माना कि सड़कों और रेल नेटवर्क में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन विभिन्न परिवहन माध्यमों के बीच बेहतर समन्वय और मल्टी-मोडल ढांचे को मजबूत करने की जरूरत बनी हुई है। बिजली क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ने के बावजूद वितरण, भंडारण और पारेषण से जुड़ी चुनौतियां मौजूद हैं।

ऑनलाइन खरीदे गए खाद्य उत्पादों पर एक्सपायरी डेट गायब

एफएसएसएआई ने कहा हमारी जिम्मेदारी नहीं

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिकने वाले पैकेटबंद खाद्य और पेय पदार्थों से एक्सपायरी डेट के गायब होने की बढ़ती शिकायतों के बीच, भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने स्पष्ट किया है कि ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ऐसी जानकारी प्रदर्शित करने के नियम उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीसीए) के दायरे में आते हैं।

एफएसएसएआई ने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य विवरण का प्रदर्शन लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के तहत आता है। एफएसएसएआई ने कहा कि मामले को उपभोक्ता मामलों के विभाग के समक्ष उठाया जाना चाहिए, क्योंकि इन नियमों की जिम्मेदारी उन्हीं की है।

यह मुद्दा तब सामने आया है जब सोशल मीडिया पर उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं ।

कि ऑनलाइन खरीदे गए पैकेज्ड खाद्य उत्पादों पर शेल्फ लाइफ और एक्सपायरी से जुड़ी जानकारी अक्सर उपलब्ध नहीं होती। लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) संशोधन नियम, 2017 के अनुसार, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के लिए डिजिटल बिक्री के समय पैकेज्ड उत्पादों की बेस्ट बिफोर या यूज़ बाय तारीख को दिखाना अनिवार्य है।लोकलसर्किल्स द्वारा हुए हालिया सर्वे से पता चला है ।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से मिली राहत भारतीय रुपये को मिली ताकत

आरबीआई का जोर विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में आई हालिया गिरावट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा बूस्ट दिया है।

अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की शुरुआत ने वैश्विक बाजार में सकारात्मक संकेत दिए हैं, जिससे ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम मई के उच्च स्तर से 30 प्रतिशत से अधिक गिरकर करीब 78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। पूर्व में, संघर्ष के कारण ऊंची तेल कीमतों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर काफी दबाव डाला था, इसके परिणामस्वरूप मार्च से मई के बीच रुपया 5 प्रतिशत से अधिक कमजोर हुआ था। हालांकि, तेल की कीमतों में गिरावट के बाद रुपये की स्थिति में सुधार हुआ है, और रुपये ने मई के निचले स्तर की तुलना में लगभग 1 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है।बाजार विश्लेषकों का मानना है कि रुपये की यह बढ़त सीमित रहने के आसार हैं क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने के लिए बाजार में हस्तक्षेप कर रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में, केंद्रीय बैंक ने हाजिर बाजार में शुद्ध 53.13 अरब डॉलर ब्रिक किए थे, और चालू वित्तीय वर्ष में भी यह प्रक्रिया जारी रहने की संभावना है।

केंद्र सरकार और आरबीआई दोनों ने पूंजी प्रवाह को बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रहे है, जिनमें बाह्य वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) के लिए प्रोत्साहन और प्रवासी भारतीयों से विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर-बी) जमा के माध्यम से धन जुटाना शामिल है। बैंक एफसीएनआर-बी के लिए आक्रामक रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, और कुछ अनुमानों के अनुसार, इन जमाओं से 100 अरब डॉलर तक का प्रवाह आकर्षित हो सकता है।कुछ बाजार प्रतिभागियों को उम्मीद है कि आरबीआई तरलता को नियंत्रित करने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) बढ़ा सकता है। केंद्रीय बैंक ने बैंकों से इसतरह के जमा और रियायती योजना के तहत जुटाए गए ईसीबी पर दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। हालांकि, जैसे-जैसे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आती है और पूंजी प्रवाह में संभावित वृद्धि होती है, रुपये को मजबूत होने देने की मांग उठ सकती है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आरबीआई को ऐसी मांगों का विरोध करना चाहिए, क्योंकि अधिकांश पूंजी प्रवाह ऋण के रूप में होगी, जिन्हें मध्यम अवधि में विदेशी मुद्रा में चुकाना होगा।

सिर्फ ट्रक नहीं अब लॉजिस्टिक्स साम्राज्य बना रही टाटा मोटर्स

रिकॉर्ड कमाई के पीछे क्या है नया गेम प्लान?

मुंबई।

टाटा मोटर्स का वाणिज्यिक वाहन कारोबार अब खुद को सिर्फ पारंपरिक ट्रक निर्माता के बजाय एक बड़े लॉजिस्टिक्स और परिवहन प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित कर रहा है। कंपनी का प्रबंधन डिजिटल, अंतरराष्ट्रीय और सेवा कारोबारों में तेज बढ़ोतरी पर जोर दे रहा है, ताकि वाहनों की मांग में होने वाले उतार-चढ़ाव पर निर्भरता कम हो सके। यह महत्वाकांक्षी रणनीति उस सामने आई है जब कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 में अपना अब तक का सबसे बेहतरीन वित्तीय प्रदर्शन करके दिखाया है, जिसमें समूची बाजार हिस्सेदारी में गिरावट के बावजूद रिकॉर्ड नकदी प्रवाह, मुनाफा और शुद्ध नकदी की स्थिति बेहतर हुई है। निवेशक दिवस 2026 पर अपनी रणनीति पेश कर टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स ने बताया कि गैर-चक्रीय कारोबार तेजी से विकास के लिए महत्वपूर्ण जरिया बन रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 में कुल राजस्व में इनकी हिस्सेदारी भले ही 16 प्रतिशत थी (जबकि मुख्य वाणिज्यिक वाहनों के कारोबार की हिस्सेदारी 84 प्रतिशत थी), लेकिन इन क्षेत्रों में 18 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। इसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म, अंतरराष्ट्रीय परिचालन, रक्षा और परिवहन सेवाएं शामिल हैं। यह वृद्धि वाहनों की थोक बिक्री की 11 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले काफी तेज थी, जो नए गेम प्लान की सफलता को दिखाता है।वित्तीय मोर्चे पर, कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 2026 में 77,399 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया है। इस दौरान, एबिटा मार्जिन वित्त वर्ष 2025 के 12 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 13.2 प्रतिशत हुआ है। कंपनी ने 9,186 करोड़ का मुक्त नकदी प्रवाह (जो राजस्व के करीब 12 प्रतिशत के बराबर है) और 7,500 करोड़ रुपये की शुद्ध नकदी हासिल की। लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल 72 प्रतिशत के प्रभावशाली स्तर पर पहुंच गया, जो कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति और कुशल पूंजी प्रबंधन को उजागर करता है।प्रबंधन ने कारोबारी मॉडल में आए बड़े बदलाव पर जोर दिया। टाटा मोटर्स अब डीलरों के यहां स्टॉक भरने पर आधारित आपूर्ति-धक्का मॉडल से हटकर खुदरा बाजार के आंकड़ों पर आधारित मांग-खींच तरीके की दिशा में बढ़ गई है। कंपनी मूल्य-आधारित कीमतों, मॉडल मिश्रण को बेहतर बनाने और नकदी सृजित करने पर भी खासा जोर दे रही है।

उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद बोले रोनाल्डो- वी आर बैक...

हुआस्टन, एजेंसी। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ मिली जीत के बाद 'वी आर बैक', यानी हम वापस आ गए कहा। रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप के इस मैच में दमदार प्रदर्शन किया और दो गोल किए जिससे पुर्तगाल ने ग्रुप के मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 5-0 से करारी मात दी। इस जीत के साथ ही पुर्तगाल ने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है।

मैच में चमके रोनाल्डो

रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, जिसका दबाव उन पर दिख रहा था। रोनाल्डो ने इस मैच में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने पहले छठे मिनट में गोल किया और फिर पहला हाफ खत्म होने से 39वें मिनट में दूसरा गोल दागा। रोनाल्डो इन दो गोल की मदद से पुर्तगाल के लिए विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इतना ही नहीं रोनाल्डो छह अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

जीत के बाद गदगद हुए रोनाल्डो

उज्बेकिस्तान के खिलाफ जैसे ही पुर्तगाल ने जीत दर्ज की, रोनाल्डो खुशी से झूम उठे। रोनाल्डो दर्शक दीर्घा के पास जाकर कुछ बोलते सुनाई दिए। उन्होंने बाद में इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाल लिखा, 'वी आर बैक।' फोटो में वह अपनी सिग्नेचर स्टाइल में खड़े नजर आए। रोनाल्डो और पुर्तगाल के लिए यह जीत काफी अहम है क्योंकि टीम के लिए फीफा विश्व कप की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था, लेकिन उज्बेकिस्तान के खिलाफ पुर्तगाल पूरे दम में नजर आई और एकतरफा अंदाज में मैच जीता।

पुर्तगाल ने नॉकआउट की ओर बढ़ाए कदम

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराया। पुर्तगाल ने पिछले मैच में ड्रॉ खेला था, लेकिन टीम इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही। टीम के लिए रोनाल्डो ने दमदार प्रदर्शन किया। रोनाल्डो ने मैच के बाद 'आई एम बैक', यानी मैं वापस आ गया हूं कहा। रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, लेकिन इस मैच में दमदार प्रदर्शन करने में सफल रहे। उज्बेकिस्तान की टीम का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया।

पुर्तगाल के लिए रोनाल्डो के अलावा नूनो मेंडेस और राफेल लियाओ ने एक-एक गोल किए। वहीं, उज्बेकिस्तान के नेमातोव ने आत्मघाती गोल किया।इसके साथ ही पुर्तगाल ग्रुप के में चार अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और उसने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है। पुर्तगाल के दो मैचों में एक जीत और एक ड्रा से चार अंक हो गए हैं। दूसरे स्थान पर कोलंबिया है जो एक मैच में एक जीत के साथ तीन अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। कोंगो डीआर एक अंक के साथ तीसरे और उज्बेकिस्तान दो मैच में दो हार के साथ चौथे स्थान पर है।

उज्बेक खिलाड़ी ने किया आत्मघाती गोल

दूसरे हाफ में उज्बेकिस्तान के अब्दुखोदिर खुसानोव ने आत्मघाती गोल किया जिससे पुर्तगाल 4-0 की बढ़त बनाने में सफल रहा। दरअसल, पुर्तगाल के ब्रूनो फर्नांडेस ने कॉर्नर पर किक मारा और गोल पोस्ट के पास खड़े खुसानोव के कंधे से लगते ही गेंद गोल पोस्ट को पार कर गई। इसके बाद पुर्तगाल ने पांचवां गोल कर उज्बेकिस्तान के खिलाफ बढ़त को बेहद मजबूत कर लिया। पुर्तगाल के लिए पांचवां गोल राफेल लियाओ ने 87वें मिनट में किया। उज्बेकिस्तान की टीम अंत तक मैच में एक भी गोल नहीं कर सकी।

लियोनल मेसी: 39 के हुए फुटबॉल के जादूगर!

संन्यास लिया...वापसी की और फिर दुनिया जीत ली

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फुटबॉल की दुनिया में महानतम खिलाड़ी को लेकर बहस कभी खत्म नहीं होती, लेकिन जब आंकड़ों, उपलब्धियों और मैदान पर जादू की बात आती है तो लियोनल मेसी का नाम सबसे आगे दिखाई देता है। 24 जून 1987 को अर्जेंटीना के रोसारियो शहर में जन्मे मेसी आज 39 साल के हो गए हैं। उनका यह जन्मदिन इसलिए भी खास है क्योंकि वह फीफा विश्व कप 2026 में शानदार फॉर्म में हैं। मेसी ने विश्वकप में ओवरऑल मिरोस्लाव क्लोज के सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड तोड़ा और फिलहाल पांच गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष गोल स्कोरर बने हुए हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। ऐसे में पूरी दुनिया एक बार फिर उस खिलाड़ी का जश्न मना रही है जिसने अपने करियर में लगभग हर सपना पूरा किया।

बीमारी से जंग, फिर दुनिया पर राज

आज जिस खिलाड़ी को दुनिया फुटबॉल का भगवान कहती है, उसका बचपन संघर्षों से भरा था। महज 11 साल की उम्र में मेसी को ग्रोथ हार्मोन डेफिशिएंसी नामक बीमारी हो गई थी। इस बीमारी के कारण उनका शारीरिक विकास रुक गया था और इलाज बेहद महंगा था।उनके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी कि लगातार इलाज का खर्च उठा सके। तभी स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और इलाज का पूरा खर्च उठाने का फैसला किया। कहा जाता है कि मेसी का पहला अनुबंध एक नैपकिन पेपर पर लिखा गया था। वही नैपकिन आगे चलकर फुटबॉल इतिहास की सबसे चर्चित कहानियों में शामिल हो गई।

बार्सिलोना में शुरू हुआ स्वर्णिम युग

बार्सिलोना पहुंचने के बाद मेसी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अगले डेढ़ दशक तक उन्होंने क्लब फुटबॉल पर लगभग एकछत्र राज किया। बार्सिलोना के लिए उन्होंने 778 मैचों में 672 गोल किए और क्लब के सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर बने। उनके नेतृत्व में बार्सिलोना ने 10 ला लीगा, 4 यूईएफए चैंपियंस लीग, 7 कोपा डेल रे और कई अन्य ट्रॉफियां जीतीं। साल 2012 उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 91 गोल दागकर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

आलोचनाओं से टूटे, संन्यास लेकर दुनिया को चौंकाया

मेसी के करियर का सबसे भावुक पल 2016 में आया। अर्जेंटीना लगातार बड़े टूर्नामेंटों के फाइनल हार रहा था और कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ पेनाल्टी चूकने के बाद मेसी बुरी तरह टूट गए। मैच के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। यह खबर सुनकर अर्जेंटीना ही नहीं, पूरी दुनिया के फुटबॉल प्रशंसक स्तब्ध रह गए। आलोचकों का मानना था कि मेसी दबाव में बड़े खिताब नहीं जिता सकते। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।अर्जेंटीना की जनता, पूर्व खिलाड़ियों और देशभर से उठी भावनात्मक अपीलों के बाद मेसी ने अपना फैसला बदला और राष्ट्रीय टीम में लौट आए। इसके बाद उन्होंने वह कर दिखाया जिसका इंतजार करोड़ों अर्जेंटीनी वर्षों से कर रहे थे। 2021 में अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका जिताकर उन्होंने 28 साल का खिताबी सूखा खत्म किया। इसके बाद 2022 में फाइनलिसिमा और फिर विश्व कप जीतकर उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी कमी भी पूरी कर ली। उनकी वापसी फुटबॉल इतिहास की सबसे सफल वापसी में गिनी जाती है।

एशियन गेम्स से बाहर होने पर मनिका ने उठाए सवाल

मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए

कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

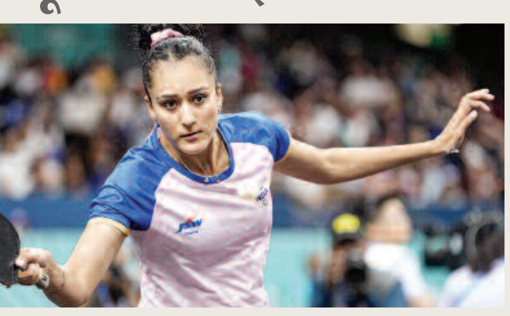

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा एशियन गेम्स 2026 के लिए घोषित भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद लगातार चर्चा में हैं। चयन को लेकर उठे विवाद के बीच मनिका ने एक बार फिर अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया है कि वह किसी विशेष रियायत या टीम में जबरन जगह की मांग नहीं कर रही हैं, बल्कि केवल यह जानना चाहती हैं कि आखिर उन्हें चयन के योग्य क्यों नहीं माना गया।मनिका ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और फैसलों में कथित मनमानी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा है कि यदि उन्हें इस फैसले के पीछे की वजह का संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है तो वह कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगी।

मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए

मनिका ने अपने बयान में कहा, 'पिछले दो दशकों से मुझे सर्वोच्च स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। अपने पूरे करियर में मैंने जीत, हार, चयन और चयन न होने, सभी परिस्थितियों को स्वीकार किया है। यह खेल का हिस्सा है। लेकिन जिस बात को स्वीकार करना मुश्किल है, वह है पारदर्शिता की कमी और मनमानी।'उन्होंने आगे कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं चयन की मांग नहीं कर रही हूं और न ही किसी से फैसला बदलने को कह रही हूं। मैं सिर्फ जवाब मांग रही हूं। मुझे यह नहीं बताया गया कि मेरा चयन क्यों नहीं किया गया। यदि मुझे इस फैसले के आधार के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, तो मेरे पास कानूनी विकल्प अपनाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।'

रैंकिंग और फॉर्म को लेकर उठाए सवाल

विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज मनिका ने पूछा कि आखिर किस आधार पर खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने कहा कि टेबल टेनिस की रैंकिंग हर सप्ताह बदलती रहती है, ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि चयन किसी एक सप्ताह, दो महीने, छह महीने या पूरे वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। मनिका का मानना है कि केवल रैंकिंग ही नहीं, बल्कि हालिया प्रदर्शन और मौजूदा फॉर्म को भी चयन का आधार बनाया जाना चाहिए।

वोटिंग आधारित चयन पर भी जताई चिंता

मनिका ने उन रिपोर्टों पर भी सवाल उठाए, जिनमें दावा किया गया था कि अंतिम चयन वोटिंग के जरिए किया गया। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो खिलाड़ियों को यह जानने का अधिकार है कि किसने और किन कारणों से फैसला लिया। उन्होंने कहा, 'अगर मेरे खिलाफ वोटिंग हुई है तो उसके पीछे क्या कारण थे? क्या फैसला खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया था या व्यक्तिगत राय के आधार पर? इन सवालों के जवाब पारदर्शी तरीके से सामने आने चाहिए।'

शुभमन गिल वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच

दुबई। भारत के ओपनर शुभमन गिल की ताजा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने अलग-अलग फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन के बाद टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी शीर्ष पर बदलाव हुआ है जिसमें इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी जो रूट ने फिर से नंबर 1 स्थान हासिल किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ रूट के 46 और 77 रनों के स्कोर ने उन्हें दो स्थान ऊपर चढ़ने और अपने साथी हैरी ब्रूक और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड से आगे निकलने में मदद की जिससे वे अपने करियर में 12वीं बार शीर्ष स्थान पर पहुंचे।

हालिया प्रदर्शन के बाद गिल तीन स्थान ऊपर चढ़े और अब वनडे बल्लेबाजों में दूसरे स्थान पर हैं जो शीर्ष रैंकिंग वाले डेरिल मिशेल से केवल 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। भारत के ही बल्लेबाज ईशान किशन ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है।

यशस्वी को लेकर भी अटकलों का बाजार गर्म...

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलेंगे हार्दिक पांड्या!

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 का सीजन अभी दूर है, लेकिन फ्रेंचाइजी ने अभी से इसकी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। मुंबई इंडियंस में हार्दिक पांड्या की वापसी सुखद नहीं रही है और जब से वह टीम में दोबारा शामिल हुए हैं, तभी से टीम और स्वंय उनके लिए चीजें विपरीत होती चली गई हैं। अब खबर आ रही है कि हार्दिक ने मुंबई इंडियंस से राहें अलग करने का मन बना लिया है और उन्हें इसके लिए दो प्रस्ताव मिले हैं।

केकेआर ने मुंबई से साधा संपर्क

शाहरुख खान के सहस्वामित्व वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की ओर से हार्दिक को दो प्रस्ताव मिले हैं। सूत्र ने बताया कि नाइट राइडर्स के शीर्ष प्रबंधन और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर कई बार बातचीत हुई है। सूत्र ने बताया, अजिंक्य रहाणे केकेआर के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सत्र के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। केकेआर के बड़े अधिकारियों ने पिछले सत्र के आखिर में मुंबई इंडियंस के मालिकों से संपर्क किया था लेकिन उस समय रिलायंस की सालाना आम बैठक होने वाली थी इसलिए उस समय आईपीएल ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी। हालांकि पता चला है कि केकेआर ने फिर से मुंबई इंडियंस के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है। यह तय है कि अगर हार्दिक पूरी तरह से नकद करार या खिलाड़ी की अदला-बदली के जरिए केकेआर में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि मुंबई की टीम इस स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह नकद करार चाहती है या खिलाड़ी की अदला-बदली तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

ट्रेड को लेकर क्या कहते हैं आईपीएल के नियम

आईपीएल के नियमों में साफ कहा गया है कि कोई खिलाड़ी टीम छोड़ने को लेकर किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी के बीच ही हो सकती है। यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है तो उसे रिलीज करके वापस नीलामी में भेजना होगा।

राजस्थान से मिली ट्रेड की पेशकश

मुंबई को मिली दूसरी पेशकश यशस्वी जायसवाल और हार्दिक के बीच अदला-बदली की बताई जा रही है, लेकिन पक्के तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि बातचीत आगे बढ़ी है या नहीं। हालांकि रॉयल्स की टीम असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रही है इसलिए हार्दिक को कप्तानी की भूमिका मिलना मुश्किल होगा। अगर हार्दिक किसी अन्य टीम के साथ जुड़ते हैं तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना में केकेआर फिलहाल कहीं अधिक बेहतर विकल्प लग रहा है।

ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ जारी, पाकिस्तान को 113 रन से रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 113 रन से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। एलिस पेरी ने 71 रन बनाने के साथ दो विकेट भी लिए। दूसरी ओर श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने नाबाद 106 रन की पारी खेलकर आयरलैंड के खिलाफ टीम को नौ विकेट से जीत दिलाई। वहीं न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर अंतिम चार की उम्मीदें बरकरार रखीं।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराया

लीड्स में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 199/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम को पहला झटका मैच की पहली ही गेंद पर बेथ मूनी के रूप में लगा, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और जॉर्जिया वोल ने पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए केवल 56 गेंदों में 100 रन की साझेदारी की। वोल ने 39 रन बनाए, जबकि पेरी ने 48 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली। अंत में एनाबेल सदरलैंड (27) और निकोला कैरी (26) ने तेजी से रन जोड़कर स्कोर को 199 तक पहुंचाया।जवाब में पाकिस्तान की टीम महज 86 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से मुनीबा अली ने सर्वाधिक 32 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके। पाकिस्तान की पारी तीन रन आउट से भी प्रभावित रही। गेंदबाजी में पेरी ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके, जबकि कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स और सदरलैंड ने भी दो-दो विकेट लिए।

सेमीफाइनल अभी भी पूरी तरह तय नहीं

चार मैचों में चार जीत के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल की जगह अभी आधिकारिक रूप से पक्की नहीं हुई है। दक्षिण अफ्रीका और भारत भी चार-चार जीत के साथ बराबरी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स में भारत से होगा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने कहा, 'हमारे पास विकल्प हैं, गहराई है और टीम अच्छी स्थिति में है। हालांकि अभी भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें और बेहतर होना है।' ब्रिस्टल में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 106 रन की विस्फोटक पारी खेली। यह महिला टी20 विश्व कप इतिहास का आठवां शतक और अटापट्टू के टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा शतक रहा। उन्होंने टीम के 134 रन में से 106 रन अकेले बनाए। उनकी पारी में 17 चौके शामिल रहे और उन्होंने विजयी रन भी खुद ही लगाए। दो दिन पहले ही अटापट्टू ने खुद को कप्तान के रूप में असफल बताया था, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने बल्ले से शानदार जवाब दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले मैच में मैं जल्दी आउट हो गई थी और उससे निराश थी। लेकिन आज हमने जीत हासिल की और एक खिलाड़ी तथा कप्तान के रूप में मेरे लिए यही सबसे महत्वपूर्ण है। मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला और हमेशा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी की।' श्रीलंका ने यह मुकाबला 4.3 ओवर शेष रहते नौ विकेट से जीत लिया। दिन के दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवित रखा। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131/7 का स्कोर बनाया। डार्सी कार्टर ने शानदार नाबाद 72 रन बनाए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा) — लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3928

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3927 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन..... .एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा. उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है, मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला-'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3928

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3927

सूडोकु -3928

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3927 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 3928

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -3927 का हल

रेसिपी

ब्रेड पोहा

सामग्री

■ ब्रेड स्लाइस: 8-10 छोटे टुकड़ों में कटे हुए ■ मूंगफली दाना : 1/2 कप ■ प्याज: 1 बारीक कटा ■ टमाटर: 1 बारीक कटा ■ हरी मिर्च : 2 बारीक कटी ■ नींबू का रस ■ जीरा : 1 छोटा चम्मच ■ राई :1 छोटा चम्मच ■ सौंफ : 1 छोटा चम्मच ■ हल्दी पाउडर : 1 छोटा चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1 छोटा चम्मच ■ लाल मिर्च : 1/2 छोटा चम्मच ■ तेल : 1 बड़ा चम्मच ■ नमक : स्वाद के अनुसार

विधि

कढ़ाई में तेल गर्म करें। अब इसमें जीरा, राई और करी पत्ता डालकर तड़काएं। अब इसमें बारीक कटी प्याज, हरी मिर्च को डालकर प्याज के सुनहरा होने तक भुनें। इसके बाद इसमें टमाटर, मूंगफली के दाने डाल दें। 2 मिनट भनने के बाद सारे मसाले डाल दें। टमाटर को सॉफ्ट होने तक पकाएं। टमाटर जब पक जाएं तब इसमें ब्रेड के छोटे टुकड़े कर डालें और 2 मिनट और पकाएं। तैयार है ब्रेड पोहा, जिसे आप ब्रेकफास्ट के अलावा शाम के स्नैक्स में भी सर्व कर सकते हैं।

फ्लेवर्ड कोकोनट इडली

सामग्री

■ 12-15 मिनी इडली ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ कुछ टूथपिक्स ■ तेल ■ राई दाना: 1 टी स्पून ■ 1 नींबू, ■ हींग: चुटकी भर ■ थोड़ा हल्दी पाउडर ■ थोड़ा करी पत्ता ■ साउथ इंडियन मसाला ■ लाल मिर्च पाउडर

विधि

नॉनस्टिक कड़ाही में राई दाना, हींग और साउथ इंडियन मसाला डालकर 4-5 इडली डालकर निकालें। यह लाल रंग की हो जाएगी। अब हरे रंग के लिए कड़ाही में तेल डालें। उसमें राई, हींग और करी पत्ते का पेस्ट डालकर थोड़ी इडली डालें और निकालें। इडली को पीला रंग देने के लिए तेल, राई दाना, हींग, हल्दी, नमक और नींबू डालकर बाकी बची इडलियां डालकर निकाल लें। अब सभी रंग की इडलियों को टूथपिक में लगाकर सेट करें। अगर आपके पास मिनी इडली स्टैंड नहीं है तो नॉर्मल साइज वाली इडली बनाएं।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY
DISPLAY B&W — Rs. 750/- (Per Sq. cm)
DISPLAY COLOR — Rs. 750/- + 50% Extra (Per Sq. cm)
CLASSIFIED DISPLAY — Rs. 75/- (Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.
CLASSIFIED Run On words — Rs. 15/- (Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words
Covering Area Delhi NCR & Western U.P.
Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.
Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

फिल्मों के बजट का बड़ा हिस्सा स्टार्स पर खर्च होता है

पंजाबी एक्टर गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म 'कैरी ऑन जट्टा 4' इस महीने रिलीज को तैयार है। इससे पहले हाल ही में उन्होंने भारतीय सिनेमा में बजट के मॉडल को लेकर बात की। उन्होंने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि पूरे बजट का एक बड़ा हिस्सा सितारे ले लेते हैं। इसके बाद प्रोडक्शन के लिए कम बजट बचता है। यह मॉडल लंबे वक्त तक नहीं चलेगा।

गिप्पी ग्रेवाल ने बॉलीवुड की टूटी अर्थव्यवस्था और खराब बजट मॉडल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि फिल्मों से 79 प्रतिशत हिस्सा एक्टर ले जाते हैं। उनका कहना है कि बजट इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा कि स्टार्स की बढ़ती फीस और घटता प्रोडक्शन बजट। इंडियन सिनेमा में बजट का एक ऐसा मॉडल बन गया है, जो लंबे समय तक नहीं चल सकता। इसमें फिल्म के बजट का बहुत बड़ा हिस्सा प्रोडक्शन के बजाय टैलेंट (स्टार्स) पर खर्च हो जाता है।

विदेशी इंडस्ट्री से तुलना की

गिप्पी ग्रेवाल का कहना है, 'कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में, कास्ट, डायरेक्टर और राइटर की कुल फीस फिल्म के बजट का लगभग 21 प्रतिशत होती है। बाकी 79 प्रतिशत हिस्सा फिल्म बनाने में खर्च होता है। यहां अक्सर इसका उल्टा होता है'। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा, 'लगभग 79 प्रतिशत हिस्सा तो टीम ही ले जाती है, जिससे फिल्म बनाने के लिए बहुत कम पैसा बचता है। कलाकार करोड़ों रुपये लेते हैं और यहीं से असंतुलन शुरू होता है'।

लागत पर ध्यान की बजाय सुधार की जरूरत

गिप्पी ग्रेवाल का मानना है कि सिर्फ लागत कम करने पर ध्यान देने के बजाय, इंडस्ट्री को सुधार की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'यह रिकवरी मॉडल है। अगर रिकवरी स्वस्थ हो जाती है, तो उत्पादन मूल्यों में काफी सुधार हो सकता है। दिन के आखिर में, यह सब गणित है'। स्टार्स की फीस पर लगी सीमा (कैपिंग) को लेकर हो रही बहस पर वे कहते हैं कि बार-बार बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप होने के बावजूद मार्केट एक्टर्स को अच्छा पैसा देता रहता है।

अदा शर्मा की मराठी डेब्यू फिल्म 'गजरा' का एलान; साल 2027 में होगी रिलीज

'द केरल स्टोरी' और '1920' जैसी फिल्मों से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाली अदा शर्मा अब मराठी इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं। उनकी पहली फिल्म होगी 'गजरा'। इसका एलान हो गया है। साथ ही पहली झलक भी सामने आई है। अदा शर्मा की डेब्यू मराठी फिल्म 'गजरा' का आधिकारिक एलान कर दिया गया है। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। अदा इसमें लीड रोल निभाती नजर आएंगी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर कर यह जानकारी साझा की है। साथ ही लिखा है, 'मराठी में मेरी पहली फिल्म 'गजरा'। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है'।

अदा ने फैंस से की ये गुजारिश

अदा शर्मा ने आगे लिखा है, 'मेरी पहली फिल्म '1920' से 'केरल स्टोरी', 'सनफ्लावर', 'कमांडो', 'बस्तर', 'रीता सान्याल' तक, आपने मुझे बहुत प्यार दिया। हार्टअटैक, क्षणम, राणा विक्रम और मेरी सभी साउथ फिल्मों के लिए भी खूब प्यार दिया। मुझे अपने मराठी डेब्यू के लिए भी आप सभी के आशीर्वाद, साथ और प्यार की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि मैं आप सभी को गौरवान्वित कर सकूंगी और एक ऐसी फिल्म बना सकूंगी, जिसे आप सभी पसंद करें।

सच्ची घटना पर आधारित होगी कहानी

फिल्म का पोस्टर काफी दिलचस्प है। इससे सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक अंधेरे, परेशान करने वाली और कठिन कहानी का संकेत मिल रहा है। अदा शर्मा की इस फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण अमोल बोरकर कर रहे हैं। गणराज स्टूडियोज की पेशकश फिल्म 'गजरा' जिग जैग प्रोडक्शन्स की पहली फिल्म है। अदा ने अपने पोस्ट में यह बताया है कि यह फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है।

देवदत्त मनीषा बाजी का होगा संगीत

फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी देवदत्त मनीषा बाजी संभालेंगे। बता दें कि देवदत्त महाराष्ट्र के एक जाने-माने संगीतकार, म्यूजिक अरेंजर और प्रोड्यूसर हैं। वे मराठी सिनेमा में अपने शानदार ऐतिहासिक और लोक-संगीत के लिए विशेष रूप से लोकप्रिय हैं।

बॉक्स ऑफिस को लेकर आज भी एक्साइटमेंट और टेंशन

अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज से पहले सुनील शेट्टी ने बताया कि बॉक्स ऑफिस को लेकर आज भी एक्साइटमेंट, टेंशन और घबराहट बनी रहती है।

बातचीत में सुनील शेट्टी ने कहा कि एक फिल्म की सफलता काफी हद तक उसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, 'सब कुछ इससे जुड़ा होता है। एक शुक्रवार को आप टॉप पर हो सकते हैं और अगले शुक्रवार को नहीं भी हो सकते। इसलिए एक्साइटमेंट, टेंशन और घबराहट हमेशा रहती है।'

क्या है सेफ्टी नेट

इस पर सुनील ने कहा, 'इस फिल्म में बहुत शानदार स्टार कास्ट है- अक्षय, परेश जी, जॉनी भाई, अरशद, तुषार, श्रेयस, दलेर पाजी और कई दूसरे कलाकार। इतने टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना एक तरह का सेफ्टी नेट देता है।' सुनील ने आगे कहा, 'फिल्म बहुत एंटरटेनिंग है। मैं यह नहीं कह सकता कि यह अच्छी है या खराब, क्योंकि हर किसी का नजरिया अलग होता है। जब हम फिल्म देखते हैं, तो हमें बहुत मजा आता है। लेकिन जब दर्शक शुक्रवार को इसे देखेंगे, तो उनका नजरिया बिल्कुल अलग हो सकता है।' फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' 26 जून को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अक्षय और सुनील शेट्टी के अलावा दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह भी हैं। इनके अलावा भी कई एक्टर्स इस फिल्म का हिस्सा हैं।

वेब सीरीज 'राख' से बदली दिव्या शर्मा की जिंदगी

अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'राख' में दिव्या शर्मा ने सुमन की भूमिका निभाई है। इस सीरीज में अली फजल मुख्य भूमिका में नजर आए। 1978 के कुख्यात रंगा-बिल्ला केस से प्रेरित इस सीरीज से दिव्या की जिंदगी में काफी बदलाव आए हैं। जिसकी खास झलक उन्होंने तस्वीरों के जरिए सोशल मीडिया पर शेयर की है। दिव्या ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। जिससे साफ पता चल रहा है कि सीरीज 'राख' ने उनकी जिंदगी कितनी बदल दी है। इस तस्वीर में दिव्या 'मिर्जापुर' फेम श्वेता त्रिपाठी उर्फ गोलू के साथ बेहद खुश दिख रही हैं। बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने वेब सीरीज का एक खास पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्टर के साथ करण जौहर ने दिव्या की तारीफ की है। करण ने लिखा, ' दिव्या शर्मा, आप बहुत बढ़िया हैं।' इस तस्वीर में दिव्या के साथ फिल्म 'राख' की पूरी टीम के सदस्य पोज देते नजर आ रहे हैं। इस सीरीज में अली फजल और सोनाली बेंद्रे मुख्य भूमिका में हैं। वहीं आकाश मखीजा, रमनदीप यादव, दिव्या शर्मा और विवान शर्मा भी वेब सीरीज में खास भूमिका निभाई है। वेब सीरीज 'राख' का निर्देशन 'परी' और 'पाताल लोक' जैसी डार्क दुनिया रच चुके प्रोसित रॉय ने किया है। यह सीरीज अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम हो चुकी है। इस तस्वीर में दिव्या सीरीज 'राख' के पोस्टर के

सामने पोज देती नजर आ रही हैं। इससे पहले दिव्या 'ग्राम चिकित्सालय' में जुही के किरदार में नजर आईं थीं। सीरीज में सुमन को एक 16 साल की मासूम लेकिन समझदार लड़की के रूप में दिखाया गया है, जो अपने भाई के साथ घर से निकलती है और फिर दोनों लापता हो जाते हैं। सीरीज 'राख' में दिव्या शर्मा के अभिनय की हर कोई तारीफ कर रहा है। इस किरदार में दिव्या काफी नेचुरल और प्रभावशाली नजर आईं, जो उन्हें खास बनाती है। 'ग्राम चिकित्सालय' में दिव्या ने जुही का किरदार निभाया है। ये वेब सीरीज भी अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई थी। इस शो के दो सीजन रिलीज हो चुके हैं।

करियर में आए बदलावों पर प्रियंका चोपड़ा ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड से निकल हॉलीवुड तक नाम कमा चुकीं प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल स्टार हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह भारी-भरकम बजट में बनी फिल्म है, जिससे प्रियंका चोपड़ा को बहुत उम्मीदे हैं। एसएस राजामौली की इस फिल्म में प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में प्रियंका ने इस फिल्म पर बात की। साथ ही बताया कि वे जल्द ही एंजेलिना जोली के साथ काम करेंगी। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने फ्यूचर प्लान पर 'फॉर्च्यून इंडिया' से बात करते हुए बताया कि वे एंजेलिना जोली के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह प्रोजेक्ट कोई फिल्म होगी, विज्ञापन होगा या कोई चैरिटी से जुड़ा काम। प्रियंका ने हॉलीवुड की उन महिलाओं में एंजेलिना जोली का भी जिक्र किया, जिनसे उन्हें प्रेरणा मिलती है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर में हुई तरक्की के बारे में बात की। हैदराबाद में शूटिंग के दौरान अपनी जिंदगी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'फिल्म 'वाराणसी' के सेट पर शूटिंग का माहौल बहुत मजेदार है। सभी एक्टर्स के परिवार साथ में हैं। हम मस्ती कर रहे हैं। हंस-बोल रहे हैं। साथ ही काम पर पूरा ध्यान है। रिहर्सल और फोकस के साथ काम हो रहा है'। इतने वर्षों में अपने करियर में हुई तरक्की पर बात करते हुए देसी गर्ल ने माना कि अब उन्हें काम में ज्यादा क्रिएटिव आजादी मिलती है। उन्होंने कहा, 'जब मैंने शुरुआत की थी, तब स्क्रिप्ट्स मेरे हिसाब से नहीं लिखी जाती थीं। अब मैं अपने प्रोजेक्ट्स खुद चुन सकती हूं और बना सकती हूं। इंटरनेशनल लेवल पर प्रियंका चोपड़ा फिल्ममेकर मीरा नायर की बायोपिक ड्रामा 'अमरी' से भी जुड़ी हुई हैं।

जो चीज खुशी दे, वो करना चाहिए

हमारे समाज में औरतों के चरित्र को उसके कपड़ों की लंबाई से जज किया जाता है और सोसायटी की इसी सोच पर चोट करती है, माधुरी दीक्षित की नई फिल्म मां बहन। फिर में सोसायटी के तमाम नियमों को तोड़ने वाली रूल बेक्रर रेखा बनी माधुरी दीक्षित ने खुद भी लोगों के जजमेंट का सामना किया है, मगर वह उनकी परवाह न करके अपनी मर्जी के मुताबिक जीने में यकीन रखती हैं।

लोगों के जजमेंट को लेकर माधुरी कहती हैं, 'समाज में जजमेंट तो है ही। आप चाहे स्क्रीन पर हों या किसी भी प्रफेशन में, हमें जज किया ही जाता है, खासकर सिंगल औरतों को और भी ज्यादा। मतलब वे काम से लेट आईं तो लोग कॉमेंट करना शुरू कर देते हैं कि अरे, इतनी देर से आ रही है। ऐसे ही हमारे भी प्रफेशन में है कि अच्छा, अब तो मां बन चुकी है, अभी भी क्यों काम कर रही हैं या ये कोई उम्र है क्या डांस करने की? ऐसे कॉमेंट भी आते हैं, जिसका सामना करना होता है, लेकिन मेरा मानना है कि जजमेंट के बावजूद आपको वो करना चाहिए जो चीज आपको खुशी देती है। कॉमेंट्स करना उन्हें खुशी देता है लेकिन हमें अपने आप में खुश रहना चाहिए।'

डांस से मुझे खुशी मिलती है

आज हम सोशल मीडिया के दौर में एज शेमिंग और वेट शेमिंग बहुत आम है। इस चलन पर माधुरी का कहना है, 'उम्र के साथ बदलाव आएगा ही। चेहरा बदलेगा, शरीर बदलेगा, लेकिन मैं फिर वही कहूंगी कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। आपकी जिंदगी में लोगों की सोच का इतना प्रभाव नहीं होना चाहिए। आप वो करें जो आपको खुशी देता है। जैसे, मुझे डांस पसंद है तो मैं करूंगी क्योंकि उससे मुझे खुशी मिलती है। आप लोगों के नजरिए से हिसाब से अपनी जिंदगी नहीं जी सकते। आप अपनी जिंदगी अपने हिसाब से जिएं, लोग तो बोलते रहेंगे। हां, कभी-कभी बुरा बेशक लगता है कि लोग ऐसा क्यों कह रहे हैं, लेकिन उसे इतना सीरियसली न लें कि उससे आपकी जिंदगी प्रभावित होने लगे।' वहीं, 59 की उम्र में भी बेहद खूबसूरत और फिट माधुरी की फिटनेस का राज पूछने पर बताती हैं, 'इसके पीछे बहुत अनुशासन है। डायट का ख्याल रखना। एक्सरसाइज करना। मेरा डांस ही बहुत बड़ा एक्सरसाइज है। इसके साथ साथ सही समय पर सोना, कोई बुरी आदतें नहीं, वो सब मायने रखता है।'

मैन्युल पढ़कर नहीं बन सकते मां

फिल्म में दो जवान बेटियों की मां की भूमिका निभा रहीं माधुरी मांओं को एक ऊंचे मकाम पर खड़ा कर दिए जाने पर भी सवाल करती हैं। बकौल माधुरी, 'मां को हम एक ऐसे ऊंचे मकाम पर खड़ा कर देते हैं कि मां कुछ गलत नहीं कर सकती। उन्हें ये करना चाहिए, वो करना चाहिए। उन्हें कुछ भी हो जाए, कितनी भी बीमार हो जाए, पर घर का ख्याल तो रखना ही चाहिए। हमें समझना चाहिए कि वो भी इंसान हैं और उन्हें भी उसी तरह से देखा जाना चाहिए। उनकी भी कभी तबीयत खराब होगी, वे भी आराम डिजर्व करती हैं।' वहीं, निजी जिंदगी में उनका अपने बेटों संग कैसा तालमेल रहता है? इस पर वह हंसकर कहती हैं, 'मां बनने का मतलब है केयास। उसके बाद उथल-पुथल ही रहता है जिंदगी में क्योंकि हर बच्चा अलग होता है और आपको उन्हें समझना होता है। बच्चा किसी मैनुअल के हिसाब से तो पाला नहीं जा सकता।

बहुत तैयारी से आते हैं आज के ऐक्टर्स

माधुरी अपने दौर और आज नई पीढ़ी के कलाकारों, दोनों के साथ काम कर रही हैं। ऐसे में, इन दोनों पीढ़ियों के कलाकारों में वह क्या अंतर पाती हैं? यह पूछने पर वह बताती हैं, 'पहले के कलाकार जब इंडस्ट्री में आते थे तो दूर-दूर तक फिल्मों के बारे में कुछ पता नहीं होता था। हम बिल्कुल भी अनुभवी नहीं थे। हमें यह भी पता नहीं था कि सेट कैसे होते हैं। हमने काम करते-करते सब सीखा, लेकिन आज की पीढ़ी बहुत सारे ऐक्टिंग क्लासेस डांस क्लासेस करके आती है। उन्होंने ऐक्टिंग सीखी होती है। रील्स बनाए होते हैं। जैसे, मैं धारणा (इंफ्लूएंसर कोस्टार धारणा दुर्गा) को देखती हूं तो मुझे उन पर बहुत गर्व होता है क्योंकि वह खुद अपना कॉन्टेंट लिखती हैं। उनका आब्जर्वेशन इतना स्ट्रॉन्ग है, फिर उसे कॉमिडी में ढालती हैं और लोगों को हंसाती हैं, वह कमाल की चीज है। हमारे यहां वुमन कमीडियंस बहुत कम रही हैं। ऐसे में आज जब मैं देखती हूं कि लड़कियां स्टैंड अप कॉमिडी कर रही हैं तो मुझे बहुत खुशी होती है। इसी तरह तृप्ति ने बहुत कमाल की फिल्में की हैं, जिसके बाद उन्हें पहचान मिली है। इस फिल्म में भी उनका अभिनय लाजवाब है तो मुझे इन पर बहुत गर्व होता है कि इन्होंने बहुत कम समय में इतना कुछ हासिल किया है।'

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ सड़कों पर उतरे स्कूली बच्चे और महिलाएं, भड़का जनाक्रोश; नारे लगाकर मांगी आजादी

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सैन्य दमन के खिलाफ जारी जनांदोलन में 10-12 साल के स्कूली बच्चे और महिलाएं भी भारी संख्या में सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी खुलेआम आजादी के नारे लगा रहे हैं और पाकिस्तान सरकार की कड़े शब्दों में निंदा कर रहे हैं। रावलकोट के ईदगाह मैदान में पिछले 11 दिनों से 70,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों का धरना भी जारी है। वहीं सुधनोती जिले के तरार खेल में छोटे-छोटे स्कूली बच्चों ने सार्वजनिक चौकों पर एकत्र होकर स्वतंत्रता के समर्थन में नारेबाजी की। मंधोल में सैकड़ों महिलाओं ने मार्च निकालकर पाकिस्तानी सरकार और सेना को अवैध कब्जाधारी करार दिया। रावलकोट में प्रदर्शन कर रहे बच्चों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर-सेना बाहर जाओ जैसे नारे लिखे थे। आंदोलन की अगुवाई कर रही अवामी एक्शन कमेटी ने पाकिस्तानी सरकार को अपनी 38 सूत्रीय मांगों का चार्टर स्वीकार करने के लिए 23 जून तक का अल्टीमेटम दिया है। ईदगाह मैदान में हजारों लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए संगठन के नेता सरदार अमान खान ने बेहद तीखा और भावुक भाषण दिया। उन्होंने पाकिस्तानी सेना को सीधे तौर पर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने दमन जारी रखा, तो पूरे सैन्य ढांचे को पीओके से बाहर खदेड़ दिया जाएगा।

ट्रम्प समर्थित एबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला बने कोलंबिया के राष्ट्रपति

बोगोटा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थित उम्मीदवार एबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला ने कोलंबिया का राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। शुरुआती मतगणना के अनुसार उन्होंने वामपंथी उम्मीदवार इवान सेपेदा को करीबी मुकाबले में करीब 2.5 लाख वोटों से हराया। उनकी जीत को देश की राजनीति में दक्षिणपंथी और राष्ट्रवादी रुझान की वापसी के रूप में देखा जा रहा है। करीब सभी वोटों की गिनती पूरी होने के बाद डी ला एस्प्रिएला को 49.66% वोट मिले, जबकि इवान सेपेदा को 48.70% वोट प्राप्त हुए। चुनाव परिणाम के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें फोन कर बधाई दी। समर्थकों के बीच 'द टाइगर' के नाम से लोकप्रिय डी ला एस्प्रिएला ने चुनाव अभियान में अपराध नियंत्रण, आर्थिक सुधार और ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत बनाने को प्रमुख मुद्दा बनाया था।

फिलीपींस के टैक्लोबन में स्कूल के भीतर अंधाधुंध फायरिंग, 3 की मौत से मचा कोहराम; दहल उठा पूरा इलाका

टैक्लोबन, एजेंसी। फिलीपींस के टैक्लोबन शहर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक स्कूल परिसर के भीतर हुई अंधाधुंध गोलीबारी ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के तुरंत बाद स्कूल परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में भारी दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहां मौजूद लोगों के अनुसार, स्कूल के भीतर अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई देने लगी, जिसके बाद वहां मौजूद छात्र, शिक्षक और कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। अचानक हुए इस हमले से परिसर में मौजूद लोगों के बीच भारी दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने पूरे स्कूल परिसर को घेर लिया है और मौके से साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक हमले के पीछे की मुख्य वजह और संदिग्धों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। फिलहाल शुरुआती जांच में तीन मौतों की पुष्टि हुई है, लेकिन घायलों की सटीक संख्या और उनकी स्थिति को लेकर विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस घटना के बाद, स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर आसपास के अन्य स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है।

ताइवान ने शुरू किया पांच दिवसीय सैन्य अभ्यास

ताइपे, एजेंसी। चीन से संभावित सैन्य खतरे के बीच ताइवान ने सोमवार से पांच दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया। इस अभ्यास का उद्देश्य सेना की युद्ध तैयारी और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करना है। अभ्यास के तहत ताइवान के ताओयुआन शहर की सड़कों और राजमार्गों पर टैंक तथा बख्तरबंद सैन्य वाहन गश्त करते नजर आए। ताओयुआन में ताइवान का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थित है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इमीडिएट कॉम्बैट रेडीनेस एक्सरसाइज नामक यह अभ्यास वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है।

गाजा में इजराइली हमले में परीक्षा देने जा रही 16 वर्षीय छात्रा की मौत, 3 अन्य घायल

गाजा पट्टी , एजेंसी। गाजा पट्टी में सीजफायर के तमाम दावों के बावजूद मासूम नागरिकों की जान जाने का सिलसिला लगातार और दुखद रूप से जारी है। सोमवार को गाजा सिटी के एक बहुत ही व्यस्त और भीड़भाड़ वाले इलाके में एक भीषण और जानलेवा इजराइली हमला हुआ है। इस दर्दनाक हवाई हमले में एक 16 वर्षीय स्कूली छात्रा राघद हसन आशूर की मौके पर ही बहुत दर्दनाक मौत हो गई है। राघद उस समय अपने स्कूल में 11वीं कक्षा की अहम परीक्षा देने के लिए मुख्य सड़क से पैदल ही आगे जा रही थी।

इस अचानक हुए जोरदार धमाके ने आसपास के पूरे इलाके में भारी तबाही और गहरी दहशत का एक बड़ा माहौल पैदा कर दिया है। मृतका राघद के एक रिश्तेदार जमील आशूर ने विस्तार से बताया कि यह भीषण धमाका रिमल जिले की एक बहुत ही व्यस्त सड़क पर हुआ था। घटनास्थल पर मौजूद भयानक वीडियो में बहुत ही साफ तौर पर देखा जा सकता है कि हमले के बाद वहां दो गाड़ियां पूरी तरह से जलकर नष्ट हो चुकी थीं। इस भारी तबाही के भयंकर मंजर में सड़क पर हर तरफ खून के निशान मौजूद थे जो इस बड़ी त्रासदी की सीधी गवाही दे रहे थे।

हमास लड़ाके को निशाना बनाने का दावा : इस पूरे गंभीर मामले पर इजराइली सेना ने अपनी आधिकारिक सफाई देते हुए स्पष्ट रूप से कहा है कि उनका मुख्य निशाना हमास का एक लड़ाका था। हालांकि सेना ने अपने बयान में यह भी स्वीकार किया है कि इस सैन्य कार्रवाई में एक निर्दोष नागरिक के हताहत होने की जानकारी उन्हें जरूर मिली है। इस भीषण हवाई हमले में मासूम राघद की दर्दनाक मौत के अलावा तीन अन्य स्थानीय लोग भी बहुत ही बुरी तरह से घायल हुए हैं। इन सभी गंभीर घायलों को तुरंत ही पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका लगातार सघन और अहम इलाज किया जा रहा है।

शिफा अस्पताल में पसरा भारी मातम : इस दर्दनाक हमले के बाद राघद के शव को तुरंत गाजा के प्रसिद्ध शिफा अस्पताल में ले जाया गया जहां कोहराम मच गया। शिफा अस्पताल में राघद की बेहाल मां और सैकड़ों अन्य फिलिस्तीनी नागरिकों ने उस मासूम बच्ची को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। युद्ध के बीच इस तरह से लगातार पिस रहे मासूम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर से दुनिया भर में गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सीजफायर के बावजूद नहीं रुक रही मौतें अक्टूबर में हुए संघर्ष विराम समझौते के बावजूद इस पूरे अशांत इलाके में भीषण हिंसा और बेगुनाहों की मौतों का दौर लगातार जारी है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के नए और ताजा आंकड़ों के अनुसार सीजफायर लागू होने के बाद से अब तक 1,000 से अधिक फिलिस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। वहीं 7 अक्टूबर 2023 से शुरू हुए इस भयंकर युद्ध में अब तक कुल 73,018 फिलिस्तीनियों की बहुत ही दर्दनाक रूप से जान जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय की विस्तृत रिपोर्ट के मुताबिक इन मरने वालों में लगभग आधे से ज्यादा केवल बेगुनाह महिलाएं और मासूम बच्चे ही बड़े पैमाने पर शामिल हैं।

इजराइल और हमास का भीषण युद्ध : इस बड़े और विनाशकारी युद्ध की मुख्य शुरुआत तब हुई थी जब हमास के नेतृत्व वाले सशस्त्र लड़ाकों ने दक्षिणी इजराइल में अचानक भारी हमला किया था।

7 अक्टूबर 2023 को हुए उस बहुत ही बड़े और अप्रत्याशित हमले में 1,200 लोग मारे गए थे और 251 अन्य लोगों को बंधक बना लिया गया था। इजराइल का लगातार यही कहना है कि वे केवल उन बड़े खतरों को निशाना बना रहे हैं जो सीधे तौर पर उनकी अपनी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। वहीं दूसरी तरफ इस सीजफायर समझौते के पूरी तरह से लागू होने के बाद से अब तक पांच इजराइली सैनिक भी इस संघर्ष में मारे जा चुके हैं।

ईरान युद्ध की ट्रंप ने चुकाई भारी कीमत, पेंटागन ने कांग्रेस से मांगे 80 अरब डॉलर; सांसदों में भारी नाराजगी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने सीनेटरों को बताया है कि उसे ईरान युद्ध के कारण लगभग 80 अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त धनराशि की जरूरत है। इस धनराशि का अधिकतर हिस्सा ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान की लागत को पूरा करने में खर्च होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित रक्षा बजट में भी भारी बढ़ोतरी की गई है और अब मांगी गई यह 80 अरब डॉलर की राशि रक्षा बजट से अलग है।

औपचारिक अनुरोध होना अभी बाकी : हालांकि, व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट ने अभी तक कांग्रेस के सामने कोई औपचारिक अनुरोध पेश नहीं किया है। लेकिन रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ हाल के दिनों में कैपिटल हिल में सांसदों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। सोमवार शाम भी उन्होंने कई सांसदों से बातचीत की। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री के एक वरिष्ठ सहयोगी ने पिछले सप्ताह सीनेटरों को ईरान अभियान के लिए अतिरिक्त फंडिंग की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी थी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी सबसे पहले दी थी। ईरान युद्ध के लिए अरबों डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग की मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका में राजनीतिक माहौल बेहद संवेदनशील बना हुआ है। कई सांसद ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ किए गए समझौते और युद्ध समाप्ति की रणनीति को लेकर संदेह जता रहे हैं तथा आगे की कार्रवाई को लेकर भी सतर्क हैं। व्हाइट हाउस ने इस वर्ष पेंटागन के लिए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड रक्षा बजट का प्रस्ताव रखा है सीनेट में रिपब्लिकन बहुमत के नेता जॉन थ्यून ने कहा कि उन्हें प्रशासन की ओर से युद्ध संबंधी अतिरिक्त व्यय का प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'जब यह प्रस्ताव आएगा।

मॉन्ट्रियल शहर के हिल्टन होटल में गोलीबारी, बंदूकधारी ने एक अधिकारी की हत्या, हमलावर भी ढेर

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर के एक होटल में एक संदिग्ध ने बंदूक से गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने जवाबी गोलीबारी की और संदिग्ध को मार गिराया। इसमें एक नागरिक की भी मौत हो गई, लेकिन यह तुरंत साफ नहीं हो पाया कि गोली किसने चलाई।

एक पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल : पुलिस प्रमुख फाडी डागर ने बताया कि शहर के कोट-डेस-नीजेस इलाके में हुई गोलीबारी में एक दूसरा पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन उसकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि हमलावर को पुलिस ने गोली मारकर मार डाला। पुलिस प्रमुख ने कहा कि 24 वर्षों में यह पहली बार है कि मॉन्ट्रियल पुलिस का कोई अधिकारी ड्यूटी के दौरान शहीद हुआ है।

मकसद का पता लगाने की कोशिश में पुलिस : उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'यह बहुत ही दुखद दिन है। यह एक बुरे सपने जैसा है।' डागर ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:35 बजे किसी ने आपातकालीन सेवाओं को फोन करके हिल्टन होटल की खिड़की से बंदूक लहराते हुए एक व्यक्ति के बारे में सूचना दी। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और उन पर गोलीबारी की गई। वीडियो में हमलावर होटल के बाहर भी दिखाई दिया।पुलिस अभी भी संदिग्ध के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रही है। डागर ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि नागरिक को गोली किसने मारी। गोलीबारी के पास निर्माण कार्य कर रहे जैकब कौटू ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह चार-पांच गोलियों की आवाज सुनी।

उन्होंने कहा कि कुछ मिनट बाद, पुलिस अधिकारी बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचने लगे और उन्होंने और भी गोलियों की आवाज सुनी। उन्होंने आगे बताया कि हमने पुलिसकर्मियों को गोलीबारी में उलझते और गोली लगने से घायल होते देखा। उनका अनुमान है कि उन्होंने 30 या 40 गोलियों की आवाज सुनी। सार्वजनिक सुरक्षा अधिकारियों ने इलाके में एक हथियारबंद और खतरनाक संदिग्ध के बारे में आपातकालीन चेतावनी जारी की और निवासियों से अपने घरों के अंदर ही सुरक्षित रहने का आग्रह किया।

पाकिस्तान में 'बलूचिस्तान की शेरनी' महरंग बलोच को उम्रकैद की सजा, मचा भारी बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में स्थित एंटी-टेररिज्म कोर्ट ने एक बहुत बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने 'बलूचिस्तान की शेरनी' के नाम से मशहूर चर्चित बलूच एक्टिविस्ट महरंग बलोच को उम्रकैद की सख्त सजा सुनाई है। यह फैसला साल 2024 में ग्वादर में हुई एक रैली के दौरान एक सिक्योरिटी अफसर की मौत के गंभीर मामले में सुनाया गया है। इस फैसले के बाद पूरे पाकिस्तान और बलूचिस्तान में भारी बवाल और विरोध प्रदर्शनों का एक नया दौर शुरू हो गया है। महरंग बलोच के साथ-साथ 'बलूच यकजेहती कमेटी' (बीवाईसी) के एक और बड़े नेता सिबगतुल्लाह शाह को भी उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। एंटी-टेररिज्म कोर्ट क्वेटा-1 के जज मुहम्मद अली मोबिन ने सोमवार को यह अहम फैसला सुनाया। यह

फैसला उस समय आया जब महरंग बलोच और दूसरे बीवाईसी नेताओं ने कोर्ट की पूरी कार्रवाई का कड़ा बॉयकॉट कर रखा था। 12 जून से गिरफ्तार किए गए ये सभी बीवाईसी नेता कानूनी कार्रवाई के विरोध में क्वेटा जेल के अंदर ही अपना धरना दे रहे हैं।

ग्वादर विरोध प्रदर्शन का मामला : बीबीसी उर्दू के अनुसार यह पूरा मामला जुलाई 2024 में ग्वादर में बीवाईसी द्वारा आयोजित बलूच राजी माची सभा से जुड़ा हुआ है। इस सभा के दौरान एक सिक्योरिटी अफसर की मौत हो गई थी जिसके बाद यह कार्यक्रम धरने में बदल गया था। इस बड़ी सभा में सिर्फ बलूचिस्तान के लोग ही नहीं बल्कि अफगानिस्तान और ईरान के बलूच लोग भी शामिल हुए थे। प्रदर्शन के दौरान बलूचिस्तान के कई जिलों में धरने आयोजित किए गए थे जिससे भारी बवाल मच गया था।

फैसले पर बीवाईसी की कड़ी निंदा : महरंग बलोच की 'बलूच यकजेहती कमेटी' ने इस उम्रकैद की सजा की कड़ी निंदा की है। संगठन ने इस अदालती फैसले को पाकिस्तान के बलूच देश के खिलाफ नफरत का इजहार बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस केस का कोई कानूनी आधार नहीं था और यह सरकार की तानाशाही के बराबर है। संगठन के अनुसार इस फैसले ने विरोध और संघर्ष के एक नए ऐतिहासिक दौर की शुरुआत कर दी है।

शांतिपूर्ण एक्टिविज्म को दबाने का आरोप : बीवाईसी ने पाकिस्तान के संस्थानों पर आरोप लगाया कि वे शांतिपूर्ण बलूच राजनीतिक एक्टिविज्म को दबा रहे हैं। उन्होंने अपना आंदोलन आगे भी जारी रखने की बात कही और कहा कि जेल इस बड़े आंदोलन को नहीं रोक सकती है। महरंग बलोच की बहन नादिया बलूच ने भी कोर्ट के इस कड़े फैसले को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उन्होंने इसे बिना पहचान वाली कोर्ट का फैसला बताया क्योंकि लीगल टीम ने 12 जून से बॉयकॉट किया हुआ था। सरकार ने बॉयकॉट के दौरान आरोपियों का केस लड़ने के लिए अपनी तरफ से कुछ वकील नियुक्त किए थे। लेकिन महरंग बलोच और दूसरे बीवाईसी नेताओं ने उन सरकारी वकीलों को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया था।

यूएस फेडरल जज ने ट्रंप सरकार को दिया झटका, अमेरिकी नागरिकों की गोपनीय जानकारी के डेटाबेस को किया ब्लॉक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक फेडरल जज ने ट्रंप सरकार के उस डेटाबेस को रद्द कर दिया जिसमें अमेरिकी नागरिकों की गुप्त जानकारी थी। जज ने इसे गैर-कानूनी बताया, क्योंकि कई राज्यों ने इसका इस्तेमाल योग्य नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटाने के लिए किया था। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कोलंबिया के अमेरिकी जिला कोर्ट की जज स्पार्कल सूकनानन ने एक फैसले में लिखा, 'फेडरल सरकार ने जानबूझकर अमेरिकी नागरिकों के गोपनीयता के अधिकारों का इस तरह से उल्लंघन किया है जिससे वोट देने जैसे महत्वपूर्ण अधिकार को खतरा है। जब ऐसा हो रहा हो तो यह कोर्ट चुपचाप खड़ी नहीं रह सकती।' सूकनानन ने कहा कि फेडरल एजेंसियां संघीय चुनाव प्रणाली में बदलाव लाने वाले एक कार्यकारी आदेश का पालन करने की जल्दबाजी में थीं। इसी वजह से उन्होंने अव्यवस्थित तरीके से लाखों अमेरिकियों की निजी जानकारी को एकत्रित और पुनः उपयोग किया, जिसमें नागरिकता संबंधी वह डेटा भी शामिल था, जिसके अविश्वसनीय होने की जानकारी उन्हें पहले से थी।

उन्होंने आगे कहा, 'तब से, राज्यों ने डेटाबेस को एक्सेस करने के लिए फेडरल सरकार के साथ साझेदारी की है और गलत जानकारी के आधार पर अमेरिका के नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटा रहे हैं।' अमेरिकी जिला जज के अनुसार, 'यह मामला दो बुनियादी अधिकारों को दिखाता है जो अमेरिकियों को सरकारी दखल से बचाते हैं: गोपनीयता का अधिकार और वोट देने का अधिकार।'

ताजा फैसला सितंबर में दायर उस मुकदमे के जवाब में आया, जिसे मतदान अधिकार और गोपनीयता की वकालत करने वाले कई संगठनों के गठबंधन ने दायर किया था। इस गठबंधन का नेतृत्व 'लीग ऑफ वूमेन वोटर्स' कर रहा था। याचिका में 'सिस्टेमैटिक एलियन वेरिफिकेशन फॉर एंटाइटलमेंट्स' (एसएवीई) प्रणाली में किए गए बदलावों को चुनौती दी गई थी। यह प्रणाली अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) द्वारा संचालित की जाती है और नागरिकता तथा आव्रजन स्थिति की पुष्टि करने के लिए इस्तेमाल होती है। मार्च 2025 में, राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी चुनावों में बड़े बदलाव के लिए एक बड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत फेडरल चुनावों में वोट देने के लिए रजिस्टर करने के लिए नागरिकता का डॉक्यूमेंट्री प्रूफ देना जरूरी होगा। उनका दावा था कि अमेरिका ने फेडरल चुनाव की जरूरतों को ठीक से लागू नहीं किया है।

फैसले के अनुसार, एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14248 ने डीएचएस और सामाजिक सुरक्षा प्रशासन समेत कुछ फेडरल एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे राज्य और स्थानीय अधिकारियों के लिए रजिस्टर्ड वोटर्स या वोट देने के लिए रजिस्टर करने वाले लोगों की नागरिकता या इमिग्रेशन स्टेटस को वेरिफाई करने के लिए सिस्टम बनाएं।

हिज्बुल्लाह को लेकर ट्रंप की चेतावनी पर गालिबफ बोले-अमेरिकियों की धमकियों पर भरोसा मत करो

बर्गेनस्टॉक, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता को लेकर बातचीत अब तकनीकी पहलुओं पर है. इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को चेतावनी दी कि अगर वे लेबनान में अपने समर्थक को तुरंत आर्थिक मदद देना बंद नहीं करते हैं तो वे फिर से भीषण हमला करेंगे. इस पर ईरानी संसद के स्पीकर एमबी गालिबफ ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इसे अमेरिका की 'हताशा' की निशानी बताया, जबकि ट्रंप की तीखी आलोचना करते हुए उनकी बातों को फिजूल बताया. ट्रंप की बातों के बाद गालिबफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान वॉशिंगटन की ऐसी धमकियों से नहीं डरेगा और कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश की सेना जवाब देने के लिए तैयार है. गालिबफ ईरानी पक्ष के मुख्य बातचीत करने वाले नेता भी हैं. पोस्ट में लिखा, 'क्या वे खुद से यह नहीं सोचते कि अगर उनकी धमकियों का कोई असर होता, तो वे आज इस निराशा की हालत में नहीं पहुँचते? हम अमेरिकियों की धमकियों पर भरोसा नहीं करते. उन्हें अपने बयानों में सावधान रहना चाहिए, हमारी सेनाएँ दूसरे तरीके से जवाब देने के लिए तैयार हैं. वे जो भी कहें, हम ही हैं जो कार्रवाई करेंगे. उनकी यह बात ट्रंप के उस बयान के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने ईरान को इस इलाके में खासकर लेबनान में हिज्बुल्लाह का परोक्ष जिक्र करते हुए अपने 'प्रॉक्सी ग्रुप्स' को सपोर्ट न करने की चेतावनी दी थी. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'ईरान को लेबनान में अपने ज़्यादा पैसे वाले प्रॉक्सी को परेशानी पैदा करने से

तुरंत रोकना चाहिए. अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हम ईरान पर फिर से बहुत ज़ोरदार हमला करेंगे, ठीक वैसे ही जैसे हमने पिछले हफ़्ते किया था, बस और ज़्यादा जोर से!' यह बातचीत पश्चिम एशिया में दुश्मनी खत्म करने के लिए दोनों पक्षों के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता के हिस्से के तौर पर चल रही टेक्निकल बातचीत के बीच वाशिंगटन और तेहरान के बीच बयानबाजी में सबसे नई बढ़ोतरी को दिखाती है. इस बीच ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक स्विट्जरलैंड में चल रही अमेरिका-ईरान की हाई-लेवल डिप्लोमैटिक बातचीत का पहला राउंड खत्म हो गया है. डेलीगेशन को 'इंटरनल कंसल्टेशन' करने के लिए 80 मिनट बाद सेशन रोक दिया गया. अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को स्विट्जरलैंड में सीनियर ईरानी अधिकारियों के साथ पश्चिम एशिया में संकट का पूरा हल निकालने के मकसद से हाई-लेवल डिप्लोमैटिक कोशिशों की शुरुआत की. पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में हुई बातचीत के दौरान वेंस ने तेहरान के साथ अपने रिश्तों को पूरी तरह से बदलने के लिए वाशिंगटन की तैयारी के बारे में बताया, चर्चा जिसमें मुख्य स्टेकहोल्डर्स शामिल हैं।

अमेरिका की नजर अब श्रीलंका पर: दो सीनियर अधिकारियों का कोलंबो दौरा, सुरक्षा और ट्रेड डील पर होगी अहम चर्चा

कोलंबो , एजेंसी। अमेरिका के दो बहुत ही वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी अपने तीन दिन के महत्वपूर्ण दौरे पर श्रीलंका की राजधानी कोलंबो पहुंच गए हैं। इस हाई प्रोफाइल और बेहद अहम आधिकारिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को बहुत तेजी से बढ़ाना है।

हिंद महासागर क्षेत्र में उभरते हुए कूटनीतिक हालात के कारण यह विदेशी दौरा बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण और रणनीतिक माना जा रहा है। चीन की लगातार बढ़ती दखलंदाजी और तनाव के बीच अमेरिका अपनी मजबूत रणनीतिक साझेदारी को बहुत ही गंभीरता के साथ विस्तार देने की पूरी कोशिश कर रहा है।

दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए नियुक्त सहायक विदेश मंत्री एस पॉल कपूर रविवार को ही अपने तीन दिन के दौरे पर कोलंबो पहुंच गए हैं। इसके साथ ही पैसिफिक एयर फोर्सेज के कमांडर जनरल केविन श्नाइडर भी श्रीलंका में अपना यह महत्वपूर्ण दौरा 24 जून को अच्छी तरह पूरा करेंगे। इन दोनों बड़े अमेरिकी अधिकारियों की इस अहम और कूटनीतिक यात्रा का मुख्य फोकस समुद्री क्षेत्र की पुख्ता सुरक्षा और आपसी व्यापार को मजबूत करना है। अमेरिका अपनी तरफ से श्रीलंका को शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए इस पूरे क्षेत्र में अपना एक बहुत ही जरूरी और अहम साझेदार मानता है।

हिंद महासागर में भू-राजनीतिक चुनौतियां : हिंद महासागर के विशाल और अहम क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों से भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और आपसी तनाव बहुत ही तेजी के साथ लगातार बढ़ता जा रहा है। चीन ने इस बेहद रणनीतिक इलाके में बुनियादी ढांचे में अपना निवेश और अपनी समुद्री मौजूदगी का भारी दायरा काफी ज्यादा और खतरनाक तरीके से बढ़ा लिया है।

इन लगातार बढ़ती वैश्विक और समुद्री चुनौतियों को देखते हुए अमेरिका अब

श्रीलंका के साथ अपने पुराने संबंधों को बहुत ज्यादा गहराई और मजबूती देना चाहता है। इसलिए अमेरिका अपनी व्यापक इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत श्रीलंका समेत कई अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रीय देशों के साथ अपना भारी सुरक्षा और आर्थिक जुड़ाव बढ़ा रहा है।

जनरल केविन श्नाइडर की अहम बैठकें : अमेरिकी दूतावास की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार जनरल केविन श्नाइडर अपने इस अहम दौरे के दौरान श्रीलंका सरकार के कई बड़े अधिकारियों से मिलेंगे। वे स्थानीय रक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ नेताओं, रक्षा मंत्रालय और श्रीलंका वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ बहुत ही महत्वपूर्ण और अहम रणनीतिक बातचीत करेंगे। इस अहम द्विपक्षीय बातचीत का मुख्य फोकस हवाई और समुद्री क्षेत्र की कड़ी निगरानी और आधुनिक साइबर सुरक्षा पर अपना आपसी सहयोग बढ़ाना रखा गया है। इसके अलावा किसी भी तरह की प्राकृतिक आपदा प्रतिक्रिया और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने पर भी इस विशेष बातचीत के दौरान काफी ज्यादा जोर दिया जाएगा। एस पॉल कपूर और व्यापारिक साझेदारी सहायक विदेश मंत्री एस पॉल कपूर भी अपनी इस शानदार यात्रा के दौरान श्रीलंका के वरिष्ठ और ताकतवर नेताओं से क्षेत्रीय और सुरक्षा मुद्दों पर गंभीर चर्चा करेंगे। वे वहां के निजी क्षेत्र के बड़े अधिकारियों और कई प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों से भी बहुत ही अहम और सीधे तौर पर व्यापारिक मुलाकात करेंगे। इन महत्वपूर्ण व्यापारिक मुलाकातों का सीधा लक्ष्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और विदेशी निवेश के बड़े आपसी संबंधों को बहुत ज्यादा विस्तार देना है। यह बहुप्रतीक्षित यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस विशेष और कड़ी प्रतिबद्धता को भी प्रमुखता से दर्शाती है जो क्षेत्रीय सुरक्षा और समृद्धि को आगे बढ़ाती है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)